www.navpradesh.com

दैनिक नव प्रदेश

आदित्यवर्ण तमसः परस्तात्

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 9 | कारोबार/खेल

बिलासपुर, मंगलवार, 11 अगस्त 2026 कृष्ण पक्ष-चर्तुदशी, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-12 अंक- 121 पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्रीय ध्वज 140 करोड़ भारतवासियों के सम्मान का प्रतीक : मुख्यमंत्री साय

■ भाजपा की रायपुर में निकली भव्य 'तिरंगा यात्रा' में भारी जनसमूह उमड़ा, जगह-जगह पुष्पवर्षा

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा 140 करोड़ भारतवासियों के सम्मान का प्रतीक है और यह पूरे देश को एक सूत्र में पिरोने का काम करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के अमृत काल में 'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरुआत की थी, जो आज एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन का रूप ले चुका है। श्री साय ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आने वाली पीढ़ी को यह समझाना है कि यह आजादी हमें आसानी से नहीं मिली है।

महात्मा गांधी, चंद्रशेखर आजाद, सुभाष चंद्र बोस और वीर सावरकर जैसे अनेक महापुरुषों के त्याग, बलिदान और कुर्बानियों के बाद देश आजाद हुआ है। श्री साय सोमवार को यहाँ भारतीय जनता ■ शेष पृष्ठ 8 पर

गुलामी से समाज में व्याप्त कुरीतियों-विकृतियों को दूर करना है: विजय शर्मा

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरुआत की है। गुलामी से समाज में जो कुरीतियाँ और विकृतियाँ व्याप्त हुई हैं, उन्हें दूर करना है और देश को गौरवान्वित करना है। भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा शांति और सद्भाव का प्रतीक है।

सीएम और डिप्टी सीएम 1500 मीटर तिरंगे के साथ चले

भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को राजधानी स्थित बलवीर सिंह जुनेजा इनडोर स्टेडियम से भव्य 'तिरंगा यात्रा' निकाली जो सुभाष स्टेडियम में समाप्त हुई। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री साय और उप मुख्यमंत्री द्वय श्री साव व श्री शर्मा ने यात्रा को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यात्रा में आम जनता और कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। यात्रा में मुख्यमंत्री श्री साय एवं उपमुख्यमंत्री द्वय श्री साव व श्री शर्मा 1500 मीटर तिरंगे के साथ चले। घोड़ा-बग्घी सहित तिरंगा यात्रा निकाली गई। बलबीर सिंह जुनेजा इनडोर स्टेडियम से शुरू होकर यह तिरंगा यात्रा सिद्धार्थ चौक, पुरानी बस्ती, कालीबाड़ी और महिला थाना चौक से होते हुए सुभाष स्टेडियम पर संपन्न हुई। पूरी यात्रा के दौरान 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के उद्घोष से राजधानी का माहौल देशभक्ति के रंग में रंग गया। यात्रा-मार्ग पर जगह-जगह पुष्पवर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया गया।

तिरंगा यात्रा में ये हुए शामिल

भाजपा की इस तिरंगा यात्रा में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ओपी चौधरी, गुरु खुशवंत साहेब, राजेश अग्रवाल, लक्ष्मी रजवाड़े, भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, अखिलेश सोनी, डॉ नवीन मार्कंडेय, सांसद रूपकुमारी चौधरी, विधायक राजेश मूणत, पुरन्दर मिश्रा, मोतीलाल साहू, सुनील सोनी, अनुज शर्मा, इंद्रकुमार साहू, प्रदेश कोषाध्यक्ष राम गर्ग, जिला अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर, श्याम नारंग सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, आमजन, कॉलेज एवं स्कूल से आए विद्यार्थीगण व भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए।

आज बेबाक

टीएमसी की सांसद महुआ मोइत्रा जो खुद को फायर ब्रांड नेत्री बताते नहीं थकती थी वो फ्लावर से भी गई बीती निकली। उन्होंने पुलिस पूछताछ वर्चुअल करने की सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई क्योंकि उन्हें खुद पर अंडे फेंके जाने का खतरा है। सुको ने उन्हें टका सा जवाब देकर उन पर कड़ी टिप्पणी कर महुआ मोइत्रा को हास्य का पात्र बना दिया। कल को इस मोहतरमा को किसी मामले में सजा हो गई तो अपने लिए अलग से सर्व सुविधा युक्त जेल बनाने की भी मांग करेंगी। बाबा का राज है। हर जगह इन सांसदों को वीवीआईपी ट्रीटमेंट चाहिए।

आक्रोश : प्रदर्शनकारियों ने जवाब में पानी की बोतल और चप्पलें फेंकीं, कई लोग घायल

झारखंड में विधानसभा गेट तक पहुंचे छात्र, लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले दागे

■ विधानसभा के बाहर देर शाम तक जारी रहा प्रदर्शन, पुलिस के साथ झड़प भी

रांची/नवप्रदेश। झारखंड के रांची में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में धांधली के खिलाफ हजारों की संख्या में छात्र विधानसभा के करीब पहुंच गए हैं। वहीं पर धरना शुरू कर दिया। इस दौरान कई बार पुलिस और छात्रों के बीच झड़प की नौबत आई। दो से तीन बार लाठीचार्ज करना पड़ा। इसमें कुछ छात्रों के सिर पर चोटे आई हैं। प्रदर्शनकारियों ने जवाब में पानी की बोतल और चप्पलें फेंकीं।

हजारों की संख्या में छात्र सुबह 10 बजे ओल्ड विधानसभा के पास एकत्रित हुए और फिर विधानसभा के घेराव के लिए निकले। पुलिस ने इन्हें रोकने के लिए कंटीले तार की बैरिकेडिंग कर रखी थी। 6 लेयर की सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। पुलिस ने जैसे ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सरकार की तानाशाही का करारा जवाब देंगे: मरांडी

सीएम आवास के बाहर धरना दे रहे बीजेपी नेता बाबूलाल मरांडी को पुलिस ने डिटेन कर लिया गया। डिटेन होने के बाद मरांडी ने कहा कि 'झारखंड के छात्र पिछले 17 दिनों से सीबीआई जांच की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। इसी मुद्दे पर आज हम सभी मुख्यमंत्री से मुलाकात कर छात्रों की मांगों पर कार्रवाई की मांग करने जा रहे थे, लेकिन हमें आवास के बाहर ही रोक दिया गया और फिर खेलगांव स्थित कैंप जेल में डिटेन कर दिया गया। सोरेन सरकार की इस तानाशाही का करारा जवाब देंगे।

सरकार से अब बातचीत नहीं, देवेंद्र महतो का अल्टीमेटम

झारखंड के रांची में छात्रों का आंदोलन अब आर-पार की लड़ाई में बदलता दिख रहा है। विधानसभा घेराव के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जोरदार टकराव हुआ। प्रदर्शनकारी देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि 'अब सरकार से कोई और बातचीत नहीं होगी। अब सरकार को छात्रों की मांगों पर फैसला लेना होगा।' आंदोलन के 17वें दिन हजारों छात्र पुरानी विधानसभा से नई विधानसभा की ओर मार्च लेकर निकले। कई जगह बैरिकेडिंग कर उन्हें रोकने की कोशिश हुई, लेकिन छात्र आगे बढ़ते रहे। धक्का-मुक्की के बाद पुलिस ने बल प्रयोग किया। इस दौरान कई प्रदर्शनकारी सड़क पर ही बैठ गए। 9 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे देवेंद्र नाथ महतो भी एंबुलेंस से पहुंचे और स्ट्रेचर पर लेटकर मार्च में शामिल हुए।

लाठी की चोट से बड़ा है छात्रों के भीतर का सवाल

झारखंड की राजधानी रांची में सोमवार को जो हुआ, उसे केवल एक सामान्य प्रदर्शन या कानून-व्यवस्था की घटना मानना भूल होगी। विधानसभा घेराव करने जाते छात्रों पर पुलिस का लाठीचार्ज, आंसू गैस और पानी का बौछार का इस्तेमाल और दूसरी ओर भाजपा का मुख्यमंत्री आवास घेराव इन घटनाओं के पीछे एक ही बड़ा सवाल दिखाई देता है : झारखंड के युवाओं को अपनी भर्ती परीक्षाओं और रोजगार व्यवस्था पर कितना भरोसा है? झारखंड-पीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर छात्र पिछले कई दिनों से आंदोलन कर रहे हैं। सरकार की ओर से कई मांगों पर कार्रवाई और कुछ परीक्षाओं को रद्द करने जैसे फैसले भी हुए हैं, लेकिन आंदोलन पूरी तरह खत्म नहीं हुआ। रविवार को सरकार की ओर से तीन परीक्षाओं को रद्द करने का फैसला सामने आने के बावजूद सोमवार को छात्र ■ शेष पृष्ठ 8 पर

संसद का हंगामेदार मानसून सत्र

विपक्षी हंगामे के बीच दोनों सदनों में दो विधेयक पारित

■ राज्यसभा से 'बैंककार बही साक्ष्य विधेयक' पास, लोकसभा में 'अधिकरण सुधार विधेयक' पारित

नई दिल्ली (ए.)। संसद के मानसून सत्र के आखिरी सप्ताह के पहले दिन सोमवार को दोनों सदनों में भारी हंगामे और विपक्षी दलों के विरोध के बीच महत्वपूर्ण विधायी कार्य संपन्न हुए। जहां एक ओर राज्यसभा में विपक्षी सदस्यों के बहिर्गमन के बीच 'बैंककार बही साक्ष्य विधेयक-2026' को मंजूरी मिल गई, वहीं दूसरी ओर लोकसभा में भी भारी शोरगुल के बीच 'अधिकरण सुधार विधेयक, 2026' को बिना चर्चा के ध्वनिमत से पारित कर दिया गया।

राज्यसभा में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों के वॉकआउट ■ शेष पृष्ठ 8 पर

गृहमंत्री शाह आज दे सकते हैं जवाब

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने स्पष्ट किया कि सरकार और गृह मंत्री अमित शाह छात्रों पर हुई कार्रवाई के मुद्दे पर चर्चा और उसके बाद जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। रिजिजू ने विपक्ष से अपील की कि जब गृह मंत्री जवाब दें तो सदन में हंगामा न किया जाए और उनका पूरा पक्ष सुना जाए। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों के आंदोलन और उससे जुड़ी पुलिस कार्रवाई समेत सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। लगातार जारी हंगामे के कारण पीठासीन अधिकारी ने लोकसभा की कार्यवाही को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया।

बिल से पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित होगी

लोकसभा में मानसून सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन भी विपक्ष का हंगामा जारी रहा। दो बार के स्थगन के बाद दोपहर में जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई, तो विपक्षी सदस्य नारेबाजी करते हुए वेल में आ गए। हंगामे के बीच ही विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 'अधिकरण सुधार विधेयक, 2026' पेश किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह विधेयक किसी अधिकरण के क्षेत्राधिकार में बदलाव नहीं करता, बल्कि पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए है। पीठासीन अधिकारी जगदम्बिका पाल ने हंगामे के बीच ही इसे बिना चर्चा के ध्वनिमत से पारित करा दिया।

ईडी निदेशक राहुल नवीन का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा

नई दिल्ली/ए.। केंद्र सरकार ने वित्तीय अपराधों की जांच करने वाली शीर्ष एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के प्रमुख राहुल नवीन का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया है। कैबिनेट की नियुक्ति समिति की ओर से शनिवार को जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, ईडी निदेशक के रूप में उनका सेवा विस्तार 13 अगस्त 2026 से प्रभावी होकर 13 अगस्त 2027 या अगले आदेश तक लागू रहेगा। 59 वर्षीय राहुल नवीन 1993 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के आयकर कैडर के वरिष्ठ अधिकारी हैं।

गरमा-गरम

राम मंदिर का सीईओ बनने 5200 आवेदन, शॉर्टलिस्ट हुए 18 दावेदार

■ राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सीईओ पद का इंटरव्यू की तारीख तय

अयोध्या/ए.। अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के पद पर नियुक्ति की प्रक्रिया अपने अंतिम और निर्णायक चरण में प्रवेश कर गई है। देशभर से प्राप्त 5200 से अधिक आवेदनों की गहन समीक्षा और प्राथमिक छांट प्रक्रिया के बाद केवल 18 उम्मीदवारों को अंतिम साक्षात्कार के लिए चुना गया है।

यह अंतिम इंटरव्यू प्रक्रिया आगामी 11 और 12 अगस्त को अयोध्या के राम मंदिर परिसर में ही आयोजित ■ शेष पृष्ठ 8 पर

2 सितंबर को ट्रस्ट की बैठक में अंतिम फैसला

चयन समिति द्वारा दिए गए तीन नामों के पैनल पर अंतिम निर्णय आगामी 2 सितंबर को होने वाली श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की आधिकारिक बैठक में लिया जाएगा। इसी बैठक में चर्चा के बाद सर्वसम्मति से सीईओ पद के लिए अंतिम व्यक्ति का नाम घोषित किया जाएगा। नया सीईओ मंदिर परिसर के दैनिक प्रशासनिक कार्यों, वित्तीय प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के संचालन की जिम्मेदारी संभालेगा।

हॉस्टल में जहरीले सांप का कहर, 6 छात्राओं को काटा

■ इलाज के दौरान 3 की मौत, 3 की हालत गंभीर

गढ़चिरौली/पखांजूर। छत्तीसगढ़ सीमा से लगे महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले से एक दिल दहला देने वाली बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है। धनोरा तहसील के जपटलाई शासकीय कन्या छात्रावास में आधी रात को एक जहरीला सांप घुस आया। इस दौरान हॉस्टल के कमरे में फर्श पर कुल 79 छात्राएं सो रही थीं, जिनमें से 6 छात्राओं को सांप ने डस लिया।

घटना का पता चलते ही छात्रावास में अफरा-तफरी मच गई। प्रबंधन द्वारा तत्काल सभी प्रभावित ■ शेष पृष्ठ 8 पर

प्रशासन और सरकार सख्त, जांच के आदेश

इस हृदयविदारक घटना के बाद प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया है। गढ़चिरौली के जिला कलेक्टर अविश्यंत पांडा ने पूरे मामले की विस्तृत मजिस्ट्रेटी और विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। प्रशासन यह जांच कर रहा है कि छात्रावास परिसर में सुरक्षा, साफ-सफाई और बुनियादी सुविधाओं के क्या इंतजाम थे तथा सांप अंदर कैसे पहुंचा।

नाले में बही कार, 3 बच्चों समेत 9 की मौत

■ 2 युवक तैरकर बाहर आए, पानी में डूबे अधूरे पुल को देख नहीं पाया ड्राइवर

भोपाल/नवप्रदेश। मध्य प्रदेश के राजगढ़ में निर्माणाधीन पुल पर भारी बारिश के बीच ईको वैन नाले में बह गई। वैन में 11 लोग सवार थे। हादसे में अब तक 9 शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि दो लोग तैरकर बाहर निकल गए।

तेज बारिश के कारण नाले का पानी पुल के ऊपर से बह रहा था। बताया जा रहा है कि ड्राइवर को अधूरा पुल दिखाई नहीं दिया, जिससे वैन नाले में जा गिरी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबकि पड़ाना बायपास पुलिया पर पानी और झिरी के सामने उफनते नाले का तेज बहाव देखकर मौके पर मौजूद प्रशासनिक अमले और ग्रामीणों ने वाहन चालक को आगे जाने से मना किया था। बावजूद इसके चालक ने वाहन को पानी के बीच से निकालने ■ शेष पृष्ठ 8 पर

उत्तर प्रदेश में गंगा का पानी हाईवे पर आया

लखनऊ/ए.। यूपी में गंगा-यमुना समेत 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। फर्रुखाबाद-बिजनौर में गंगा नदी का पानी हाईवे के ऊपर बह रहा है। कई सड़कें डूब गई हैं। 40 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। लोग सड़कों पर टेंट लगाकर रह रहे हैं। काशी में सभी 84 घाटों को जोड़ने वाले रास्ते जलमग्न हो गए हैं। गंगा का पानी मणिकर्णिका घाट तक पहुंच गया है।

सिर्फ 6 दिन बाकी... फिर नहीं मिलेगा एलपीजी सिलेंडर!

नई दिल्ली/ए.। क्या आपने एलपीजी सिलेंडर की ई-केवाईसी कर ली है। अगर नहीं, तो फिर आपका इंडेन, एचपी या फिर भारत गैस कनेक्शन सस्पेंड किया जा सकता है। गैस प्रोवाइडर कंपनियां लगातार अपने ग्राहकों को एसएमएस या सोशल मीडिया के माध्यम से अलर्ट कर रही हैं कि 16 अगस्त तक एलपीजी सिलेंडर से जुड़े इस काम को हर हाल में पूरा कर लें।

अगर तय की गई लास्ट डेट तक ये ये काम नहीं किया जाता, तो फिर एलपीजी सिलेंडर मिलने में दिक्कत पेश आ सकती है। इस काम को आसानी से घर बैठे भी पूरा किया जा सकता है और इसमें महज कुछ ■ शेष पृष्ठ 8 पर

16 अगस्त की डेडलाइन मत भूलें

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की ओर से एलपीजी ग्राहकों को उनके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक मैसेज भेजा जा रहा है, जिसमें एलपीजी ई-केवाईसी प्रोसेस पूरा करने के लिए अलर्ट किया जा रहा है। इसके अलावा एक्स पर पोस्ट के जरिए भी कंपनियां इस काम को जल्द से जल्द पूरा करने की अपील कर रही हैं।

घर बैठे कर सकते हैं काम पूरा

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एलपीजी ई-केवाईसी को लेकर सिर्फ अलर्ट ही नहीं किया है, बल्कि यूजर्स को घर बैठे इस काम को आसानी से पूरा करने का तरीका भी बताया है। इंडियन ऑयल ग्राहकों के लिए बात करें, तो वे इंडियन ऑयल वन ऐप के माध्यम से ये प्रोसेस पूरा कर सकते हैं या फिर अपने एलपीजी डिस्ट्रिब्यूटर के पास जाकर या सिलेंडर डिलीवरी कर्मी के जरिए ई-केवाईसी करा सकते हैं।

इलाज : 15 साल के बच्चे सहित 20 दिन में 9 बड़े ऑपरेशन, 2 महीने में 13 लोबेक्टॉमी

अंबेडकर अस्पताल में फेफड़ों की सर्जरी का नया रिकॉर्ड

■ मेडिकल कॉलेज के हार्ट-चेस्ट और वैस्कुलर सर्जरी विभाग का एक और कीर्तिमान

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर के डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति अस्पताल के हार्ट, चेस्ट और वैस्कुलर सर्जरी विभाग ने फेफड़ों की जटिल सर्जरी में नया रिकॉर्ड बनाया है। विभाग में सिर्फ 20 दिन में फेफड़े की 9 लोबेक्टॉमी सर्जरी (फेफड़े के संक्रमित हिस्से को निकालने की सर्जरी) की गई हैं। इन्हें मिलाकर पिछले दो महीने में कुल 13 मरीजों के फेफड़े की लोबेक्टॉमी सर्जरी हो चुकी है। इनमें सबसे कम उम्र का मरीज 15 साल का बच्चा है, जबकि सबसे ज्यादा उम्र 70 साल है।

■ अब तक के सबसे कम उम्र का मरीज जिसके फेफड़े की लोबेक्टमी सर्जरी की गई

■ इस ऑपरेशन में शामिल मरीजों की उम्र 15 साल से लेकर 70 साल तक

दो आपातकालीन सर्जरी ऐसे मरीजों की की गई, जिन्हें खांसी के साथ अत्यधिक रक्तस्राव (हेमोप्टाइसिस) हो रहा था। आधुनिक तकनीक और एडवांस्ड लंग स्टेपलर की सहायता से की गई इन जटिल सर्जरियों ने न केवल संस्थान ■ शेष पृष्ठ 8 पर

क्या होती है लोबेक्टॉमी सर्जरी

हमारे शरीर में फेफड़े के दो हिस्से होते हैं, जिसे दायां एवं बायां फेफड़ा कहा जाता है। बायां फेफड़ा दो लोब (भाग) से मिलकर बनता है, जिसको अपर लोब और लोअर लोब कहा जाता है। उसी प्रकार दायें फेफड़े में तीन लोब होते हैं: अपर लोब, मिडिल लोब एवं लोअर लोब। यदि फेफड़े को कोई बीमारी जैसे कि एस्परजिलोमा, ब्रोन्किएक्टैसिस या लंग ट्यूमर किसी एक भाग या लोब तक सीमित होती है तो उस स्थिति में उस भाग को ऑपरेशन द्वारा निकाल दिया जाता है, जिसको मेडिकल भाषा में लोबेक्टॉमी कहा जाता है। इसमें दायें या बायें छाती में चीरा लगाकर संक्रमित फेफड़े को अन्य भागों से अलग किया जाता है एवं विशेष तकनीक एवं लंग स्टेपलर की सहायता से संक्रमित लोब को निकाला जाता है। आधुनिक स्टेपलर प्रयोग करने से फेफड़े के ऑपरेशन के बाद होने वाले कॉम्प्लिकेशन जैसे कि ब्रोन्कोप्लूरलफिस्टुला में बहुत ही कमी आ जाती है।

संक्षिप्त खबरें

100 के ऑनलाइन रिचार्ज के नाम पर 95 हजार की ठगी, डोंगरगढ़ का मामला

डोंगरगढ़ / राजनांदगांव। साइबर ठगी का एक नया मामला डोंगरगढ़ में सामने आया है। मोबाइल ऐप पर महज ?100 का रिचार्ज करने के नाम पर एक व्यक्ति के बैंक खाते से ?95,000 पार कर दिए गए। पीड़ित की शिकायत पर डोंगरगढ़ पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मिस्त्री पारा, वार्ड क्रमांक 09 निवासी मनोज कुमार इंदुरकर (53 वर्ष) के मोबाइल ऐप पर ?100 में रिचार्ज करने का ऑफर आया था। मनोज पहले से ही उक्त ऐप का इस्तेमाल कर रहे थे। उन्होंने 4 अगस्त को दोपहर करीब 3:15 बजे फोन के माध्यम से 100 का रिचार्ज किया। रिचार्ज के कुछ समय बाद उसी दिन शाम को उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से दोबारा फोन आया। कॉल करने वाले ने खाते से ?95,000 और अन्य लेन-देन का जिक्र किया। संदेह होने पर पीड़ित ने बैंक खाता जांचा तो पता चला कि खाते से ?95,000 ट्रांसफर हो चुके थे।

बैंक हेल्पलाइन और साइबर हेल्पलाइन में शिकायत -घटना की जानकारी मिलते ही पीड़ित ने बैंक हेल्पलाइन से संपर्क कर अपनी यूपीआई सेवा बंद कराई और राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत की पावती मिलने के बाद डोंगरगढ़ थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और डिजिटल ट्रांजेक्शन की जानकारी के आधार पर आरोपी की पतासाजी में जुटी है।

फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 15 को

डोंगरगढ़/नवप्रदेश। डोंगरगढ़ के रेलवे फुटबॉल ग्राउंड में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे इंस्टिट्यूट डोंगरगढ़ विनीत न्यू फ्रेंड्स क्लब , डोंगरगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित आज से 7-ए साइड फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ होगा। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 15 अगस्त 2026 को खेला जाएगा। टूर्नामेंट के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में ढ्ढञ्जक्क के उप सेनानी कमांडेंट मुकेश सिंह भास्कर शामिल होंगे। उनकी मौजूदगी से खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ेगा और आयोजन को विशेष गरिमा मिलेगी। दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक होंगे मुकाबले-आयोजकों के अनुसार टूर्नामेंट के मुकाबले दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक रेलवे फुटबॉल ग्राउंड में खेले जाएंगे। डोंगरगढ़ सहित आसपास के खिलाड़ियों को इस फुटबॉल प्रतियोगिता में भागीदारी और अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। इस आयोजन को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एवं रेलवे इंस्टीट्यूट, डोंगरगढ़ का विशेष सहयोग प्राप्त है।न्यू फ्रेंड्स क्लब ने डोंगरगढ़ के सभी खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है। आयोजकों का कहना है कि प्रतियोगिता के माध्यम से खेल भावना, अनुशासन और एकता को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। स्थानः रेलवे फुटबॉल ग्राउंड, डोंगरगढ़, टूर्नामेंट प्रारंभः 9 अगस्त 2026, फाइनल मुकाबलाः 15 अगस्त 2026, समयः दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक, आयोजकः न्यू फ्रेंड्स क्लब , डोंगरगढ़, मुख्य अतिथिः ढ्ढञ्जक्क के उप सेनानी कमांडेंट मुकेश सिंह भास्कर, विशेष सहयोगः दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एवं रेलवे इंस्टीट्यूट, डोंगरगढ़ होंगे।

विश्व आदिवासी दिवस पर देवभोग धुवागुढी में झलकी पुरातन लोक संस्कृति

देवभोग/नवप्रदेश। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर क्षेत्र में देवभोग,ध्रुवागुढी में आदिवासी समाज के हजारों कार्यकर्ताओं ने इसे धूमधाम से मनाया कार्यक्रम को अपने आराध्य बुढादेव और देवी देवताओं के पूजन से शुरू कर शोभायात्रा के पश्चात समापन किया।इस अवसर पर दोनों स्थानों में समाज के श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं के अलावा मांझी मुखिया और परिक्षेत्र के पदाधिकारी भी शामिल हुये। जहां एक ओर आदिवासी कार्यकर्ता अपने परंपरागत पोशाक में दिखे तो वहीं लोक नृत्य कार्यक्रम के आकर्षण का केंद्र रहा है।समाज की एकता,अखंडता और संस्कृति का अनुपम मेल- इस अवसर पर आदिवासी समाज के कार्यकर्ता हजारों की संख्या में शामिल होकर एकता अखंडता का परिचय दिया तो वहीं अपने परंपरागत पोशाक के साथ लोक नृत्य और आदि पूजन विधान के जरिये सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी ,आदिवासी दिवस के अवसर पर सैकड़ों की संख्या में महिला कार्यकर्ताओं के अलावा बच्चे भी शामिल हुये।

25वीं छत्तीसगढ़ स्टेट जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट का शुभारंभ

■ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने किया प्रतियोगिता का शुभारंभ

राजनांदगांव/नवप्रदेश। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने आज दिग्विजय स्टेडियम राजनांदगांव में जिला बैडमिंटन एसोसिएशन राजनांदगांव के तत्वावधान में आयोजित 25वीं छत्तीसगढ़ स्टेट जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट 2026-27 का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में अंडर-19 बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता 9 अगस्त से 13 अगस्त 2026 तक आयोजित की जा रही है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजनांदगांव में प्रदेश स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन होना गर्व की बात है। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश स्तर से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बनाएं। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, जूडो, कराटे और कुश्ती सहित विभिन्न खेलों में यहां के खिलाड़ी लगातार आगे बढ़ रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि राजनांदगांव को खेल नगरी के रूप में और अधिक विकसित करने के लिए खेल अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है। खिलाड़ियों की आवश्यकता के अनुरूप मैदान, कोर्ट, प्रशिक्षण सुविधाएं और अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के लिए बड़े स्तर पर राशि का प्रावधान किया गया है। खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, कोचिंग और प्रशिक्षकों के विशेष प्रशिक्षण के साथ-साथ खेल अधोसंरचना के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खेल प्रतिभाओं को आगे बढने के लिए बेहतर अवसर और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि राजनांदगांव के बच्चे भी खेलों के प्रति उत्साह के साथ मैदानों में पहुंच रहे हैं। सुबह बड़ी संख्या में बच्चे हॉकी, फुटबॉल और क्रिकेट सहित विभिन्न खेलों का अभ्यास करते दिखाई देते हैं। यह राजनांदगांव की खेल संस्कृति और यहां की प्रतिभाओं की मजबूत नींव को दर्शाता है। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि वे अनुशासन, निरंतर अभ्यास और मेहनत के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राजनांदगांव से आने वाले खिलाड़ी प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने सभी खिलाड़ियों और आयोजकों का अभिनंदन करते हुए कहा कि राजनांदगांव संस्कारधानी के साथ-साथ अब खेलों की राजधानी के रूप में भी अपनी पहचान बना रहा है। ज्ञानेश्वरी यादव जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने विश्व स्तर पर राजनांदगांव का नाम रोशन किया है और जिले में ऐसी अनेक खेल प्रतिभाएं मौजूद हैं। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संदेश जो खेलेगा, वही खिलेगा को आत्मसात करते हुए खिलाड़ी पूरी लगन और मेहनत के साथ खेलें, आगे बढ़ें और देश का नाम रोशन करें। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि प्रदेश में सरकार बनने के बाद खेल और खिलाड़ियों की तरक्की एवं बेहतरी के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है।

मानसून ट्रैकिंग में शामिल हुए विभिन्न जिलों के सदस्य

यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ने धमतरी से मासूल तक निकाली तिरंगा यात्रा

धमतरी/नवप्रदेश। यूथ हॉस्टल एसोसिएशन धमतरी इकाई की ओर से देशभक्ति और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संदेश देखने को मिला।एसोसिएशन द्वारा धमतरी से मासूल वॉटरफॉल तक मानसून ट्रैकिंग का आयोजन किया गया।इस दौरान तिरंगा यात्रा भी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में सदस्यों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति का जज्बा दिखाया।

यूथ हॉस्टल एसोसिएशन द्वारा समय समय पर सामाजिक, सांस्कृतिक, पर्यावरण से संबंधित गतिविधियां संचालित की जाती है। मानसून आते ही पर्यावरण के संरक्षण के लिए पौधरोपण सहित सीड बाल निर्माण का कार्य किया गया। 15 अगस्त के पहले एसोसिएशन ने मासूल वॉटरफॉल (गुरूर रेंज) तक तिरंगा यात्रा कम मानसून ट्रैकिंग का आयोजन किया गया।यूथ हॉस्टल एसोसिएशन का यह आयोजन युवाओं को प्रकृति, फिटनेस और राष्ट्रप्रेम से जोड़ने की दिशा में एक सकारात्मक पहल के रूप में सामने आया।

अन्य जिलों से भी सदस्य पहुंचे -एसोसिएशन के अध्यक्ष हुकुमचंद जैन ने बताया इस ट्रैकिंग कार्यक्रम में रायपुर, भिलाई सहित धमतरी जिले के यूथ हॉस्टल एसोसिएशन के सदस्य शामिल हुए।प्राकृतिक वादियों के बीच सदस्यों ने ट्रैकिंग का आनंद लिया और युवाओं को फिटनेस के साथ प्रकृति से जुड़ने का संदेश दिया।

सीड बाल का रोपण किया गया-यूथ हॉस्टल के वरिष्ठ योगेश गुप्ता ने बताया कि ट्रैकिंग के दौरान पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी पहल की गई।सदस्यों ने रास्ते में सीड बॉल का रोपण किया, ताकि आने वाले समय में इन क्षेत्रों में हरियाली को बढ़ावा मिल सके। सीड बॉल के जरिए पौधों को प्राकृतिक रूप से विकसित करने का प्रयास किया गया।तिरंगे के साथ निकली इस यात्रा ने जहां देशभक्ति का संदेश दिया, वहीं सीड बॉल के रोपण के जरिए पर्यावरण बचाने का संकल्प भी नजर आया।

ट्रेकिंग में हुकुमचंद मिन्नी,योगेश गुप्ता,वेकटेश्वर साहू,डॉ. भूपेंद्र साहू,दीक्षा साहू,डॉ.भूपेंद्र सोनी, रवि कृष्णानी,तेजप्रकाश रिगरी, भारत पांडे,मनोज देवान,घनश्याम साहू,भूपेश चौधरी,डॉ. शेषनारायण चंद्राकर,नीरज शुक्ला,अनुष्का शुक्ला,अर्जुन शुक्ला,तूलिका शुक्ला,श्रेया साहू,आकाश चंद्राकर, इनाया वर्मा,घनश्याम साहू,टिंक?की निर्मलकर,सुनील गुरनानी,नरेश मखीजा,रमेश मिन्नी,एकता सिंह, डॉ. शक्ति वर्मा,डॉ. प्रीति वर्मा, सुधीर अवधिया,कल्पना अवधिया, राजेश मराठे, श्रीमती मराठे,गोपाल ताम्रकार,कमलेश कोठारी,नरेंद्र गोलछा,अनीता गोलछा,किरण सोनवानी,डॉ. धर्मेंद्र सिन्हा,जय गोलछा,पुखराज साहू,बीरबल डहरे आदि शामिल रहे।

शीतलापारा में गूंजा हर-हर महादेव का जयघोष

सैकड़ों शिवभक्तों ने किया पार्थिव शिवलिंग निर्माण

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। नगर के धार्मिक एवं आस्था के प्रमुख केंद्र शीतलापारा में जय श्री राम अखंड रामायण नवयुवक मंडल के तत्वावधान में एक दिवसीय दिव्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं विशेष पूजन महोत्सव का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ किया गया। आयोजन में नवापारा नगर के विभिन्न वार्डों से माताएं, बहनें, बच्चे एवं बुजुर्गों सहित सैकड़ों शिवभक्त शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह गौरी-गौरा अखंड रामायण चौक में पंडित संतोष मिश्रा (तर्री वाले) के श्रीमुख से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई। इसके पश्चात मंगलमूर्ति हनुमान मंदिर एवं शिव मंदिर में अखंड दीप प्रज्ज्वलित किए गए। धार्मिक अनुष्ठान के क्रम में श्रद्धालुओं ने हनुमान चालीसा, शिवाष्टक एवं 108 बार राम नाम का जाप किया। इसके बाद विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के बीच पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया गया।

पार्थिव शिवलिंग निर्माण के पश्चात भगवान शिव का विशेष पूजन एवं आरती की गई। इस दौरान पूरा शीतलापारा क्षेत्र हर-हर महादेव और जय श्री राम के जयघोष से भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह एवं आस्था के साथ धार्मिक आयोजन में सहभागिता निभाई।

संगठन की मजबूती का आधार है बूथ स्तर का कार्यकर्ता : रंजना साहू

■ हर बूथ तक पहुंचे संगठन का संदेश : चेतन हिंदूजा

धमतरी/नवप्रदेश। धमतरी विधानसभा अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी रांवा मंडल की मासिक बैठक ग्राम सरसोंपुरी में आयोजित की गई। बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों, बूथ स्तर पर पार्टी के कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से संचालित करने तथा जिला संगठन से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

बैठक के दौरान आगामी 10 अगस्त से 14 अगस्त तक आयोजित होने वाली तिरंगा यात्रा को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं से आह्वान किया गया कि तिरंगा यात्रा को प्रत्येक बूथ एवं गांव तक पहुंचाते हुए आमजन की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही संगठन द्वारा निर्धारित अन्य कार्यक्रमों को भी समयबद्ध तरीके से बूथ स्तर पर आयोजित करने पर जोर दिया गया। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन देशभर में अपने मजबूत बूथ तंत्र और समर्पित कार्यकर्ताओं के कारण प्रभावी है, संगठन के प्रत्येक कार्यक्रम को केवल मंडल या जिला स्तर तक सीमित न रखते हुए बूथ स्तर तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की विचारधारा और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। श्रीमती साहू ने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, गौरव और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है।

डोंगरगढ़ के हर वार्ड में अब नगर पालिका का 'नोडल कर्मचारी', समस्याओं पर रहेगी नजर

डोंगरगढ़/नवप्रदेश। डोंगरगढ़ नगर पालिका परिषद ने वार्डों की स्थानीय समस्याओं को लेकर एक नई व्यवस्था शुरू करने की तैयारी की है। नगर पालिका अधिकारी राजेश तिवारी से मौखिक चर्चा में मिली जानकारी के अनुसार नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 1 से 24 तक प्रत्येक वार्ड में एक-एक कर्मचारी को जिम्मेदारी दी जाएगी। नियुक्त कर्मचारी वार्ड में जाकर वार्डवासियों से सीधे संपर्क करेंगे और नल-पानी, नाली, सफाई, बिजली से जुड़ी नगर पालिका संबंधी समस्याओं सहित अन्य स्थानीय समस्याओं की जानकारी मौके पर लेंगे।

मौके से सीएमओ तक पहुंचेगी जानकारी-वार्ड में नियुक्त कर्मचारी समस्याओं का निरीक्षण कर उनकी जानकारी अपने मोबाइल के माध्यम से व्हाट्सएप पर नगर पालिका अधिकारी/सीएमओ राजेश तिवारी तक पहुंचाएंगे। इससे समस्या सामने आने के बाद उसके निराकरण की प्रक्रिया को तेजी मिलने की उम्मीद है।

वार्डवासियों को मिलेगा कर्मचारी का मोबाइल नंबर-नगर पालिका की ओर से संबंधित कर्मचारी का मोबाइल नंबर वार्डवासियों को उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि लोग अपनी समस्या सीधे जिम्मेदार कर्मचारी तक पहुंचा सकें। इससे छोटी-छोटी समस्याओं के लिए बार-बार नगर पालिका कार्यालय या पार्षद के चक्कर लगाने की जरूरत कम हो सकती है।

पार्षदों की भी आसान होगी जिम्मेदारी

नई व्यवस्था से पार्षदों को भी राहत मिलने की संभावना है। वार्ड की समस्याओं की नियमित जानकारी नगर पालिका कर्मचारी द्वारा लेने से वार्ड का लगातार निरीक्षण और समस्याओं की रिपोर्टिंग व्यवस्थित तरीके से हो सकेगी। नगर पालिका की इस पहल का मुख्य उद्देश्य वार्ड स्तर पर समस्याओं की पहचान, अधिकारियों तक त्वरित सूचना और उनके निराकरण की प्रक्रिया को आसान बनाना बताया गया है।अब असली परीक्षा होगी व्यवस्था की अब यह देखना दिलचस्प होगा कि नगर पालिका की इस नई व्यवस्था के बाद हर वार्ड में कितनी समस्याओं का वास्तव में निराकरण होता है और कितनी समस्याएं जस की तस बनी रहती हैं। वार्ड में कर्मचारी के नियमित निरीक्षण और समस्याओं की रिपोर्टिंग के बाद क्या जमीनी स्तर पर बदलाव दिखाई देता है, यह आने वाले समय में साफहोगा।

धमतरी में तीन दिवसीय आयुष्मान आरोग्य एवं एक्स-रे जांच शिविर आज से

धमतरी/नवप्रदेश। नगर निगम धमतरी के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग द्वारा नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 10 से 12 अगस्त 2026 तक तीन दिवसीय आयुष्मान आरोग्य एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में ङ्ग-ऋड्ड4 जांच, स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार, विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श तथा आयुष्मान कार्ड एवं आभा ढ्ढष्ठ बनाने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। शिविर के तहत 10 अगस्त को सदर उत्तर वार्ड में सदर उत्तर आंगनबाड़ी, जिम भवन के पास, 11 अगस्त को साहलेवार पारा वार्ड में सामुदायिक भवन तथा 12 अगस्त को आमापारा वार्ड में सिंधी धर्मशाला भवन में शिविर लगाया जाएगा। तीनों स्थानों पर शिविर का समय सुबह 10:30 बजे से दोपहर 2 बजे तक रहेगा। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे 10 से 12 अगस्त के बीच अपने-अपने वार्ड में निर्धारित स्थान पर पहुंचकर निःशुल्क ङ्ग-ऋड्ड4 जांच, स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार एवं चिकित्सकीय परामर्श का लाभ उठाएं। विभाग का उद्देश्य वार्ड स्तर पर ही नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दूर न जाना पड़े।

आयुष्मान कार्ड और आभा ढ्ढष्ठ बनाने पर जोर

शिविर के दौरान आयुष्मान कार्ड एवं आभा ढ्ढष्ठ बनाने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। स्वास्थ्य विभाग ने वार्डवासियों से विशेष रूप से अपील की है कि जिन नागरिकों ने अभी तक आयुष्मान कार्ड एवं आभा ढ्ढष्ठ बनाने की प्रक्रिया पूरी नहीं की है, वे शिविर में पहुंचकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी कराएं।

परंपरा, संस्कृति और एकता का दिखा अद्भुत संगम, उत्कृष्ट छात्र-छात्राओं का हुआ सम्मान

नगरी में जिला स्तरीय विश्व आदिवासी दिवस पर भव्य उत्सव

नगरी/नवप्रदेश। जिला सर्व आदिवासी समाज धमतरी एवं सर्व आदिवासी समाज तहसील नगरी के तत्वावधान में रविवार को कृषि उपज मंडी परिसर नगरी में जिला स्तरीय विश्व आदिवासी दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया।पूजा-अर्चना के बाद निकली भव्य रैली

कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह दंतेश्वरी मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके बाद पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुन, गीत-संगीत और जयघोष के बीच नगर में भव्य रैली निकाली गई। रैली राजा बाड़ा से प्रारंभ होकर बजरंग चौक, बस स्टैंड, रानी दुर्गावती चौक होते हुए कृषि उपज मंडी परिसर पहुंची।

रैली के मार्ग में विभिन्न स्थानों पर स्वागत द्वार सजाए गए थे। समाज के लोगों ने पुष्पमालाओं से अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। रैली में छोटे बच्चों, युवाओं और महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में 'रेला पाटा' सहित विभिन्न लोकनृत्यों की प्रस्तुति दी। डीजे ,ढोल, मांदर और नगाड़ों की थाप पर थिरकते युवक-युवतियों ने नगर का माहौल पूरी तरह आदिवासी संस्कृति के रंग में रंग दिया।

विभिन्न समाजों के पदाधिकारियों की रही उपस्थिति

मुख्य कार्यक्रम में मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एवं डॉ. जितेंद्र वीणा जिला अध्यक्ष सर्व आदिवासी समाज धमतरी जीवराखान मरई, विधायक अंबिका मरकाम उमेश देव, तहसील अध्यक्ष सर्व आदिवासी समाज नगरी,अरुण सावा अध्यक्ष जिला पंचायत धमतरी ,श्रवण मरकाम पूर्व विधायक लक्ष्मी ध्रुव, पूर्व विधायक महेश गोटा,जनपद पंचायत नगरी अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा,नगर पंचायत अध्यक्ष, गोंडवाना समाज तहसील नगरी अध्यक्ष सुरेंद्र ध्रुव, गोंड समाज तहसील नगरी अध्यक्ष रैनलाल देव, आदिवासी हल्बा सिहावा-नगरी अनित धुव सचिव संघ अध्यक्ष सहित अखिलेश ध्रुव, रामेश्वर मरकाम जिला मीडिया प्रभारी उत्तम नेताम सरपंच राजपुर,पुष्पराज साक्षी ,जनपद सदस्य प्रमोद कुंजाम,हरिशंकर मरकाम ,समेत गांव के सरपंच बड़ी संख्या अनेक जनप्रतिनिधि एवं समाज के पदाधिकारी मंचासीन रहे।

इसके अलावा कमार समाज अध्यक्ष श्रवण सोरी, रणजीत सोम, भुजिया समाज अध्यक्ष दयाराम वेदकार, 32 गढ़ हल्बा समाज अध्यक्ष जीवनलाल नाग सहित विभिन्न समाजों के अध्यक्ष, संरक्षक, जनपद पंचायत एवं नगर पंचायत के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पारंपरिक नृत्यों ने बांधा समां

कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में विभिन्न आदिवासी समाजों के नृत्य दलों ने पारंपरिक 'रेला पाटा' सहित अनेक लोकनृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। पारंपरिक वेशभूषा में सजे कलाकारों ने गीत-संगीत और नृत्य के माध्यम से आदिवासी संस्कृति की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित किया।

7 हजार से ज्यादा पूर्व सैनिक परिवारों को पॉलीक्लीनिक में इलाज की सुविधा

बच्चों से लेकर विधवा और तलाकशुदा आश्रितों तक को नियमानुसार मिलता है उपचार

- दवा-जांच की सुविधाएं भी उपलब्ध

बिलासपुर/नवप्रदेश। देश की सेवा कर चुके भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा देने के लिए जिला सैनिक कल्याण बोर्ड परिसर स्थित ईसीएचएस पॉलीक्लीनिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बिलासपुर में 7 हजार से अधिक पूर्व सैनिक परिवार इस स्वास्थ्य सुविधा से जुड़े हैं। यहां पूर्व सैनिकों के साथ उनके आश्रितों को भी नियमों के अनुसार इलाज, जांच और दवाओं की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। खास बात यह है कि योजना के तहत बच्चों, बेटियों और पूर्व सैनिक की विधवा अथवा तलाकशुदा महिला को जीवनपर्यंत तक उपचार का लाभ मिलता है।

पॉलीक्लीनिक के इंचार्ज कैप्टन (सेवानिवृत्त) संजय पांडेय ने दैनिक नव प्रदेश को बताया कि वर्ष 1999 के पूर्व सेवानिवृत्त हुए पूर्व सैनिकों को जीवनपर्यंत निःशुल्क उपचार की सुविधा मिलती है। पूर्व सैनिकों के बच्चों को 25 वर्ष की आयु तक इलाज की सुविधा दी

जाती है। वहीं बेटी को विवाह होने तक अथवा आत्मनिर्भर होने तक उपचार का लाभ मिलता है। पूर्व सैनिक की विधवा या तलाकशुदा आश्रित महिला को भी नियमानुसार जीवनपर्यंत उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। जांच से लेकर दवा तक की सुविधा कैप्टन पांडेय ने बताया कि पॉलीक्लीनिक में मरीजों की प्राथमिक स्वास्थ्य जांच के लिए प्रयोगशाला की सुविधा उपलब्ध है। इसके अलावा

ईसीजी, ऑक्सीजन और फार्मेसी की सुविधा भी है। यहां एमडी मेडिसिन और एमडीएस डेंटिस्ट की सेवाएं उपलब्ध हैं। चिकित्सकों सहित कुल 13 कर्मचारी पॉलीक्लीनिक में कार्यरत हैं।

गंभीर बीमारी में अनुबंधित अस्पतालों में इलाज

पॉलीक्लीनिक में उपलब्ध सुविधाओं के अलावा जरूरत पड़ने पर पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को विशेषज्ञ उपचार भी उपलब्ध कराया जाता है।

इसके लिए ईसीएचएस ने बिलासपुर के तीन निजी अस्पतालों, रायपुर के एम्स समेत 10 अस्पतालों तथा कोरबा के एक निजी अस्पताल से अनुबंध किया है। निर्धारित प्रक्रिया के तहत पात्र मरीजों को इन अस्पतालों में उपचार की सुविधा मिलती है।

सैनिक परिवारों को राहत

पांडेय ने बताया कि सैनिक परिवारों के लिए ईसीएचएस की सुविधा काफी महत्वपूर्ण है। सेवानिवृत्ति के बाद उम्र बढ़ने के साथ स्वास्थ्य संबंधी जरूरतें बढ़ती हैं। ऐसे में पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को उपचार के लिए आर्थिक परेशानी न हो, इसके लिए ईसीएचएस पड़ने पर उन्हें अनुबंधित अस्पतालों में आगे के उपचार के लिए भेजा जाता है।

न्यूज गैलरी

विधायक धरमलाल ने बाइक पर निकाली तिरंगा यात्रा

बिलासपुर/नवप्रदेश। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं बिल्हा के विधायक धरमलाल कौशिक ने सोमवार को बाइक पर तिरंगा यात्रा निकाली यह यात्रा विभिन्न गांवों से गुजरी। इस दौरान ग्रामीणों ने तिरंगा यात्रा में शामिल लोगों का जोशीला स्वागत किया।

छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन पंजीयन शुरू

बिलासपुर/नवप्रदेश। आदिवासी विकास विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों हेतु ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) पंजीयन, स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया जारी है। विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति आवेदन के नवीनीकरण तथा नवीन आवेदन हेतु पोर्टल पर ऑनलाईन पंजीयन किये जा सकते है। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि जिले के शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग, मेडिकल, नर्सिंग, आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत पात्र विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से संचालित की जाएगी। विभाग द्वारा आवेदन प्राप्ति, परीक्षण, स्वीकृति एवं छात्रवृत्ति वितरण के लिए चरणबद्ध समय-सीमा निर्धारित की गई है, ताकि पात्र विद्यार्थियों को समय पर लाभ मिल सके।

बच्चों ने उठाया नशामुक्ति का बीड़ा, गांव की गलियों में गूंजा जागरूकता का संदेश

बिलासपुर/नवप्रदेश। नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला दोमुहानी, विकासखंड बिल्हा में नशा मुक्ति जागरूकता रैली निकाली गई। सुबह 9 बजे स्कूल परिसर से शुरू हुई रैली गांव की गलियों से गुजरते हुए लोगों को नशे से दूर रहने और स्वस्थ समाज के निर्माण का संदेश देती रही। रैली में शाला के समस्त छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में नशामुक्ति से संबंधित पोस्टर और संदेश लेकर बच्चों ने ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। बच्चों की इस पहल ने ग्रामीणों का ध्यान आकर्षित किया और रैली गांव में चर्चा का विषय बनी रही।

छत्तीसगढ़ के 1500 जूनियर डॉक्टरों की बेमियादी हड़ताल जारी, सिम्स के 180 शामिल

15,900 में 24 से 36 घंटे की ड्यूटी, स्टाइपेंड 30 हजार करने सड़क पर उतरे एमबीबीएस इंटर्न

बिलासपुर/नवप्रदेश। अस्पतालों में मरीजों की सेवा और चिकित्सा व्यवस्था की अहम कड़ी बने एमबीबीएस इंटर्न डॉक्टरों के कम स्टाइपेंड का मुद्दा अब आंदोलन में बदल गया है। छत्तीसगढ़ के करीब 1500 जूनियर डॉक्टर बेमियादी हड़ताल पर हैं, जिसमें बिलासपुर के सिम्स में कार्यरत करीब 180 इंटर्न डॉक्टर भी शामिल हैं। वर्तमान में महज 15,900 रुपए मासिक स्टाइपेंड पाने वाले इंटर्न डॉक्टरों ने इसे बढ़ाकर न्यूनतम 30 हजार रुपए प्रतिमाह करने की मांग की है। सोमवार को डॉक्टरों ने रैली निकालकर नेहरू चौक पर धरना दिया और इसके बाद कलेक्टोरेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। उन्होंने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए शासन स्तर पर आवश्यक अनुशंसा और हस्तक्षेप की मांग की। इंटर्न डॉक्टरों का कहना है कि छत्तीसगढ़ में एमबीबीएस इंटर्न को मिलने वाले स्टाइपेंड की स्थिति देश के अन्य राज्यों की

तुलना में बेहद कम है। स्टाइपेंड के मामले में प्रदेश देश में 28वें पायदान पर है। वहीं पड़ोसी राज्य ओडिशा में एमबीबीएस इंटर्न को करीब 44,319 रुपए प्रतिमाह स्टाइपेंड मिलने का दावा डॉक्टरों ने किया है। कई अन्य राज्यों में भी इंटर्न को 30 हजार रुपए या उससे अधिक स्टाइपेंड दिया जा रहा है।

24 से 36 घंटे तक लगातार ड्यूटी

इंटर्न डॉक्टरों का कहना है कि इंटर्नशिप केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि अस्पतालों की नियमित चिकित्सा व्यवस्था में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। वे वार्ड, ओपीडी, इमरजेंसी, कैजुअल्टी, आईसीयू और विभिन्न विभागों में मरीजों की देखभाल से जुड़े कार्य करते हैं। कई बार परिस्थितियों के अनुसार उन्हें 24 से 36 घंटे तक लगातार ड्यूटी करनी पड़ती है। इसके बावजूद 15,900 रुपए का मासिक स्टाइपेंड उनके कार्यभार और जिम्मेदारी के अनुरूप नहीं है।

कई महीनों से मांग, अब आंदोलन तेज

इंटर्न डॉक्टरों ने बताया कि स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर वे पिछले कई महीनों से शासन और संबंधित अधिकारियों को लिखित अभ्यावेदन दे रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री समेत अन्य अधिकारियों से मुलाकात कर भी अपनी समस्या से अवगत कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार उन्हें हर बार सकारात्मक आश्वासन मिला, लेकिन अब तक ठोस निर्णय नहीं हुआ। ज्ञापन में कहा गया है कि स्टाइपेंड वृद्धि से संबंधित प्रस्ताव शासन स्तर पर विचाराधीन है।

स्काउट्स-गाइड्स का 'रक्षा सूत्र अभियान'

बिलासपुर/नवप्रदेश। रक्षाबंधन के अवसर पर देश की सीमाओं की रक्षा में तैनात सैनिकों के सम्मान में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला संघ बिलासपुर द्वारा 'रक्षा सूत्र अभियान' शुरू किया गया है। अभियान के तहत स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स और रेंजर्स अपने हाथों से हस्तनिर्मित राखियां तैयार कर रहे हैं। इन राखियों के माध्यम से सैनिक भाइयों तक प्रेम, सम्मान और राष्ट्रभक्ति का संदेश पहुंचाया जाएगा। अभियान को लेकर स्काउट-गाइड सदस्यों में खासा उत्साह है। सदस्य अपनी रचनात्मकता के साथ राखियां तैयार कर रहे हैं। अभियान का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रप्रेम, सेवा भावना, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है। 'एक राखी सैनिक भाई के नाम' की भावना से चलाया जा रहा यह अभियान सैनिकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ युवाओं को देशसेवा के लिए प्रेरित करने का माध्यम भी बनेगा। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त इंदरजीत सिंह खालसा और राज्य सचिव ब्रजेश बाजपेयी के मार्गदर्शन में अभियान संचालित किया जा रहा है। जिला स्तर पर जिला मुख्य आयुक्त राजेंद्र कुमार साहू, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अजय कौशिक, जिला सचिव लता यादव, जिला संगठन आयुक्त स्काउट महेंद्र बाबू टंडन और जिला संगठन आयुक्त गाइड डॉ. पूनम सिंह के मार्गदर्शन में गतिविधियां संचालित की जा रही है।

छात्रवृत्ति स्वीकृत करने जनसुनवाई करें

प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक ली

बिलासपुर/नवप्रदेश। आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने आज बिलासपुर प्रवास के दौरान विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कलेक्टर परिसर स्थित मंथन सभाकक्ष में बिलासपुर संभाग के सहायक आयुक्त आदिवासी विकास एवं परियोजना प्रशासकों की बैठक लेकर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ पहुंचाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर संजय अग्रवाल सहित बिलासपुर संभाग के सहायक आयुक्त आदिवासी विकास, परियोजना प्रशासक तथा संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में प्रमुख सचिव बोरा ने छात्रवृत्ति की स्वीकृति निर्धारित समय-सीमा में सुनिश्चित करने तथा इसके लिए संस्था प्रमुखों की बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत गांवों में स्थापित आदि सेवा केंद्रों में 13 से 15 अगस्त तक आयोजित होने वाली जनसुनवाई की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों एवं मैदानी अधिकारियों के समन्वय से जनसुनवाई को प्रभावी ढंग से आयोजित करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में पीएम जनमन योजना के तहत निर्मित बहुउद्देशीय केन्द्रों के संचालन, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति, प्रयास आवासीय विद्यालय में प्रवेश एवं संचालन, छात्र-छात्राओं की कोचिंग के लिए संस्था चयन तथा एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में प्रवेश की स्थिति की समीक्षा की गई। इसी प्रकार विद्यार्थियों को समय पर पठन सामग्री एवं गणवेश वितरण, छात्रवृत्ति की स्वीकृति, निर्माण कार्यों की प्रगति तथा सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की भी समीक्षा की गई। बैठक में प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत स्वीकृत कार्यों एवं विलेज वेरिफिकेशन सर्वे, प्रधानमंत्री अभ्युदय योजना एवं आदर्श ग्राम सर्वेक्षण की प्रगति, विद्यार्थी पोषण उपवन तथा पीएचडीटीजी सर्वे कार्यों की जानकारी ली गई।

हर नागरिक महसूस करे देश उनका है, इसे बेहतर बनाने में अपनी भूमिका निभाएं : कलेक्टर

बिलासपुर/नवप्रदेश। वंदे मातरम् और हर घर तिरंगा अभियान के तहत स्थानीय साइंस कॉलेज के राघवेंद्र राव सभाभवन में युवाओं से संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर संजय अग्रवाल और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं एनएसएस स्वयंसेवकों से संवाद किया और उन्हें तिरंगा शपथ दिलाई। इस अवसर पर युवाओं से देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया गया। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि हमारा देश तेजी से प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक नागरिक यह महसूस करे कि देश उसका अपना है और देश को बेहतर बनाने में उसकी भी भूमिका है। उन्होंने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। उनके विचार, ऊर्जा और रचनात्मकता राष्ट्र निर्माण को नई दिशा दे सकती है। एनएसएस समाज सेवा का एक महत्वपूर्ण माध्यम है, जिसके जरिए युवाओं को समाज और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने और निभाने का अवसर मिलता है।

सुविचार

जिंदगी में तपिश भी बहुत जरूरी है क्योंकि अक्सर वे पौधे मुरझा जाते हैं जिनकी परवरिश छांव में होती है। - अज्ञात

सीजेपी पर संकट के बादल

नीट पेपरलीक मामले को लेकर नई दिल्ली के जंतर मंतर पर आंदोलन करके चर्चा में आई कॉकरोच जनता पार्टी पर इन दिनों संकट के बादल मंडराने लगे हैं। सीजेपी के संस्थापक अभीजित दीपके के खिलाफ उनकी ही पार्टी में असंतोष गहराने लगा है। सीजेपी से शुरू से जुड़े रहे राहुल पांडया और मनीष खट्टर ने अभीजित दीपके पर तानाशाही का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ भूख हड़ताल शुरू कर दी है। उनका आरोप है कि अभीजित दीपके ने अपने खास लोगों को ही पार्टी में महत्वपूर्ण पद दे दिये हैं अपनी गर्ल फ्रेन्ड को पार्टी का प्रवक्ता बना दिया है। जिन छात्रों ने आंदोलन के दौरान लाठियां खाई थी उनकी पूरी तरह उपेक्षा कर दी गई है। आम आदमी पार्टी के नेताओं के इशारे पर ही अभीजित दीपके काम कर रहे हैं। इन दोनों युवा नेताओं की बगावत के बाद अभीजित दीपके ने इन दोनों को पार्टी के वाट्सेप ग्रुप से भी बाहर कर दिया है। पार्टी में तो अंतरकलह मची ही हुई है अब अभीजित दीपके के तानाशाही रवैये को लेकर सांभाजी नगर पुलिस ने भी उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। गौरतलब है कि सांभाजी नगर स्थित अभीजित दीपके के घर में उनकी सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। जिनके साथ अभीजित दीपके ने बद्तमीजी की थी। यहां तक की सुरक्षा के लिए तैनात एक पुलिस अधिकारी को उन्होंने अपने घर से बाहर कर दिया था। उनके इस रवैये से नाराज होकर सांभाजी नगर पुलिस ने अपने आला अफसरों से मांग की है कि अभीजित दीपके की पुलिस सुरक्षा हटा ली जाये। पुलिसकर्मियों की भी कोई इज्जत होती है वे अभीजित दीपके की बदसूलुकी बर्दाश्त नहीं करेंगे और जरूरत पड़ी तो वे इस मुद्दे को लेकर अनसन पर भी बाध्य होंगे। अभीजित दीपके खिलाफ पुलिस वालों को मोर्चा खोलने का हौसला उस समय मिला है जब सुप्रीम कोर्ट के वकील और प्रसिद्ध समाजिक कार्यकर्ता डॉ.सैय्यद रिजवान अहमद ने हजारों की भीड़ के साथ नई दिल्ली के संसद मार्ग थाने में जाकर वहां के पुलिसकर्मियों और अफसरों का फूल माला पहनाकर स्वागत किया और वहां एकत्रित हजारों की भीड़ ने नई दिल्ली पुलिस जिंदाबाद तथा भारतीय सेना जिंदाबाद के नारे लगाये। डॉ.सैय्यद रिजवान अहमद ने कहा है कि नई दिल्ली पुलिस के सौ से अधिक जवान तथा अफसर कॉकरोचों के आंदोलन के दौरान घायल हुए थे इसलिए उन्हें न्याय दिलाने के लिए वे सुप्रीम कोर्ट में केस दायर कर चुके हैं। जिन असमाजिक तत्वों ने पुलिस पर हमला किया था उन्हें किसी कीमत पर बख्शने नहीं दिया जाएगा। गौरतलब है कि कॉकरोच जनता पार्टी लगातार पुलिस पर आरोप लगाती रही है कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी पार्टियां भी पुलिस के खिलाफ ही आरोप लगा रही हैं ऐसे में डॉ.सैय्यद रिजवान अहमद ने पुलिस के पक्ष में आकर और हजारों की भीड़ जुटाकर कॉकरोचों के लिए परेशानी शुरू कर दी है। डॉ.सैय्यद रिजवान अहमद ने तो यहां तक एलान कर दिया है कि यदि पुलिसकर्मियों के साथ न्याय नहीं हुआ तो वे खुद जंतर मंतर पर आमरण अनसन पर बैठ जाएंगे। कुल मिलाकर नवगठित कॉकरोच जनता पार्टी की मुसीबतें बठने लगी हैं।

आप और कांग्रेस के वार पर साय का पलटवार

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विपक्षी नेताओं के सियासी वार पर पलटवार किया है। आमतौर पर सीएम साय विपक्षी नेताओं के आरोपों को नजर अंदाज कर देते हैं लेकिन इस बार उन्होंने आम आदमी पार्टी और कांग्रेस नेताओं के आरोपों को सीरे से खारिज करते हुए शालीनतापूर्वक ही सही लेकिन पलटवार किया है। गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी के बड़बोले सांसद संजय सिंह ने बयान दिया था कि छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार को केन्द्र सरकार ने हाईजैक कर रखा है। इस पर सीएम साय ने कहा है कि केन्द्र और राज्य में डबल इंजन की सरकार है और इसीलिए छत्तीसगढ़ तेजी से विकास कर रहा है। सीएम साय का कहना सही भी है जिस संजय सिंह ने साय सरकार पर निशाना साधा है उनकी आम आदमी पार्टी ने ही पंजाब सरकार को हाईजैक कर रखा है। अरविंद केजरीवाल सुपर सीएम बने हुए हैं। मनीष सिसोदिया सहित आम आदमी पार्टी के सभी बड़े नेता पंजाब में ही डेरा डाले पड़े रहते हैं। संजय सिंह को यह बात समझना चाहिए कि जिनके अपने घर सिसे के बने हों उन्हें दूसरों पर पत्थर नहीं उछालना चाहिए। सीएम साय सीएम साय ने यह भी यही कहा है कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी पार्टियों के पास भाजपा के खिलाफ कोई मुद्दा नहीं है। इसलिए वे अनरगल बयानबाजी करते रहते हैं। उन्होंने कांग्रेस को नसीहत दी है कि उन्हें तो इस बात पर खुश होना चाहिए कि जो बस्तर पिछले चालीस सालों से नक्सलवाद की समस्या से झुझता रहा है वहां अब नक्सलवाद खत्म हो गया है और अब वहां गांव गांव में तिरंगा लहराया जा रहा है। वास्तव में विपक्ष मुद्दाविहीन हो गया है और बेबुनियाद आरोपों के जरिये अपनी सियासत चमका रहा है। किन्तु ऐसा करने से विपक्ष को कोई लाभ नहीं होगा।

अमंगल हारी, करुणामयी शिवशक्ति का पावन पर्व है सावन शिवरात्रि

भारत में सर्वाधिक महत्व जिस देव का है, वो देवाधिदेव भगवान शिव ही हैं, जो आज भी समूचे भारतवर्ष में उतने ही पूजनीय और वंदनीय हैं, जितने सदियों पहले। देशभर में भगवान शिव की पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है, इसीलिए 'शिवरात्रि' पर्व को भारत में राष्ट्रीय पर्व का दर्जा प्राप्त है। वैसे तो शिवरात्रि हर माह मनती है किन्तु इनमें से फाल्गुन महाशिवरात्रि और सावन शिवरात्रि की महत्ता सर्वाधिक है। सावन शिवरात्रि प्रायः माह की कृष्ण पक्ष चतुर्दशी को मनाई जाती है, जिसे भगवान शिव के प्रति भारतीयों की आस्था की प्रतीक 'कांवड़ यात्रा' का समापन दिवस भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार भारत में सावन शिवरात्रि का बहुत महत्व है।

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन की शिवरात्रि सावन महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाई जाती है और वर्ष यह तिथि 11 अगस्त को प्रातः 4 बजकर 43 मिनट से शुरू होकर 12 अगस्त रात्रि 01 बजकर 51 मिनट तक रहेगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, यह पर्व 11 अगस्त को ही मनाया जाएगा और इसी दिन शिवलिंग का जलाभिषेक होगा। सावन शिवरात्रि के पावन अवसर पर ही कांवड़ यात्रा का भी समापन होता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस साल सावन शिवरात्रि पर चतुर्ग्रही योग बन रहा है और इस दिन कर्क राशि में सूर्य, गुरु, बुध और चंद्रमा एक साथ बैठकर चतुर्ग्रही योग का निर्माण करने वाले हैं।

धार्मिक ग्रंथों में 'शिव' और 'रात्रि' के शाब्दिक अर्थ को परिभाषित करते हुए बताया गया है, जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो भगवान नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से 'सगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं। 'रात्रि' शब्द 'रा' दानार्थक धातु से बना है अर्थात् जो सुखादि प्रदान करती है, वह 'रात्रि' है। रात्रि सदा आनन्ददायिनी होती है, अतः सबकी आश्रयदात्री होने के कारण उसकी स्तुति की गई है। इस प्रकार शिवरात्रि का अर्थ है, वह रात्रि, जो आनंद देने वाली है, जिसका शिव नाम के साथ विशेष संबंध है। भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात् 'महादेव' कहा गया है। देव-दानव, मानव-प्रेत, भगवान शिव इन सभी के आराध्य देव रहे हैं। 'भोले बाबा' के रूप में सर्वत्र पूजनीय भगवान शिव को समस्त देवों में अग्रणीय और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वह अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न हो जाते हैं तथा उनकी मनोकामना पूर्ण करते हैं। भगवान शिव को भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता का प्रतीक माना गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में यही उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं। कहा जाता है कि भगवान विष्णु ने भगवान शिव की अनुकम्पा प्राप्त करने के लिए उन्हें अपनी एक आंख समर्पित कर दी थी। इस बारे में कहा गया है कि भगवान विष्णु जब शिव को प्रसन्न करने के लिए 1008 कमल के फूलों से उनका अभिषेक कर रहे थे, तब आखिर में एक कमल कम रह गया। इस पर भगवान विष्णु ने तुरंत कटार से अपनी एक आंख निकाली और कम रहे कमल के स्थान पर शिव को अपनी आंख अर्पित कर दी। इससे शिव विष्णु पर इतने प्रसन्न हुए कि उन्होंने भगवान विष्णु को अपना दिव्य मंत्र प्रदान कर दियाः-

त्रयम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम।
उर्वारूकमिवबन्धनात।मृत्योर्मुक्षीय मामृतात।।

भगवान शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है। इसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए।

ढाई साल की उपलब्धियाँ- छत्तीसगढ़ का श्रमिक कल्याण के क्षेत्र में नई पहचान

छगन लाल लोन्हारे
(संयुक्त संचालक, जनसंपर्क)

पिछले ढाई साल में श्रम विभाग ने गढ़ी सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि की मिसाल। छत्तीसगढ़ सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में श्रमिकों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अनेक ऐतिहासिक पहल की हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने श्रमिक कल्याण को केवल योजनाओं तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे सुशासन, पारदर्शिता और तकनीकी नवाचार से जोड़ते हुए श्रमिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है। वहीं श्रम एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में विभाग ने श्रमिकों तक योजनाओं का लाभ तेज़ी और सरलता से पहुंचाने के लिए व्यापक सुधार किए हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा श्रमिकों एवं उनके परिजनों की बेहतरी के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है, इन योजनाओ के माध्यम से श्रमिकों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है। राज्य में संगठित, असंगठित और निर्माण श्रमिकों के हितों के संरक्षण के लिए विभिन्न श्रम कल्याण मंडलों के माध्यम से 67 कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। श्रमिकों के पंजीयन, सहायता और योजनाओं के लाभ को अधिक पारदर्शी एवं सुगम बनाने के लिए श्रम विभाग ने नई यूजर-फ्रेंडली वेबसाइट shramvjayate.ch.gov.in श्रमेव जयते मोबाइल एप विकसित किया है, जिससे श्रमिक अब ऑनलाइन आवेदन, पंजीयन और अन्य सुविधाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर रहे हैं।

ढाई वर्षों में श्रम विभाग ने प्रशासनिक व्यवस्था को भी मजबूत किया है। 5 नए जिलों (मोहला-मानपुर-अंबागढ़,चौकी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, ,सारंगढ़-बिलाईगढ़, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर एवं सक्ती) में श्रम अधिकारी कार्यालय की स्थापना हेतु 20 पदों का सृजन किया गया है। वर्तमान में 10 जिलों के सहायक श्रमायुक्त कार्यालय तथा 23 जिलों में श्रम पदाधिकारी कार्यालय संचालित है। इस प्रकार राज्य के सभी 33 जिलों में श्रम कार्यालयों का संचालन सुनिश्चित किया गया है। इसके साथ ही विभिन्न पदों पर नियुक्तियां कर विभागीय क्षमता को भी बढ़ाया गया है। उद्योगों और श्रमिकों के बीच बेहतर संतुलन स्थापित करने के उद्देश्य से श्रम कानूनों में कई महत्वपूर्ण संशोधन किए गए हैं। दुकानों एवं स्थापना अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन, फिक्स्ड टर्म एम्प्लॉयमेंट, महिला श्रमिकों के लिए रात्रिकालीन कार्य की सुविधा, फैक्ट्री लाइसेंस की अवधि बढ़ाने जैसे अनेक निर्णयों ने रोजगार सृजन के साथ श्रमिक अधिकारों को भी मजबूत किया है।

श्रम विभाग की उपलब्धियों में सबसे उल्लेखनीय सफलता श्रमिक पंजीयन और हितलाभ वितरण रही है। 1 जनवरी 2024 से 30 जून 2026 के बीच लगभग 12.65 लाख नए श्रमिकों का पंजीयन किया गया। लगभग 17.82 लाख श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित किया गया, जिन पर लगभग 800 करोड़ रुपये से अधिक की राशि व्यय की गई। निर्माण श्रमिकों को लगभग 780 करोड़ रुपये तथा असंगठित श्रमिकों को लगभग 187 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई। लाभ वितरण को पारदर्शी बनाने के लिए प्रत्यक्ष लाभ अंतरण प्रणाली लागू की गई है।

मुख्यमंत्री श्रमिक सहायता केंद्र 24 घंटे, सात दिन संचालित

मुख्यमंत्री श्रम संसाधन केंद्रों की स्थापना श्रमिकों के लिए बड़ी राहत साबित हुई है। मुख्यमंत्री श्रमिक सहायता केंद्र 24 घंटे, सात दिन संचालित किया जा रहा है। संचालित राज्यभर में मोबाइल शिविर आयोजित कर लाखों श्रमिकों के पंजीयन, नवीनीकरण और आवेदन संबंधी समस्याओं का समाधान किया गया है। इससे दूरस्थ क्षेत्रों के श्रमिकों को भी सरकारी सेवाओं का लाभ घर के समीप मिल रहा है। राज्य सरकार ने श्रमिक परिवारों के सामाजिक सुरक्षा कवच को भी मजबूत किया है। मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना के तहत आवास सहायता राशि बढ़ाकर 1.50 लाख रुपये की गई है। मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता, छात्रवृत्ति, श्रमिक परिवारों के बच्चों के लिए शिक्षा सहायता तथा अन्य योजनाओं के माध्यम से हजारों परिवारों को आर्थिक संबल मिला है।

महिला श्रमिकों के सम्मान और सुरक्षा की दिशा में भी उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। मिनीमाता महतारी जतन योजना के अंतर्गत निर्माण एवं असंगठित क्षेत्र की 1.60 लाख से अधिक महिला श्रमिकों को मातृत्व सहायता प्रदान की गई। वहीं 'शहीद वीरनारायण सिंह श्रम अन्न योजना' के माध्यम से पंजीकृत श्रमिकों को मात्र 5 रुपये में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। श्रमिकों के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए मेधावी शिक्षा सहायता, निःशुल्क प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग तथा छात्रवृत्ति योजनाओं का प्रभावी संचालन किया जा रहा है।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1914 - फ्रांस ने ऑस्ट्रिया और हंगरी के खिलाफ युद्ध की घोषणा की। 1929 - पर्शिया और इराक के बीच मैत्री संधि पर हस्ताक्षर किए गए। 1940 - ब्रिटेन के पोर्टलैंड बंदरगाह पर जर्मनी ने हवाई हमला किया। 1944 - अमेरिका ने सुमात्रा द्वीप समूह के पालेमबेंग क्षेत्र पर हवाई हमला किया। 1948 - दूसरे विश्वयुद्ध के बाद पहली बार ओलिंपिक खेलों का आयोजन हुआ। 1960 - अफ्रीकी देश चाड ने फ्रांस से स्वतंत्रता हासिल की। 1961 - दादर नगर हवेली का भारत में विलय और इसे केंद्रशासित प्रदेश बनाया गया। 1962 - सोवियत संघ ने वोस्टोक-3 स्पेसक्राफ्ट को लॉन्च किया। इसमें सवार एंड्रीयन निकोलायेव ने 4 दिन के भीतर 64 बार धरती की परिक्रमा की थी। ऐसा करने वाले वे पहले अंतरिक्ष यात्री हैं। 1984 - लॉस एंजलीस ओलंपिक खेलों में दक्षिण अफ्रीकी मूल की ब्रिटिश धावक जोला बड 3000 मीटर की दौड़ में अमेरिका की शीर्ष धावक मैरी डेकर से टकरा गईं। मैरी को दौड़ से बाहर होना पड़ा। 1984 - तत्कालीन सोवियत रूस ने भूमिगत परमाणु परीक्षण किया। 1999 - यूरोप और एशिया में सदी का अंतिम सूर्यग्रहण।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

जब भी कोई नया काम शुरू करता हूं लोग पूछते हैं, पिछला वाला बंद कर दिए क्या ? यूट्यूब चैनल शुरू किया तो पूछा गया- लिखना बंद कर दिए। किताबें छापनी शुरू की तो पूछा गया- यूट्यूब बंद कर दिया क्या ? अब न्यूज पोर्टल शुरू किया है तो जानना चाहते हैं- और वो बांकी सब, गाने, एआई फिल्में वगैरह। तो भाइयों बता दूं, बंद कुछ भी नहीं हुआ है, सब एक साथ चल रहा है, एक ही काम के ये अलग-अलग आयाम हैं। और वो काम है, पत्रकारिता।मिलते रहिएगा- यदा कदा। **- केवल कृष्ण**

कभी हार का सामना,कभी जीत का स्वाद। अमित न भूले भूलती,विगत दिनों की याद॥ गिरता था हर रोज़ ही,उठता भी हर रोज़। विषम परिस्थितियाँ रहीं,गिरा न मुख का ओज॥ माँ कहती है आज भी,रखना उर विश्वास। जब अपने संग छोड़ दें,रहते प्रभु आ पास॥ **- अमित शिवकुमार दुबे**

व्यक्ति को बहुत ज्यादा सीधा भी नहीं होना चाहिए ,क्योंकि जंगल के सीधे पेड़ ही काट लिए जाते हैं , इसी प्रकार सीधे व्यक्ति से हरकोई अपने काम निकलवाता रहता है और उसका ही उपहास भी उड़ाता है । **- सीमा राय**

ज़िंदगी की असली खूबसूरती हमारे रिश्तों में छिपी होती है। कभी माँ की ममता में सुकून मिलता है, तो कभी दोस्ती की बातों में हँसी। कोई रिश्ता हमें ताक़त देता है, तो कोई हमें ज़िंदगी का मतलब सिखा जाता है। रिश्ते वो धागा हैं जो दिलों को जोड़ते हैं और जब ये एहसास शब्दों में ढलता है तो जिंदगी आनंद से भर जाती है। **- वर्षा वार्ष्णेय**

सुनो अपना अपना सच होता है क्या? सच , सच होता है या फिर अपना अपना? तुम तुम्हारे सच के साथ जियो और मैं जियूँ अपने सच के साथ ऐसा भी साथ-साथ जीना होता है क्या? सुनो हम साथ साथ जी लेते हैं अब थोड़ा झूठ ही कि इतना तो सच हम जी ही सकते हैं न साथ-साथ,,। **- शुचि 'भवि**

अभी छत्तीसगढ़ मे नये नये सनातनी बने भगवान शिव और उनके अवतार माने जाने वाले आचार्य के भक्त उनको जानकारी नहीं होगा शायद बस राइट विंग और हिंदुत्व संघ कि जिम्मेदारी है क्या मेरा मानना है राइट विंग और हिंदुत्व संघठन को इस बार चुप रहना चाहिए इस बार विरोध कि जिमेदारी नये सनातनी निभाए... जय सियाराम। **- अंबर दानी**

आसमां ने फंसा दिया है मुझे, चांदनी से लड़ा दिया है मुझे। बेवफ़ाई का जाम उनका था , उसने क्यूं फिर पिला दिया है मुझे। कल अदब ने लताड़ा पहले फिर, लिखने का इक नशा दिया है मुझे। इश्क़ मंझधार से हुआ जब से, साहिलों ने भगा दिया है मुझे। गांव में खुशियों का ख़ज़ाना मिला, शहर ने दुख सदा दिया है मुझे। गो पहाड़ों ने कुछ दिया न दिया, जीने का हौसला दिया है मुझे। दुनिया की सेवा उम्र भर किया पर, दुनिया ने दानी क्या दिया है मुझे। **- डॉ संजय दानी**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज का दिन आपको आकस्मिक लाभ देकर जाएगा दिन के पूर्वार्ध में घर एवं कार्य क्षेत्र में तालमेल बैठाने में परेशानी होगी इससे होने वाले लाभ में कुछ कसर भी रह सकती है।

वृषः आज का दिन आपके लिए सामान्य फलदायक रहेगा दिन के पहले हिस्से में बड़ी-बड़ी योजनाएं बनाएंगे परिश्रम करने में भी कमी नहीं रखेंगे लेकिन परिस्थितियां आज साथ कम ही देंगी।

मिथुनः आज के दिन आपके स्वभाव में चंचलता अधिक रहेगी। आप जहां भी जाएंगे वहां का वातावरण विनोदी स्वभाव से हल्का बनाएंगे।

कर्कः आज के दिन से आप कुछ विशेष उम्मीद नही लगाएंगे फिर भी आज कुछ ऐसा होगा जिसकी आपने कल्पना ही नही की। धन को लेकर आज आप अधिक लालची बनेंगे।

सिंहः आज का दिन आप को सार्वजनिक क्षेत्र से लाभ के साथ सम्मान की प्राप्ति कराएगा। स्वभाव में जल्दबाजी भी रहेगी। जो भी कार्य करें बुद्धि विवेक के साथ ही करें तो होने वाले लाभ के प्रतिशत में अवश्य वृद्धि होगी।

कन्याः आज का दिन आपके लिए कार्य सफलता वाला रहेगा दिन के पहले भाग में जो भी योजना बनाएंगे मध्यांतर थोड़ी दौड़ को उसके बाद उसे पूरा करके ही दम लेंगे।

तुलाः आज के दिन आप मानसिक रूप से शांत रहेंगे लेकिन धन संबंधित कामनाये अधिक रहेंगी। मध्यान तक कार्य क्षेत्र पर परिश्रम की अधिकता रहेगी।

वृश्चिकः आज का दिन आप को शांति से बिताने की सलाह है। निरंतर मिल रही असफलताओं से क्षुब्ध होकर जल्दबाजी में कोई गलत फैसला ले सकते हैं।

धनुः आज का दिन भी आपके लिए आनंददायक रहेगा आज आप स्वतंत्र विचार रहने के कारण किसी के दबाव में नहीं आएंगे। कार्य को आज के दिन पूरा करें कल पर छोड़ना हानि कराएगा।

मकरः आज धन की प्राप्ति जितनी सुगम रहेगी खर्च भी उतनी ही जल्दी हो जाएगा। मितव्ययता बरतने पर भी खर्चो पर नियंत्रण नही रहेगा आकस्मिक खर्च आर्थिक उलझन बनाएंगे।

कुंभः आज का दिन आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा स्वभाव की मनमानी आज प्रत्येक क्षेत्र में आपको कुछ ना कुछ कमी रखेगी।

मीनः आज के दिन आपकी वाणी का तीखा पन व्यर्थ के झड़े मोल लेगा। मन भी काम की बातों को छोड़ इधर-उधर ज्यादा भटकेगा।

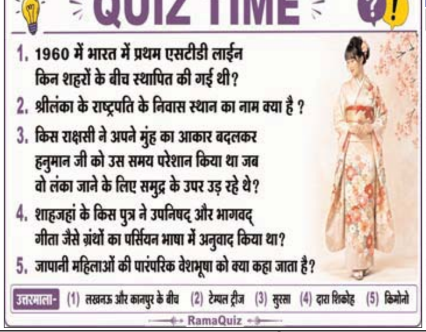

पहेली

शब्द सामर्थ्य -126

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 125 का हल

बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता सेवाओं को मजबूत करने पर जोर

■ मुख्य सचिव ने बच्चों के लिए स्वास्थ्य कार्यक्रमों को लेकर यूनिसेफ और विभिन्न विभागों के अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली

■ जिलों में पोषण कार्यक्रमों के विस्तार पर हुई चर्चा

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्य सचिव विकासशील ने सोमवार को मंत्रालय में राज्य में बच्चों के लिए चलाए जा रहे स्वास्थ्य कार्यक्रमों को लेकर यूनिसेफ और राज्य शासन के स्वास्थ्य विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य विभागीय अधिकारी की बैठक ली।बैठक में राज्य में बच्चों के लिए पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, साफ-सफाई और स्वच्छता सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाये जाने के लिए विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में बच्चों में कुपोषण, एनीमिया, विकास में देरी, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बच्चों के स्वास्थ्य कार्यक्रमों के अंतर्गत आवश्यक माइक्रोन्यूट्रिएंट्स, फोलेट, विटामिन, बी-12 और जिंक की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यूनिसेफ और विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर, एनीमिया नियंत्रण, कुपोषण और बाल विवाह जैसी समस्याओं की भी विस्तार से समीक्षा की गई।

इसके साथ ही राज्य के किसानों तक विविध एवं पोषक तत्वों से भरपूर फसलों और दालों की पहुंच बढ़ाने के लिए अच्छे बीजों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए जोर दिया गया। बैठक में बताया गया कि राज्य में एंटी-मलेरिया अभियान के चलते मलेरिया के रोगियों में उल्लेखनीय कमी आयी है। बच्चों में एनीमिया की स्थिति के बारे में चर्चा हुई। इसके तहत बस्तर में बच्चों मे एनीमिया से निपटने विशेष स्वास्थ्य कार्यक्रम चलाए जा रहे है। मुख्य सचिव ने सभी जिलों में बाल स्वास्थ्य कार्यक्रमों के लिए विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय, जमीन स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन और लोगों तक जरूरी सेवाएं पहुंचाने के निर्देश दिए है।

बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव ऋर्चा शर्मा, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव शहला निगार, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव अमित कटारिया, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव अब्दुल कैसर हक, गृह विभाग की सचिव श्रीमती नेहा चंपावत, आयुक्त समग्र शिक्षा किरण कौशल सहित शिक्षा, स्वास्थ्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग और अन्य विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की क्षमता बढ़ाने की जरुरत पर जोर

अधिकारियों और यूनिसेफ की संयुक्त बैठक में बच्चों के कम्यूनिटी मैनेजमेंट का सभी जिलों तक विस्तार करने, विकलांगता वाले बच्चों के माता-पिता को खानपान संबंधी सहायता उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। बैठक में टेक होम राशन की गुणवत्ता और प्रभावशीलता बढ़ाने के साथ-साथ घर पर पोष्टिक भोजन और बच्चों को भोजन खिलाने की बेहतर पद्धतियों को बढ़ावा देने के संबंध में जानकारी दी गई। अनाज, दाल, फल्लियों की उपलब्धता ग्राम पंचायत स्तर पर अनाज बैंक की अवधारणा पर भी चर्चा हुई।

न्यूज गैलरी

पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 24 मामलों में अवैध शराब, चाकू और एमडी ड्रग्स जब्त

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में 9 और 10 अगस्त की दरम्यानी रात पुलिस ने अपराध और अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कई मामले दर्ज किए। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार तेलीबांधा, गुढ़ियारी, पुरानी बस्ती, डीडी नगर, राजेंद्र नगर, टिकरापारा, खमतराई, मुजगहन और गांज थाना क्षेत्रों में मारपीट, धमकी, सड़क दुर्घटना, अवैध शराब, सार्वजनिक स्थान पर शराबखोरी, अवैध हथियार और मादक पदार्थ से जुड़े कुल 24 प्रकरण सामने आए। गांज थाना क्षेत्र में पुलिस ने सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए तेलघानी नाका ओवरब्रिज के नीचे एक आरोपी के कब्जे से 106.19 ग्राम एमडीएम ड्रग्स, जिसकी अनुमानित कीमत 12 लाख 7 हजार 428 रुपये बताई गई है, बरामद की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर नारकोटिक्स अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। वहीं गुढ़ियारी थाना क्षेत्र में सीएसईबी मैदान, कलिंग नगर से एक आरोपी के कब्जे से अवैध चाकू बरामद किया गया। राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में भी लालपुर इलाके से एक आरोपी को अवैध चाकू के साथ पकड़ा गया। दोनों मामलों में आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। अवैध शराब के खिलाफ भी पुलिस ने कई स्थानों पर कार्रवाई की। गुढ़ियारी में गोगांव पानी टंकी के पास तीन अलग-अलग मामलों में ठेलों पर लोगों को अवैध रूप से शराब पिलाने के आरोप में कार्रवाई की गई। खमतराई थाना क्षेत्र में ट्रांसपोर्ट नगर रावाभाठा और शराब भट्ठी के पास तीन मामलों में अवैध रूप से शराब पिलाने के प्रकरण दर्ज किए गए। इसके अलावा डीडी नगर और मुजगहन थाना क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीते पाए गए लोगों के खिलाफआबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। अपराध के अन्य मामलों में तेलीबांधा थाना क्षेत्र में एफ्टीवी क्लब की पहली मंजिल की लोहे की रेलिंग गिरने से एक व्यक्ति के दोनों हाथों में चोट आने का मामला दर्ज किया गया।

हरेली पर बुधवार को शासकीय अवकाश

रायुपर/नवप्रदेश। अगस्त के महीना स्कूली बच्चों के लिए खुशियां लेकर आया है। इस महीने हर सप्ताह बच्चों एक सार्वजनिक अवकाश की सौगात? मिलने वाली है। इसकी शुरुआत 12 अगस्त से हो रही है। बता दें कि इसी सप्ताह स्वतंत्रता दिवस भी मनाएं जाएंगे। इसके अलावा आने वाले दिनों में भी रक्षा बंधन समेत कई पर्व व त्योहार इस महीने मनाएं जाएंगे। इसे लेकर शासकीय अवकाश की घोषणा हुई है। ऐसे में इस छुट्टी का इस्तेमाल कर अपने परिवार व दोस्तों के साथ क्वालिटी टाइम बिता सकते हैं। आने वाले बुधवार यानी 12 अगस्त को छत्तीसगढ़ का पहला त्योहार हरेली तिहार मनाया जाएगा। इस दिन को पूरे प्रदेश में हर्षोउल्लास के साथ मनाया जाता है। मुख्यमंत्री निवास में विशेष आयोजन होते हैं। वहीं पर्व को लेकर प्रदेशभर में छुट्टी घोषित हुई है। इस दिन प्रदेशभर के शासकीय और प्राइवेट स्कूल समेत सभी कॉलेज, सरकारी दफ्तर व बैंक बंद रहेंगे। इसे लेकर आदेश जारी हुआ है।

मिनीमाता की पुण्यतिथि पर 11 अगस्त को न्यू बस स्टैंड पंडरी में पुष्पांजलि कार्यक्रम

रायुपर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की महान समाजसेविका एवं जननेता मिनीमाता की पुण्यतिथि के अवसर पर 11 अगस्त 2026, मंगलवार को राजधानी रायपुर के न्यू बस स्टैंड पंडरी स्थित उनकी प्रतिमा के समक्ष सुबह 11 बजे पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर उपस्थितजन मिनीमाता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करेंगे। कार्यक्रम को लेकर रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। निगम के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में संबंधित जोन क्रमांक-2 के सहयोग से न्यू बस स्टैंड स्थित मिनीमाता की प्रतिमा और आसपास के परिसर की विशेष साफ-सफाई कराई जाएगी। इसके साथ ही प्रतिमा स्थल की पुष्प सज्जा सहित कार्यक्रम के लिए अन्य आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जाएंगी। पुण्यतिथि कार्यक्रम में मिनीमाता के सामाजिक योगदान, समाज सुधार और जनसेवा के क्षेत्र में उनकी भूमिका को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। नगर निगम द्वारा कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने की तैयारी की जा रही है।

दिल्ली के मंच पर जीवंत हुई छत्तीसगढ़ की पंडवानी परंपरा

■ इंडिया हैबिटेट सेंटर में छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा का रंग, पंडवानी ने बांधा समां

रायुपर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की पंडवानी को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के प्रतिष्ठित सांस्कृतिक मंच इंडिया हैबिटेट सेंटर में अपनी पूरी जीवंतता के साथ प्रस्तुत हुई। महान पंडवानी कलाकार और पद्म विभूषण से सम्मानित स्वर्गीय तीजन बाई की स्मृति को समर्पित विशेष प्रस्तुति के साथ आईएचसी लोक संगीत सम्मेलन 2026 का शुभारंभ हुआ। पंडवानी की इस प्रस्तुति ने छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा को दिल्ली के सांस्कृतिक परिदृश्य में एक बार फिर प्रमुखता से सामने रखा।

तीजन बाई के योगदान को याद किया

इस प्रस्तुति का केंद्र तीजन बाई की कला यात्रा और पंडवानी को मिली राष्ट्रीय पहचान रही। छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा से निकली पंडवानी को देश और दुनिया के बड़े मंचों तक पहुंचाने में तीजन बाई का योगदान असाधारण रहा। उन्होंने अपनी विशिष्ट शैली से पंडवानी को नई पहचान दी और इसे भारतीय लोक प्रदर्शन कलाओं की प्रमुख विधाओं में स्थापित किया। तीजन बाई को समर्पित प्रस्तुति के जरिए उनके कला जीवन और छत्तीसगढ़ की उस परंपरा को याद किया गया, जिसमें कथावाचन केवल मनोरंजन नहीं बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही सांस्कृतिक स्मृतियों और जीवन मूल्यों को आगे बढ़ाने का माध्यम रहा है। इंडिया हैबिटेट सेंटर के निदेशक प्रो. (डॉ.) के.जी. सुरेश ने कहा कि भारत की लोक कलाएं देश की सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इनमें पीढ़ियों से चली आ रही कहानियां, परंपराएं और मूल्य सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि लोक कलाकारों और परंपराओं को राष्ट्रीय राजधानी में मंच देना इन विरासतों को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है।

छत्तीसगढ़ की इस विशिष्ट लोक शैली की ताकत पंडवानी

इंडिया हैबिटेट सेंटर के स्टाइन ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में पंडवानी कलाकार प्रभा यादव ने पारंपरिक संगीतकारों के साथ प्रस्तुति दी। महाभारत की कथाओं पर आधारित पंडवानी में कथा, गायन, संवाद, लय और अभिनय का ऐसा संयोजन देखने को मिला, जिसने छत्तीसगढ़ की इस विशिष्ट लोक शैली की ताकत और व्यापकता को सामने रखा। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ सरकार के प्रतिनिधियों के साथ प्रदेश की कला और संस्कृति से जुड़े प्रमुख व्यक्तित्व भी उपस्थित रहे। वरिष्ठ पत्रकार एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के सलाहकार आर. कृष्ण दास, धरसींवा विधायक एवं प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी फिल्म कलाकार अनुज शर्मा, प्रबल प्रताप सिंह जूदेव तथा सांस्कृतिक कार्यकर्ता ने कार्यक्रम में भाग लिया। इंडिया हैबिटेट सेंटर के निदेशक प्रो. (डॉ.) के.जी. सुरेश और अन्वेषा कला केंद्र की सचिव अन्वेषा ब्रह्मा भी इस अवसर पर मौजूद रहीं।

भारत की लोक परंपराओं में सदियों का इतिहास पंडवानी

धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि पंडवानी छत्तीसगढ़ की पहचान से जुड़ी महत्वपूर्ण लोक कला है। तीजन बाई ने इसे गांवों से निकालकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में इस परंपरा का सम्मान होना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। अन्वेषा कला केंद्र की सचिव अन्वेषा ब्रह्मा ने कहा कि भारत की लोक परंपराओं में सदियों का इतिहास, सामूहिक स्मृति और जीवन-दर्शन सुरक्षित है। ऐसे आयोजन इन परंपराओं को नए दर्शकों और नई पीढ़ी से जोड़ने का काम करते हैं।

सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से पूरन दास को मिली बड़ी राहत

■ 3 किलोवाट सोलर रूफटॉप प्लांट से बिजली बिल 5000 रू से घटकर 1000 रू से कम, स्वच्छ ऊर्जा को दिया बढ़ावा

रायुपर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना जिले के लोगों के लिए बिजली खर्च में राहत के साथ स्वच्छ ऊर्जा अपनाने का प्रभावी माध्यम बन रही है। इसी क्रम में खैरागढ़ जिले के विकासखंड छुईखदान के ग्राम टिकरीपारा निवासी पूरन दास मानिकपुरी ने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कर सौर ऊर्जा को अपनाया है। पूरन दास मानिकपुरी ने बताया कि सोलर प्लांट स्थापित करने से पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल लगभग 5 हजार रुपये आता था। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर रूफटॉप प्लांट लगने के बाद अब उनका बिजली बिल 1 हजार रुपये से भी कम रह गया है। इससे उन्हें हर महीने बिजली खर्च में बड़ी आर्थिक बचत हो रही है। सौर ऊर्जा के उपयोग से न केवल बिजली खर्च में कमी आई है, बल्कि मानिकपुरी स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने में भी योगदान दे रहे हैं। घर की छत पर स्थापित 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप प्लांट उन्हें बिजली की जरूरत पूरी करने में मदद कर रहा है और पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता भी कम हुई है।

दूसरों को भी कर रहे प्रेरित

योजना से मिले लाभ से उत्साहित पूरन दास मानिकपुरी अब अपने आसपास के लोगों को भी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। वे लोगों से अपने घरों में सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कर बिजली की बचत के साथ स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने की अपील कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से पूरन दास मानिकपुरी की यह पहल आर्थिक बचत, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायी उदाहरण बनकर सामने आई है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने चलाया जागरूकता अभियान

रायुपर/नवप्रदेश। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा राज्य भर में औषधि प्रतिष्ठानों के लाइसेंस, क्रय-विक्रय अभिलेख, बिल/चालान, स्टॉक रजिस्टर, नियंत्रित एवं स्वापक/मनःप्रभावी औषधियों से संबंधित रिकॉर्ड तथा औषधियों के क्रय स्रोत एवं वितरण श्रृंखला की विशेष रूप से जांच की जा रही है। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर औषधियों की जब्ती, नमूना संकलन, कारण बताओ सूचना, प्रशासनिक कार्रवाई तथा अनुज्ञप्ति निलंबन जैसी कार्रवाई की जा रही है।

बिलासपुर जिले के ग्राम खमरिया, विकासखंड तखतपुर में बिना वैध औषधि अनुज्ञप्ति के औषधियों के भंडारण की सूचना पर औषधि निरीक्षकों की टीम द्वारा कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान 36 प्रकार की औषधियां पाई गईं, जिन्हें जब्त कर प्रकरण तैयार किया गया। जब्त औषधियों के नमूने गुणवत्ता परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। इसी क्रम में ब्लड डोनेशन कैंप तथा ब्लड सेंटर, तखतपुर का भी निरीक्षण किया गया। जशपुर जिले में प्राप्त शिकायत के आधार पर मां भगवती मेडिकल स्टोर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परिसर में मरीज का उपचार, इंजेक्शन अथवा स्लाइन लगाए जाने जैसी गतिविधियां नहीं पाई गईं, हालांकि औषधि नियमों से संबंधित अनियमितता पाई गई। संबंधित प्रतिष्ठान को कारण बताओ सूचना जारी कर स्पष्टीकरण प्राप्त किया गया।

रायपुर में शुरू हुई 'XTRALITE NOW' एलपीजी सेवा

■ बुकिंग के 180 मिनट के भीतर मिलेगी डिलीवरी

रायपुर/नवप्रदेश। उपभोक्ताओं को तेज, सुविधाजनक और आधुनिक एलपीजी सेवा उपलब्ध कराने की दिशा में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने रायपुर में 'XTRALITE NOW' नाम से 10 किलोग्राम क्षमता वाले कम्पोजिट एलपीजी सिलेंडर की सेवा शुरू की है। इस नई व्यवस्था के तहत ग्राहक द्वारा रिफिल बुक किए जाने के बाद अधिकतम 180 मिनट के भीतर एक्सप्रेस डिलीवरी उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है।

रायपुर में इस सेवा का शुभारंभ 4 अगस्त 2026 को इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, रायपुर मंडल के एलपीजी प्रमुख श्री मोहम्मद आमीन ने इंडेन वितरकों एवं उपभोक्ताओं की उपस्थिति में किया। फिलहाल यह सुविधा देवेंद्र नगर स्थित आकाश गैस सर्विस एवं बाकी सभी गैस एजेंसी में भी उपलब्ध कराई जा रही है। गुरुवार से रायपुर के साथ-साथ भिलाई और दुर्ग शहर के सभी इंडेन वितरकों के माध्यम से भी यह सुविधा उपलब्ध होने की जानकारी दी गई है।

कंपनी के अनुसार, यह सेवा विशेष रूप से शहरी परिवारों, छोटे परिवारों, कामकाजी पेशेवरों और ऐसे उपभोक्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, जो एलपीजी की तेज और सुविधाजनक आपूर्ति चाहते हैं। यदि उपभोक्ता रेगुलेटर लेना चाहते हैं तो इसके लिए ?250 तथा लागू तस्ञ्ज अतिरिक्त देय होगा। वहीं, होज़ पाइप की कीमत ?190 निर्धारित की गई है। इंडियन ऑयल के ग्राहक Indian Oil ONE ऐप तथा कंपनी की आधिकारिक ग्राहक वेबसाइट के माध्यम से नए कनेक्शन के लिए पंजीकरण करने के साथ-साथ एलपीजी रिफिल की बुकिंग भी कर सकते हैं।कंपनी के मुताबिक एक्सप्रेस डिलीवरी सुविधा इंडेन के डिस्ट्रीब्यूटर नेटवर्क तथा चयनित इंडियन ऑयल रिटेल आउटलेट्स के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। उपभोक्ताओं को एक्सप्रेस डिलीवरी के अलावा अपनी सुविधा के अनुरूप पसंदीदा समय पर सिलेंडर प्राप्त करने का विकल्प भी उपलब्ध कराया जाएगा।

एक कनेक्शन के लिए 4,852.50 का प्रारंभिक भुगतान

रायपुर में 10 किलोग्राम के XTRALITE NOW कम्पोजिट एलपीजी सिलेंडर के नए कनेक्शन के लिए ?3,186 की सिक्योरिटी राशि निर्धारित है, जबकि एक रिफिल की कीमत ?1,666.50 है। इस प्रकार नए कनेक्शन के लिए सिलेंडर और प्रथम रिफिल सहित कुल ?4,852.50 का भुगतान करना होगा।

छत्तीसगढ़ में बाढ़ से निपटने की तैयारी तेज,20 को मॉकड्रिल

■ 18 अगस्त को राज्य स्तरीय टेबल-टॉप एक्सरसाइज

■ राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा एक उच्चस्तरीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य में संभावित बाढ़ आपदा से निपटने और पूर्व तैयारियों को पुख्ता करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा एक उच्चस्तरीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस दौरान निर्णय लिया गया कि प्रदेश में आपदा प्रबंधन की वास्तविक क्षमताओं और अंतर-विभागीय समन्वय को परखने के लिए 18 अगस्त को राज्य स्तरीय टेबल-टॉप एक्सरसाइज और 20 अगस्त को व्यापक मॉक एक्सरसाइज (मॉक ड्रिल) का आयोजन किया जाएगा।

कॉन्फ्रेंस के दौरान बाढ़ के समय विभिन्न विभागों की सक्रिय भूमिका और समन्वय पर विस्तृत समीक्षा की गई। आपदा के दौरान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, लोक निर्माण, जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (क्काश्च) तथा पशुपालन विभाग द्वारा की जाने वाली त्वरित कार्यवाहियों का खाका तैयार किया गया।

इस महत्वपूर्ण बैठक में नगर सेना, अग्निशमन, नागरिक सुरक्षा, पुलिस मुख्यालय, रायपुर रेल मंडल (DRM), स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट के निदेशक, दूरसंचार, विज्ञान केंद्र और औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग सहित पंचायत, ऊर्जा, परिवहन और खाद्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। प्रदेश के सभी जिलों के नोडल अधिकारी इस कॉन्फ्रेंस में ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे।

त्वरित राहत व बचाव के लिए तैयारियों का परीक्षण आवश्यक

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की सचिव शम्मी आबिदी ने जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे टेबल-टॉप एक्सरसाइज की सभी प्रक्रियाओं और एसओपी (SOP) को गहराई से समझें। उन्होंने कहा कि वास्तविक आपदा के समय शून्य देरी से राहत और बचाव कार्य संचालित करने के लिए यह पूर्वाभ्यास बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा।

पीएमएफएमई योजना से मिली नई दिशा, आधुनिक मशीनों से बढ़ा कारोबार

■ कृषि परिवार से निकलकर प्रो. जितेन्द्र कुमार धनकर ने फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में बनाई नई पहचान

रायुपर/नवप्रदेश। खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले के ग्राम अतरिया निवासी 35 वर्षीय प्रो. जितेन्द्र कुमार धनकर ने कृषि परिवार से होने के बावजूद स्वरोजगार को अपनाकर फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। बी.एससी. एग्रीकल्चर शिक्षित जितेन्द्र कुमार ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) का लाभ लेकर अपने व्यवसाय को आधुनिक स्वरूप दिया और सीमित स्तर से शुरू हुए कारोबार को विस्तार की दिशा में आगे बढ़ाया।

जितेन्द्र कुमार ने ÷धनकर एंटरप्राइजेज (एमएफजी यूनिट)÷ की शुरुआत 16 मार्च 2022 को की। उनके उद्यम में लीची जूस, मैंगो जूस, ऑरेंज जूस, भेल, मसाला मुरमुरा, चना मिक्स, नमकीन सहित विभिन्न खाद्य उत्पादों का निर्माण एवं पैकेजिंग किया जाता है। पीएमएफएमई योजना से पहले जितेन्द्र कुमार का व्यवसाय मुख्य रूप से मौसमी उत्पादों तक सीमित था। इस दौरान उनकी मासिक आय लगभग 10 हजार रुपये थी और व्यवसाय के विस्तार की संभावनाएं सीमित थीं। इसी दौरान उन्हें जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र (डीटीआईसी) के माध्यम से प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना की जानकारी मिली। विभागीय मार्गदर्शन प्राप्त कर उन्होंने योजना के तहत आवेदन किया और आवश्यक प्रशिक्षण भी प्राप्त किया।

सहकारी बैंक संचालक मंडल की बैठक में शाखा विस्तार पर चर्चा

■ गबन-धोखाधड़ी मामलों की निगरानी के लिए स्पेशल कमेटी के पुनर्गठन पर हुआ विचार

जगदलपुर /नवप्रदेश। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक जगदलपुर के संचालक मंडल की महत्वपूर्ण बैठक प्रधान कार्यालय में बैंक अध्यक्ष दिनेश कश्यप की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में बैंक के सुचारु संचालन, संस्थागत व्यवस्था को मजबूत करने तथा वित्तीय अनुशासन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। नाबार्ड द्वारा वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 की स्थिति को लेकर किए गए निरीक्षण के दौरान सामने आए बिंदुओं और आगामी कार्यवाही पर भी विचार-विमर्श हुआ।

बैठक में बैंक की नई शाखाएं खोलने,संचालित शाखाओं को अन्यत्र स्थानांतरित करने,शाखाओं के संविलियन तथा आवश्यकता के अनुसार शाखाएं बंद करने संबंधी नियमित नीति के अनुमोदन पर चर्चा हुई। वहीं गबन एवं धोखाधड़ी से जुड़े मामलों की नियमित निगरानी और समीक्षा के लिए बोर्ड की विशेष समिति के

पुनर्गठन पर भी विचार किया गया। बैंक के संचालन को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह एवं प्रभावी बनाने की दिशा में आवश्यक कार्यवाही पर चर्चा हुई।

बैठक में उपाध्यक्ष श्रीनिवास मिश्रा,नाबार्ड प्रतिनिधि अभिजीत देवरी,उप आयुक्त डॉ ऊषा ध्रुव,उप संचालक कृषि राजीव श्रीवास्तव,चार्टर्ड एकाउंटेंट प्रतीक चिखलीकर,विषय वस्तु विशेषज्ञ धर्मपाल केरकेट्टा,नाबार्ड के उप महाप्रबंधक प्रियब्रत साहू,सहायक महाप्रबंधक मयंक जैन एवं सीईओ कुंवर सिंह ध्रुव उपस्थित रहे।

निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं का सम्मान

बैठक के बाद सहकारिता सप्ताह के तहत आयोजित निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले सुरेश कुमार, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बास्तानार, द्वितीय कु पूनम मौर्य तथा तृतीय प्रदीप बंजारे, दोनों शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चोकर को सम्मानित किया गया।

23 वर्षों से दुर्गम आदिवासी एवं नक्सल क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा का समर्पण, डॉ. भेषज रामटेके हुए सम्मानित

■ विश्व आदिवासी दिवस पर सेवा और समर्पण के लिए मिला सम्मान, कठिन परिस्थितियों में भी नहीं छोड़ा कर्तव्य का रास्ता

अंतागढ़ / नवप्रदेश। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर अंतागढ़ खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. भेषज रामटेके को दुर्गम आदिवासी एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लंबे समय से स्वास्थ्य सेवाएं देने और विपरीत परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित रहने के लिए सम्मानित किया गया। डॉ. रामटेके पिछले 23 वर्षों से आदिवासी एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में रहकर ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। उनकी सेवा यात्रा

केवल अस्पताल की चारदीवारी तक सीमित नहीं रही, बल्कि वे ऐसे दुर्गम इलाकों तक भी पहुंचे, जहां सामान्य परिस्थितियों में पहुंचना भी किसी चुनौती से कम नहीं था। विशेष रूप से वर्ष 2005 में अति संवेदनशील क्षेत्र मुल्ले में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का उनका कार्य आज भी उनके साहस और सेवा भावना का उदाहरण माना जाता है।

संक्षिप्त खबरें

ध्वजारोहण समारोह स्थल में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की लगाई गई ड्यूटी

कांकेर/नवप्रदेश। 15 अगस्त 2026 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शासकीय नरहरदेव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कांकेर के खेल मैदान में आयोजित होने वाले मुख्य ध्वजारोहण समारोह में सुरक्षा, कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर द्वारा कार्यपालिक दण्डाधिकारियों एवं अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जारी आदेशानुसार अनुविभागीय दण्डाधिकारी कांकेर श्रीमती सरस्वती बंजारे की व्हीआईपी सेक्टर मंच हेतु ड्यूटी लगाई गई है। इसी प्रकार शहीद परिवार सेक्टर हेतु नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी कांकेर श्री संजय कुमार राय, मंच व्हीआईपी प्रवेश द्वार हेतु तहसीलदार कांकेर श्री पौरस वेन्ताल, पत्रकार सेक्टर हेतु नायब तहसीलदार सरोना श्री अभिषेक देवांगन, अधिकारी सेक्टर के लिए डिप्टी कलेक्टर सुश्री आस्था बोरकर, महिला सेक्टर हेतु नायब तहसीलदार कांकेर सुश्री दुर्गावती कुजूर, गणमान्य नागरिक सेक्टर हेतु नायब तहसीलदार कांकेर सुश्री चंदा नाग, पब्लिक सेक्टर हेतु नायब तहसीलदार भानुप्रतापपुर श्री प्रवीण कुमार नेताम तथा व्हीआईपी पार्किंग एवं यातायात व्यवस्था के लिए नायब तहसीलदार चारामा श्री कृष्ण कुमार पाटले की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अलावा ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, आदिवासी विकास, पुलिस, जनसंपर्क, शिक्षा, जल संसाधन, समाज कल्याण, खाद्य, नगरपालिका, क्रेडा, श्रम, महिला एवं बाल विकास तथा परिवहन विभाग के अधिकारियों को भी समारोह स्थल पर अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गई हैं। उक्त अवसर पर अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी श्री जितेन्द्र कुर्रे कानून व्यवस्था के सम्पूर्ण प्रभार पर रहेंगे।

बड़े चकवा में हर्षोल्लास से मनाया गया विश्व मूलनिवासी दिवस, जल-जंगल-जमीन और संस्कृति बचाने का लिया संकल्प

मुरिया दरबार से छेड़छाड़ हुई तो फिर हो सकता है मुरिया विद्रोह : रामनाथ कश्यप

जगदलपुर/नवप्रदेश। जनपद पंचायत बस्तर अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़े चकवा में 9 अगस्त को विश्व मूलनिवासी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम देवी-देवताओं की सेवा-अर्जी एवं पूजा-अर्चना से हुई। इसके बाद ध्वजारोहण किया गया। समाज के प्रमुखों एवं वरिष्ठजनों का पारंपरिक रूप से पगड़ी पहनाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा, रीति-रिवाज, खानपान, देवी-देवताओं की पूजा पद्धति तथा जल, जंगल और जमीन के संरक्षण पर चर्चा हुई।

जयदेव बघेल ने कहा कि आदिवासी समाज की अपनी विशिष्ट जीवनशैली, भाषा, पहनावा, खानपान और सांस्कृतिक परंपराएं हैं। प्रकृति के साथ समाज का सदियों पुराना संबंध रहा है। जंगल, पहाड़, जमीन और जलस्रोत आदिवासी जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि बदलते समय में प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते

दबाव के बीच संस्कृति और पहचान को बचाने के लिए समाज को एकजुट होकर प्रयास करना होगा।

मुरिया समाज के अध्यक्ष रामनाथ कश्यप ने बस्तर दशहरा की परंपराओं का उल्लेख करते हुए मुरिया दरबार को बस्तर की ऐतिहासिक एवं सामाजिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि मुरिया दरबार के पारंपरिक स्वरूप से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ समाज स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि मुरिया दरबार को छेड़ने का प्रयास हुआ तो फिर मुरिया विद्रोह हो सकता है और समाज अपने अधिकार के लिए संघर्ष करेगा। उन्होंने समाज से एकजुट होकर अपनी परंपराओं और अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया।

महाजन बघेल ने आदिवासी समाज की धार्मिक मान्यताओं, देवी-देवताओं और पारंपरिक पूजा पद्धति को समाज की पहचान बताते हुए इनके संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों तक परंपराओं को पहुंचाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम में बस्तरिया गीत, लोकगायन और पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। युवा,महिलाएं,बच्चे और समाज के वरिष्ठजन उत्साहपूर्वक शामिल हुए। इस दौरान रामनाथ कश्यप,महाजन बघेल,डॉ कमल किशोर कश्यप,रमेश कश्यप, पूरन सिंह कश्यप,मधु मौर्य,जयदेव बघेल,गोवर्धन बघेल, चेतन बघेल, कल्याण बघेल सहित समाज प्रमुख एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

परंपरा और पहचान बचाने का संकल्प

विश्व मूलनिवासी दिवस पर बड़े चकवा में समाज ने अपनी सांस्कृतिक पहचान,पारंपरिक व्यवस्था और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि जल,जंगल और जमीन की सुरक्षा के साथ ही आदिवासी समाज की भाषा,रीति-रिवाज,धार्मिक मान्यताओं और लोकपरंपराओं को संरक्षित करना जरूरी है। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़े रहने का संदेश दिया गया।

सहकार से समृद्धि के लिए लैम्प्स की भूमिका महत्वपूर्ण

जगदलपुर /नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर के संभागीय कार्यालय जगदलपुर एवं इफ्को के क्षेत्रीय कार्यालय के सहयोग से आदिवासी सदस्य सहकारी शिक्षा योजना अंतर्गत भानपुरी लैम्प्स के आश्रित ग्राम पंचायत चमिया के पंचायत भवन में सहकारी एवं कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में सहकारिता के अर्थ,महत्व एवं सिद्धांतों के साथ लैम्प्स की विभिन्न सेवाओं की जानकारी दी गई।

जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक (छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ) विवेक पांडे ने किसानों को वित्तीय, विपणन, उपभोक्ता एवं उत्पादन वृद्धि से जुड़ी सेवाओं की जानकारी देते हुए कहा कि 'सहकार से समृद्धि' के लक्ष्य में लैम्प्स की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड के तहत फसल ऋण के साथ गोपालन,बकरी पालन एवं मछली पालन के लिए ऋण लेकर आय के स्रोत बढ़ाने प्रेरित किया।

नैनो यूरिया,नैनो डीएपी और जैविक उत्पादों के उपयोग की जानकारी

इफ्को के क्षेत्रीय अधिकारी (इफ्को) लाल बहादुर सिंह एवं सहायक क्षेत्रीय सहायक (इफ्को) वैभव पांडे ने नैनो यूरिया, नैनो डीएपी एवं जैविक उत्पादों के उपयोग की विधि बताई। उन्होंने टिकाऊ एवं जैविक खेती के लिए किसानों को मृदा को तैयार करने पर जोर दिया। प्रबंधक (लैम्प्स भानपुरी) प्रफुल्ल पांडे ने किसान क्रेडिट कार्ड से मिलने वाली ऋण सुविधाओं की जानकारी देते हुए किसानों से लैम्प्स का सदस्य बनने का आग्रह किया।

टी.बी. मुक्त भारत अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु बैठक आयोजित

उत्तर बस्तर कांकेर, 10 अगस्त 2026/ राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत जिला कांकेर में टी.बी. मुक्त भारत अभियान को प्रभावी रूप से संचालित करने एवं जिले को टी.बी. मुक्त बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री निलेशकुमार क्षीरसागर महादेव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले में नए चयनित विकासखंड नोडल अधिकारियों को टीबी मुक्त भारत अभियान के उद्देश्यों, विभागीय समन्वय, टीबी मरीजों की पहचान एवं उपचार, जन जागरूकता, निक्षय मित्र, सामुदायिक सहभागिता तथा टीबी मुक्त ग्राम, क्षेत्र की दिशा में किए जाने वाले प्रयासों की जानकारी दी गई। साथ ही जिले में टी.बी. उन्मूलन की दिशा में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई। टी.बी. उन्मूलन के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ ही जिला प्रशासन के विभिन्न विभाग जैसे-पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय निकाय, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा विभाग, आदिवासी विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग सहित विभिन्न विभागों सहभागिता निभाने के लिए कहा गया है।टीबी के संभावित मरीजों की पहचान, जांच एवं उपचार शुरू करने के संबंध में जानकारी देते हुए संबंधित नोडल चिकित्सक द्वारा बताया गया कि लंबे समय से खांसी, बुखार, रात में पसीना आना, वजन कम होना, भूख कम लगना अथवा कमजोरी जैसे लक्षण पाए जाने पर व्यक्ति को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में निःशुल्क जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराया जाएगा।

देशभक्ति के रंग में रंगेगा कांकेर, डीप्टी सीएम अरुण साव होंगे मुख्य अतिथि

■ नरहरदेव विद्यालय से मिनी स्टेडियम तक निकलेगी तिरंगा यात्रा

उत्तर बस्तर कांकेर/ नवप्रदेश। / स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा 11 अगस्त मंगलवार को भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ सुबह 08 बजे शासकीय नरहरदेव उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय कांकेर से होगा और यात्रा न्यू बस स्टैंड स्थित मिनी स्टेडियम में पहुंचकर संपन्न होगी। यात्रा में जिले के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी, शिक्षक, एनसीसी कैडेट, स्काउट-गाइड, रेडक्रॉस, ईको क्लब, पीटीआई शिक्षक, युवा एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में नागरिक शामिल होंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव होंगे मुख्य अतिथि जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस राष्ट्रभक्ति कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री भोजराज नाग करेंगे। विशिष्ट अतिथियों में कांकेर विधायक श्री आशाराम नेताम, भानुप्रतापपुर विधायक श्रीमती सावित्री मंडावी, अंतागढ़ विधायक श्री विक्रम उसेंडी सहित जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

पखांजूर-परलकोट में नकली खाद के कारोबार का आरोप, किसानों ने कार्रवाई की मांग की

■ बिना बिल और निर्धारित दर से दोगुने दाम पर खाद बिक्री का आरोप

पखांजूर/नवप्रदेश। परलकोट क्षेत्र में किसानों को कथित रूप से नकली एवं अमानक रासायनिक खाद बेचने का मामला सामने आया है। किसानों का आरोप है कि क्षेत्र के कुछ खाद विक्रेताओं द्वारा बिना बिल के निर्धारित मूल्य से अधिक दाम पर खाद बेची जा रही है। बिल मांगने पर किसानों को बिल नहीं दिया जाता, जिससे खाद की गुणवत्ता और वास्तविक कीमत को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

नया बाजार स्थित देवनाथ कृषि सेवा केंद्र को लेकर किसान प्रशांत सरदार ने शिकायत की है। उनका आरोप है कि उन्होंने यहां से डीएपी,एनपीके सहित विभिन्न रासायनिक खाद खरीदी, जिसके लिए बाजार मूल्य से करीब

दोगुनी राशि वसूली गई। किसान का कहना है कि खाद की गुणवत्ता भी संतोषजनक नहीं थी और इसके उपयोग के बाद मक्का एवं धान की फसल को नुकसान पहुंचा। इस संबंध में जिला कृषि अधिकारी को शिकायत पत्र भी प्रेषित किया गया है, लेकिन अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया गया है।

किसानों का कहना है कि क्षेत्र में खाद की कालाबाजारी और अमानक खाद की बिक्री की शिकायतें हर वर्ष सामने आती हैं। पूर्व में भी खाद को जंगलों में फेंके जाने तथा अन्य राज्यों के खाद व्यापारियों पर कार्रवाई होने के मामले सामने आ चुके हैं। इसके बावजूद परलकोट क्षेत्र में कथित रूप से यह कारोबार जारी है।

किसानों ने प्रशासन और कृषि विभाग से खाद दुकानों की तत्काल जांच,खाद के नमूने लेकर गुणवत्ता परीक्षण कराने, बिना बिल बिक्री और अधिक कीमत वसूलने की जांच करने तथा दोषी पाए जाने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। किसानों का कहना है कि कृषि केंद्रों की नियमित जांच नहीं होने से विक्रेताओं के हौसले बुलंद हैं और इसका सीधा नुकसान मेहनतकश किसानों को उठाना पड़ रहा है।

बिना बिल खाद बिक्री की शिकायत

बिना बिल खाद बिक्री की शिकायत निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली का आरोप अमानक खाद से फसल प्रभावित होने की शिकायत कृषि अधिकारी को शिकायत किसानों ने जांच और कठोर कार्रवाई की मांग की।

विधायक लखेश्वर बघेल ने कहा- ग्रामसभा की मजबूती से ही आदिवासी अधिकार सुरक्षित

बस्तर में धूमधाम से मना विश्व आदिवासी दिवस

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर ब्लॉक में 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। गांव-गांव से बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा, वाद्य यंत्र, झंडे एवं नारों के साथ शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ गंगा दई आया गुड़ी में सेवा-अर्जी से हुआ। इसके बाद लक्ष्मण मांझी ने ध्वजारोहण किया तथा क्रांतिकारी योद्धा गुंडाधुर, झाड़ा सिराहा एवं संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर के छायाचित्र पर सेवा-अर्जी एवं श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने कहा कि आदिवासी समाज के अधिकारों और स्वशासन की व्यवस्था को मजबूत करने में ग्रामसभा की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। ग्रामसभा में गांवों की सक्रिय उपस्थिति और सहभागिता जरूरी है। उन्होंने समाज को अपनी संस्कृति, परंपरा और अधिकारों के संरक्षण के साथ शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, नशामुक्ति, पलायन, वन अधिकार और सामाजिक एकजुटता जैसे विषयों पर भी वक्ताओं ने विचार रखे।

तिरुमाल झाड़ूराम मंडावी ने आदिवासी संस्कृति एवं पारंपरिक कला के संरक्षण,तिरुमाल देवदास कश्यप ने शिक्षा,स्वास्थ्य, रोजगार एवं राजनीतिक चेतना,तिरुमाल हेमराज बघेल ने नशामुक्ति एवं पलायन तथा तिरुमाल मानसिंग कश्यप ने अधिकारी-कर्मचारियों की सामाजिक जिम्मेदारी पर विचार रखे। तिरुमाल भोला मरकाम,रामाया मौर्य,किरण मौर्य एवं उर्वशी नाग ने भी सामाजिक एवं वन अधिकारों से जुड़े विषयों पर अपनी बात रखी। रैली में 'गुंडाधुर अमर रहें', 'झाड़ा सिराहा अमर रहें', 'बिरसा मुंडा अमर रहें', 'रानी दुर्गावती अमर रहें' और 'सभी मूलनिवासी एक रहें' जैसे नारों से वातावरण गूंज उठा। 'लोकसभा नहीं, विधानसभा नहीं-सबसे ऊंची ग्रामसभा' के नारों के माध्यम से ग्रामसभा के अधिकारों को लेकर भी जनजागरूकता का संदेश दिया गया।

प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान

कार्यक्रम में नीट परीक्षा में सफलता हासिल करने वाली घाटकवाली की छात्रा मोहन बत्ती कश्यप सहित कक्षा 10वीं एवं 12वीं के उत्कृष्ट विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों, बुद्धिजीवियों एवं मार्गदर्शकों का भी पारंपरिक तरीके से सम्मान किया गया।

जल-जंगल-जमीन और संस्कृति की रक्षा का संकल्प

आयोजन में 'हमारा गौरव, हमारी पहचान-हमारी संस्कृति' और 'जल, जंगल,जमीन हमारा अधिकार, हमारा अस्तित्व' का संदेश दिया गया। समाजजनों ने शिक्षा को परिवर्तन का माध्यम बताते हुए आदिवासी संस्कृति,अस्मिता, परंपरागत अधिकारों एवं सामाजिक एकता की रक्षा का संकल्प लिया।

मलेरिया नियंत्रण हेतु सघन जांच अभियान चलाएं: कलेक्टर क्षीरसागर ने दिए निर्देश

■ पुल-पुलियों से ऊपर जल स्तर बढ़ने पर आवाजाही बंद हो

■ समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

उत्तर बस्तर कांकेर / कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने सोमवार को आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करते हुए जिले में मलेरिया के रोकथाम के लिए संवेदनशील एवं अंदरूनी क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। बारिश के दिनों में नदी-नालों में बने पुल-पुलियों के ऊपर जल स्तर बढ़ने पर आम लोगों की आवाजाही पर रोक लगाने के लिए राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। कलेक्टर द्वारा मुख्यमंत्री जनदर्शन पोर्टल, सीएम हेल्पलाइन, कलेक्टर जनदर्शन तथा सुशासन तिहार एवं बस्तर मुन्ने अभियान के दौरान प्राप्त आवेदनों को शीघ्र निराकृत करने के लिए कहा गया है। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री हरेश मंडावी, अपर कलेक्टर श्री जितेन्द्र कुर्रे एवं ए.एस. पैकरा, सभी एसडीएम, विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी और जनपद एवं नगरीय निकायों के अधिकारी मौजूद थे। समय-सीमा बैठक में कलेक्टर श्री क्षीरसागर ने अंदरूनी क्षेत्रों में भवन विहीन प्राथमिक शाला के लिए भवनों के निर्माण, आंगनबाड़ी, गोदाम सह उचित मूल्य दुकान इत्यादि निर्माण कार्यों के लिए वीबी जी-रामजी योजना अंतर्गत प्रस्ताव भेजने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत सीसी रोड, धरसा रोड निर्माण के लिए पात्रतानुसार कार्य स्वीकृत किए जा सकते हैं। निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवनों एवं प्रधानमंत्री आवास का निर्माण समय-सीमा में पूरा कराने के लिए अधिकारियों से कहा गया है। आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, आयुष्मान वय वंदन कार्ड की समीक्षा भी उनके द्वारा की गई, साथ ही शासकीय प्रयोजन के लिए भू-अधिग्रहण के प्रकरणों को समय-सीमा के भीतर पूरा कराने के लिए सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को निर्देशित किया गया। इसी तरह ज्ञान भारतम पांडुलिपि, निष्क्रिय एवं डीफ बैंक एकाउंट, खनिज न्यास निधि के तहत निर्माण कार्यों, नेल्लानार पंचायतों में विकास कार्य, विशेष केंद्रीय सहायता मद के तहत स्वीकृत कार्य, ग्राम स्वराज अभियान सहित एग्रीस्टैक पंजीयन के प्रकरणों में तेजी लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

मुक्तिधाम नहीं होने से तिरपाल के नीचे अंतिम संस्कार को मजबूर लोग

जनकपुर/एमसीबी/नवप्रदेश। नगर पंचायत जनकपुर में अब तक एक अदद व्यवस्थित मुक्तिधाम तक नहीं बन पाया है, जिसका सबसे ज्यादा संताप क्षेत्रवासियों को बरसात के दिनों में उठाना पड़ता है।

हालात इतने बदतर हैं कि बारिश के बीच अंतिम संस्कार जैसे संवेदनशील कार्य भी अत्यधिक संघर्ष के साथ पूरे करने होते हैं। गमगीन परिजनों और अंतिम यात्रा में पहुंचे लोगों को पानी से बचने के वास्ते घर से तिरपाल मंगवाकर काम चलाना पड़ता है। न बैठने की कोई छत है और न ही विश्राम कक्ष, जिसके चलते लोगों को खुले आसमान के नीचे बारिश में भीगते हुए रस्में निभानी पड़ती हैं। करीब तीन साल पहले लाखों रुपये खर्च कर बनाई गई पहुंच मार्ग घटिया सामग्री के इस्तेमाल के कारण चंद दिनों में ही ध्वस्त हो गई। वर्तमान में सड़क की हालत इतनी दयनीय है कि वर्षाकाल में शव वाहन का वहां तक पहुंचना भी टेढ़ी खीर साबित होता है। क्षेत्रवासियों का सीधा आरोप है कि यह निर्माण कार्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया, मगर आज दिनांक तक किसी भी दोषी अफसर या ठेकेदार पर कोई आंच नहीं आई। इस गंभीर मुद्दे पर मुखर होते हुए भाजपा जिला मीडिया प्रभारी रामचरित द्विवेदी ने जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट किया है। उन्होंने दो टूक कहा कि मानवीय गरिमा के साथ अंतिम संस्कार की व्यवस्था सुनिश्चित करना शासन-प्रशासन का दायित्व है, जिससे जनकपुर की जनता बरसों से महरूम है। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी देते हुए जनकपुर में अविलंब सर्वसुविधायुक्त मुक्तिधाम बनाने, जर्जर सड़क का उच्चस्तरीय पुनर्निर्माण करने, शेड, पेयजल, प्रकाश तथा अन्य बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने की पुरजोर मांग की है। साथ ही, सड़क निर्माण में हुए भ्रष्टाचार की उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों पर सख्त कार्रवाई तय करने की बात भी उठाई है।

न्यूज गैलरी

सावन उत्सव में भजनों पर झूमीं महिलाएं हरे परिधानों में सजी दिखी मातृशक्ति

रतनपुर/नवप्रदेश। सावन मास पर नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक-4 स्थित ओम परिसर में स्मरण महिला स्व सहायता समूह की ओर से भव्य सावन उत्सव का आयोजन किया गया। उत्सव में नगरपालिका क्षेत्र के विभिन्न वार्डों से बड़ी संख्या में महिलाएं हरे परिधानों में सज-संवरकर शामिल हुईं। भजन-कीर्तन, गीत और विभिन्न प्रतियोगिताओं के बीच महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सावन उत्सव मनाया। कार्यक्रम के दौरान मीरा शर्मा, तुलसी सोनी, वर्षा श्रीवास्तव, पुष्प ठाकुर और सुनीता सोनी सहित महिलाओं ने भगवान शिव को समर्पित गीत एवं भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों पर महिलाएं नाचते-झूमते नजर आईं। एक-दूसरे को सावन मास की शुभकामनाएं देते हुए महिलाओं ने उत्सव का आनंद लिया। आयोजन समिति स्मरण महिला स्व सहायता समूह एवं श्रीजी समूह की महिलाओं ने कार्यक्रम में शामिल महिलाओं का हल्दी-कुमकुम का तिलक लगाकर स्वागत किया। साथ ही हरी चूड़ियां और श्रृंगार सामग्री भेंट की गई। इससे कार्यक्रम में सावन की पारंपरिक छटा नजर आई। स्मरण महिला स्व सहायता समूह की अध्यक्ष शिवानी सोनी ने बताया कि समूह द्वारा पिछले छह वर्षों से लगातार सावन उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष गायत्री साहू, राजकुमारी बिसेन, सावित्री रात्रे, स्वीटी शर्मा, रेहाना, सविता धीवर, उषा चौहान, पुष्पा तिवारी, प्रभा, प्रमिला, पार्षद अर्चना सोनी, खुशबू सोनी, रानी सोनी, चंचल सोनी, निम्मी सोनी, वहीदा बेगम, रितिका सोनी, विद्या राजपूत, भुनेश्वरी यादव, सीमा सोनी, ईशा, रानी नामदेव, रेखा ठाकुर, अंजनी यादव, उषा यादव सहित स्मरण महिला स्व सहायता समूह एवं भाजपा महिला मोर्चा की सदस्य उपस्थित रहीं।

पर्यटन मंत्री ने शैक्षणिक सामग्री दान किए

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। लखनपुर में जरूरतमंद एवं वंचित बच्चों को शिक्षा से जोड़ने तथा उनकी पढ़ाई में सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से मिशन एजुकेशन द्वारा संचालित स्टेशनरी दान अभियान में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने सहभागिता की। उन्होंने जरूरतमंद बच्चों के लिए आवश्यक शैक्षणिक सामग्री का दान कर इस सराहनीय पहल को अपना समर्थन दिया। मिशन एजुकेशन द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद बच्चों तक पढ़ाई में उपयोग होने वाली आवश्यक सामग्री पहुंचाई जा रही है। अभियान के तहत कॉपियां, पेन, पेंसिल, रबर, ज्यामिति बॉक्स सहित अन्य शैक्षणिक सामग्री बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि संसाधनों के अभाव में उनकी पढ़ाई प्रभावित न हो। मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का अधिकार है। किसी बच्चे की पढ़ाई में किया गया सहयोग केवल एक वस्तु का दान नहीं, बल्कि उसके बेहतर भविष्य की दिशा में बढ़ाया गया महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में अपनी क्षमता के अनुसार योगदान देना चाहिए। छोटे-छोटे प्रयास मिलकर किसी बच्चे के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकते हैं।उन्होंने कहा कि आर्थिक परिस्थितियां किसी बच्चे के सपनों के रास्ते में बाधा नहीं बननी चाहिए। बच्चों को बेहतर शिक्षा और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने से उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ते हैं। अग्रवाल ने मिशन एजुकेशन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जरूरतमंद बच्चों तक शैक्षणिक सामग्री पहुंचाने का यह प्रयास समाज में सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को मजबूत करता है।

ठेका कंपनी की रिपेयरिंग के बाद भी उखड़ी सड़क, भारी वाहनों की आवाजाही से बढ़ी परेशानी

एनएच-43 बदरा-जमुना मार्ग बना तालाब स्कूली बच्चों से लेकर राहगीर तक बेहाल

बदरा/जमुना/नवप्रदेश। अनूपपुर जिले के बदरा से जमुना को जोड़ने वाला एनएच-43 मार्ग इन दिनों बदहाल स्थिति में पहुंच गया है। बारिश के बाद सड़क पर जगह-जगह गड्ढों में पानी भर जाने से पूरा मार्ग तालाब में तब्दील नजर आ रहा है। इस मार्ग से रोजाना स्कूल जाने वाले बच्चों, ग्रामीणों, महिलाओं, बुजुर्गों और आम राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हिंदुस्तान पावर द्वारा सड़क की रिपेयरिंग कराए जाने के बाद भी कुछ ही समय में सड़क दोबारा उखड़ने लगी। मार्ग पर सुबह से देर शाम तक बड़ी संख्या में भारी वाहन, विशेषकर 14 चक्का हाईवा गुजरते हैं। भारी वाहनों की लगातार आवाजाही और बारिश के कारण सड़क की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। स्थानीय रहवासियों के अनुसार सड़क की बदहाल स्थिति का असर आसपास के घरों पर भी पड़ रहा है। सड़क के किनारे बने गड्ढों और टूटे हिस्सों के कारण बारिश का पानी बहकर आसपास के घरों और बस्तियों में पहुंच रहा है। इससे लोगों को जलभराव की समस्या से भी जूझना पड़ रहा है।

जिम्मेदारों से सवाल- आखिर कब सुधरेगी सड़क?

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित विभाग द्वारा अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया। बारिश के मौसम में स्थिति और गंभीर हो जाती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि बदरा-जमुना मार्ग का तत्काल निरीक्षण कर सड़क की स्थायी मरम्मत कराई जाए, जल निकासी की उचित व्यवस्था की जाए तथा भारी वाहनों की आवाजाही से सड़क को हो रहे नुकसान का भी स्थायी समाधान निकाला जाए। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि स्कूली बच्चों, मजदूरों, किसानों और हजारों आम नागरिकों की रोजमर्रा की जरूरत है। यदि समय रहते सड़क की हालत नहीं सुधारी गई तो आने वाले दिनों में परेशानी और बढ़ सकती है।

रास्ता पहचानना भी मुश्किल

सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि कई स्थानों पर गहरे गड्ढों में पानी भर जाने से यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि सड़क कहां है और गड्ढा कहां। स्थानीय लोगों का कहना है कि जानवर भी इन रास्तों से गुजरने से पहले रुकने को मजबूर हो जाते हैं, ऐसे में छोटे बच्चों और दोपहिया वाहन चालकों की परेशानी का अंदाजा लगाया जा सकता है। स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। बारिश के दौरान सड़क पर जमा पानी और कीचड़ के बीच बच्चों को स्कूल पहुंचना पड़ता है।

मतरिंगा में मलेरिया से पीड़ित तीन मरीज मिले

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। कलेक्टर अजीत वसंत ने को विकासखण्ड उदयपुर का दौरा किया। उन्होंने मलेरिया प्रभावित क्षेत्र मतरिंगा पहुंचकर मौके पर स्थिति का जायजा लिया। क्षेत्र में जांच के दौरान वर्तमान में मलेरिया के तीन मरीज सामने आए हैं, जिनका उपचार जारी है। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं मैदानी अमले को प्रभावित क्षेत्र में सघन सर्वे करने के निर्देश दिए। उन्होंने घर-घर जाकर लोगों की स्वास्थ्य जांच करने, संदिग्ध मरीजों के तत्काल सैंपल लेने तथा पॉजिटिव पाए जाने पर समय पर उपचार सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने कहा कि इस हेतु मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, रोजगार सहायक, सचिव सभी को निर्देशित करें। स्वास्थ्य कर्मियों की ड्यूटी लगाएं, प्रत्येक परिवार की जांच हो। उन्होंने मलेरिया की रोकथाम के लिए आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई, जलभराव वाले स्थानों की पहचान और मच्छरों के नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाने कहा। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की टीमों को लगातार निगरानी बनाए रखने और लोगों को मलेरिया से बचाव के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी परिवारों को मच्छरदानी प्रदान करने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मतरिंगा ग्राम में राशन वितरण, सोलर लाइट, विद्युत, पुलिया सहित अन्य समस्या संज्ञान में आने पर कलेक्टर ने सम्बंधित विभागों को तत्काल आवश्यक कार्यवाही कर निराकरण के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री वसंत ने निरीक्षण के दौरान पहाड़ी कोरवा आश्रम मरेया का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने आश्रम परिसर, शयनकक्ष, रसोई, स्टोर, शौचालय आदि का जायजा लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

भगवान बिरसा मुंडा के संदेशों को किया याद

लखनपुर/नवप्रदेश। सरगुजा अंचल में विश्व आदिवासी दिवस का पावन पर्व अपार उत्साह, सांस्कृतिक उमंग और ऐतिहासिक गरिमा के साथ मनाया गया, जिसकी भव्य गूंज लखनपुर क्षेत्र से लेकर पड़ोस के उदयपुर क्षेत्र तक चारों ओर सुनाई दी।

क्षेत्र के लखनपुर स्थित हाई स्कूल मैदान तथा सामुदायिक भवन सहित अंचल के दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों में भी इस विशेष अवसर पर जनसैलाब उमड़ पड़ा, जहां सर्व आदिवासी समाज और स्थानीय नागरिकों ने एकजुट होकर विश्व आदिवासी दिवस को बड़े ही धूमधाम और गरिमापूर्ण माहौल में आयोजित किया तथा महान जननायक धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों व संघर्षों को श्रद्धापूर्वक याद किया। कार्यक्रम की शुरुआत में सर्वप्रथम आदिवासी समाज के वरिष्ठ जन लखनपुर के हाई स्कूल मैदान से अंबेडकर चौक (भरतपुर रोड) पहुंचे, जहां उन्होंने संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर श्रद्धापूर्वक माल्यार्पण किया। इसके पश्चात वरिष्ठ जन पुनः वापस लौटकर हाई स्कूल मैदान पहुंचे, जहां से उन्होंने वहां मौजूद अपार जन समुदाय और आदिवासी समाज के लोगों के साथ मिलकर एक विशाल रैली का शुभारंभ किया, जिसने पूरे नगर का भ्रमण कर अपनी सांस्कृतिक छटा बिखेरी। नगर भ्रमण के बाद यह रैली पुनः हाई स्कूल मैदान पहुंची, जहां मुख्य कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ।

नवजात शिशु कक्ष की छत का प्लास्टर गिरा, बड़ा हादसा टला

लखनपुर/नवप्रदेश। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लखनपुर में अस्पताल भवन की जर्जर स्थिति एक बार फिर सामने आई है। नवजात शिशु देखभाल इकाई (एनबीएसयू) कक्ष की फॉल सीलिंग का एक हिस्सा अचानक भरभराकर नीचे गिर गया। घटना के दौरान गनीमत रही कि कमरे में कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली और भवन की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।जानकारी के अनुसार रविवार को आपातकालीन ड्यूटी के लिए चिकित्सक अस्पताल पहुंचे थे। करीब साढ़े नौ बजे एनबीएसयू कक्ष की फॉल सीलिंग गिरने की घटना सामने आई। तत्काल इसकी जानकारी खंड चिकित्सा अधिकारी को दी गई। बताया जा रहा है कि एनबीएसयू कक्ष के इस कमरे का इस्तेमाल आपातकालीन ड्यूटी के दौरान चिकित्सकों के रुकने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में भी किया जाता था। ऐसे में कमरे की छत का अचानक गिरना अस्पताल में तैनात चिकित्सकों एवं कर्मचारियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोगों के मुताबिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लखनपुर के प्रसव कक्ष का एक हिस्सा पूर्व में ही क्षतिग्रस्त हो चुका है। अब एनबीएसयू कक्ष की फॉल सीलिंग गिरने की घटना ने अस्पताल भवन की स्थिति को लेकर चिंता और बढ़ा दी है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते भवन के जर्जर हिस्सों की मरम्मत नहीं कराई गई तो भविष्य में किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता।

लंबित राजस्व प्रकरणों का तेजी से निराकरण करें- कलेक्टर

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। कलेक्टर ने सोमवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में विभागों के लंबित प्रकरणों एवं शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने तथा आमजन से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने राजस्व, शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, नगरीय निकाय, जल संसाधन, लोक निर्माण एवं अन्य विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर वसंत ने तहसीलदारों को निर्देशित करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र में ऐसे बच्चे जिनका जन्म प्रमाणपत्र नहीं बना है, उनका चिन्हांकन कर प्रमाणपत्र बनवाने की कार्यवाही करें।

पतंजलि कायाकल्प योग शिविर में 22 यूनिट रक्तदान

रामानुजगंज/नवप्रदेश। पतंजलि कायाकल्प योग कक्षा, अशोक नगरङ्घ द्वारा संचालित रामानुजगंज योग कक्षाङ्घ के तत्वावधान में रविवार को शासकीय हॉस्पिटल रामानुजगंज में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में योग साधकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और लगभग 22 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया।

शिविर में मुख्य रूप से रविशंकर, राजकुमार गुप्ता, ओमप्रकाश, विवेक कुमार, विजय कुमार, अनूप सिंह, राज प्रकाश गुप्ता, अरविंद दुबे, बृजेश केसरी, सुमित गुप्ता, अमित गुप्ता, ममता ठाकुर, सेमी गुप्ता, संतोष गुप्ता, सोनिया ओयमा, अमित कुमार कश्यप, अंकित एकका, शाही परवीन, ज्ञानेंद्र बाजपेई एवं आरती वाजपेई ने रक्तदान किया।

प्रारूप-एक
(नियम 11 देखिये)
कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग बिलासपुर
अधिसूचना
भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर तथा पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा-4 सहपठित नियम 7 के अन्तर्गत

भू-अर्जन प्र.क्र./15/अ-82/2022-23 514 दिनांक 30/7/2026

नीचे अनुसूची मे उल्लिखित भूमि का अर्जन लोक प्रयोजन हेतु राज्य सरकार द्वारा आशयित है, अर्थात-

जिला	तहसील	ग्राम/नगर	क्षेत्रफल	लोक प्रयोजन का विवरण
1	2	3	4	5
बिलासपुर	कोटा	बांसाझाल	1.367 हेक्टेयर	बांसाझाल तेन्दूवा जलाशय स्पील चैनल पहुंच मार्ग

उपरोक्त उल्लिखित भूमि के अर्जन हेतु सामाजिक समाघात निर्धारण के अध्ययन के लिए जन सुनवाई (दिनांक) 03/09/26 को (समय) 11.00 बजे (स्थान ग्राम पंचायत भवन बांसाझाल) पर नियत की गई है।
- प्रस्तावित भूमि अर्जन का अन्य विवरण निम्नानुसार-

(एक)	लोक प्रयोजन का संक्षिप्त विवरण।	बांसाझाल तेन्दूवा जलाशय स्पील चैनल पहुंच मार्ग
(दो)	प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या	-
(तीन)	अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या	-
(चार)	प्रभावित क्षेत्र में निजी मकानो तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या	निरंक
(पांच)	प्रभावित क्षेत्र में शासकीय मकान तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या	निरंक
(छै)	क्या प्रस्तावित अर्जन न्यूनतम हैं।	हां
(सात)	क्या सम्भव विकल्पों और इसकी साध्यता पर विचार कर लिया गया है।	बांसाझाल तेन्दूवा जलाशय स्पील चैनल पहुंच मार्ग
(आठ)	परियोजना का कुल लागत ।	867.14 लाख
(नौ)	परियोजना से होने वाला लाभ।	खरीफ सिंचाई सुविधा का विस्तार
(दस)	प्रस्तावित सामाजिक समाघात की प्रतिपूर्ति के लिए उपाय तथा उस पर होने वाला सम्भावित व्यय ।	भूमि अर्जन पुनर्वासन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा-4 के तहत समाजिक समाघात निर्धारण हेतु दल का गठन कर प्रस्तावित भूमि का सामाजिक समाघात निर्धारणअध्ययन कराया गया, जिसमें किसी व्यक्ति/कुटुम्बों का विस्थापन नही हो रहा है।
(ग्यारह)	परियोजना द्वारा प्रभावित होने वाले अन्य घटक	निरंक

उपरोक्त भूमि अर्जन के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था या अन्य किसी व्यक्ति को कोई जानकारी / सुझाव देना हो तो निहित तिथि/समय एवं स्थान पर दी जा सकेगी।

अनुविभागीय अधिकारी
एवं भू-अर्जन अधिकारी
कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

जी-262702667/2

(संजय अग्रवाल)
कलेक्टर
जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

स्वास्थ्य

एनीमिया और हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित गर्भवतियों की हुई जांच, मिला उपचार

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 255 गर्भवती महिलाओं का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

अनूपपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर रत्नाकर झा एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी के मार्गदर्शन में जिले में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने तथा गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान अंतर्गत विशेषज्ञता शिविर का आयोजन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेनीबारी, पुष्पराजगढ़ में किया गया।

शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अलका तिवारी सहित जिला स्तरीय स्वास्थ्य टीम द्वारा गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक उपचार किया गया। शिविर में कुल 255 गर्भवती महिलाओं का पंजीयन कर स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। परीक्षण के दौरान मॉडरेट एनीमिया से पीड़ित 81, सीवियर एनीमिया से पीड़ित 3, प्रेगनेंसी इंड्यूस्ड हाइपरटेंशन से पीड़ित 3, प्री-एलएससीएस की 3, शॉर्ट हाइट की 7 तथा अन्य कारणों से 6 गर्भवती महिलाओं को हाई रिस्क के रूप में चिन्हांकित किया गया। चिन्हांकित महिलाओं को आवश्यक परामर्श एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। 110 महिलाओं को इंजेक्शन तथा 49 महिलाओं को इंजेक्शन आयरन सुक्रोज दिया गया। इसके साथ ही आवश्यकतानुसार अन्य दवाइयां भी उपलब्ध कराई गईं। शिविर में अगस्त एवं सितंबर माह में प्रसव की संभावित तिथि वाली गर्भवती महिलाओं का भी विशेष परीक्षण किया गया।

सभी हितग्राहियों को गर्भावस्था के दौरान आवश्यक सावधानियों, स्वास्थ्य देखभाल तथा गंभीर खतरे के संकेतों की जानकारी दी गई। गंभीर लक्षण अथवा जटिलता की स्थिति में प्रसव की संभावित तिथि से 7 दिन पूर्व जिला चिकित्सालय स्थित बर्थ वेटिंग होम में भर्ती होने की सलाह दी गई, ताकि गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं का समय पर बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करते हुए मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सके।

110 महिलाओं को लगा इंजेक्शन

शिविर में 110 महिलाओं को इंजेक्शन तथा 49 महिलाओं को आयरन सुक्रोज दिया गया। गर्भवतियों को गंभीर खतरे के संकेतों और प्रसव पूर्व सावधानियों की जानकारी दी गई। अगस्त-सितंबर में संभावित प्रसव वाली महिलाओं को जटिलता की स्थिति में प्रसव से 7 दिन पहले जिला चिकित्सालय के बर्थ वेटिंग होम में भर्ती होने की सलाह दी गई।

जनजातीय संस्कृति और परंपराओं से रूबरू हुए विद्यार्थी, लोकनृत्यों ने बांधा समां

मुंगेली/नवप्रदेश। पीएम एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, बंधवा में जनजातीय संस्कृति, परंपरा और गौरव के प्रतीक विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। इस विशेष आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उनकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना और जनजातीय नायकों के योगदान के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य जितेन्द्र सिंह तंवर तथा अभिभावक-शिक्षक संघ के सदस्य जीवन लाल मरावी द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनका केंद्र बिंदु जनजातीय समुदाय से जुड़ी प्राचीन लोककथाएँ और पारंपरिक लोकनृत्य रहे। विद्यार्थियों ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुतियों से भारत के विभिन्न राज्यों में निवास करने वाली जनजातियों की जीवनशैली, रहन-सहन और उनकी कला को मंच पर जीवंत कर दिया। देश के अलग-अलग कोनों की संस्कृति को दर्शाने वाले इन लोकनृत्यों ने उपस्थित सभी दर्शकों और शिक्षकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट और सराहनीय प्रदर्शन करने वाले सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया, जिससे उनका उत्साहवर्धन हुआ।

लैलूंगा में मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

लैलूंगा/नवप्रदेश। विश्व आदिवासी दिवस पर लैलूंगा में सर्व आदिवासी समाज द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक पूजा-अर्चना के साथ हुई।

इसके बाद शनिवार बाजार से अटल चौक होते हुए रैली इंद्रप्रस्थ मिनी स्टेडियम स्थित कार्यक्रम स्थल पहुंची।कार्यक्रम स्थल पर आदिवासी समाज के पुरखों को सेवा-अर्जी अर्पित कर मुख्य अतिथियों एवं समाज के पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। इसके बाद विभिन्न जनजातीय आदिवासी समाज के युवाओं, मातृशक्ति, पितृशक्ति एवं युवती शक्ति द्वारा पारंपरिक वेशभूषा में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सर्व आदिवासी समाज के ब्लॉक अध्यक्ष अनंत राम पैकरा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रकृति शक्ति और पुरखा शक्ति के आशीर्वाद से आज का भव्य कार्यक्रम सफल हुआ है। उन्होंने सभी अतिथियों एवं समाजजनों का स्वागत, अभिनंदन एवं वंदन करते हुए विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं दीं।

न्यूज गैलरी

राज्यसभा में सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने उठाए छत्तीसगढ़ के किसानों के मुद्दे

रायगढ़/नवप्रदेश। राज्यसभा में सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने छत्तीसगढ़ के किसानों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को सदन में उठाते हुए केंद्र सरकार से कृषि योजनाओं के तहत मिल रही वित्तीय सहायता, फसल बीमा और बीमा दावों के निपटारे की जानकारी मांगी। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में छत्तीसगढ़ के किसानों को पीएम-किसान सम्मान निधि के तहत 4,926.27 करोड़ की सहायता जारी की गई है। वहीं, पीएम फसल बीमा योजना एवं मौसम आधारित फसल बीमा योजना के तहत अब तक 517.97 लाख आवेदन दर्ज हुए हैं और 117 लाख किसानों को ?7,883.42 करोड़ के दावों का भुगतान किया गया है। सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने और प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा देने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के किसानों को केंद्र की योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने के लिए वे सदन में किसानों से जुड़े मुद्दे लगातार उठाते रहेंगे।

नीम, कदम, बादाम और आम के पौधों का किया रोपण

मुंगेली/नवप्रदेश। घठोल देवता समिति भटगांव के द्वारा वृक्षारोपण के सातवें वर्ष भटगांव के नहर मार्ग पर पौधा लगाकर वृक्षारोपण किया गया। भटगांव के नहर मार्ग पर नीम, कदम, बादाम, आम के 25 पौधा लगाया गया। इसके साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड भी लगाया गया। समिति के अध्यक्ष विकास पाण्डेय ने बताया कि लगातार पिछले 6 वर्षो से गांव मे पौधारोपण का कार्य किया जा रहा है, ताकि गांव मे हरियाली बनी रहे। सरपंच चोवाराम ओगरे पौधरोपण करते हुए कहा कि वृक्षारोपण से गांव मे हरियाली के साथ गांव का जलस्तर भी कम नहीं होता। वृक्षारोपण के अवसर पर वैभव पाण्डेय, दिनेश शर्मा, मोहित तिवारी, गोविन्द ओगरे, भीखम साहू, ओम प्रकाश साहू, राकेश दुबे, भरत साहू सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ शिव महापुराण कथा

मुंगेली/नवप्रदेश। नगर में भव्य शिव महापुराण कथा एवं भव्य कलश यात्रा का आयोजन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। शंकर सेवा समिति 5वाँ वर्ष के तत्वावधान में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन शंकर मंदिर परिसर में किया गया। इस भव्य आयोजन में कार्यक्रम का आयोजन दोपहर 1 बजे से शिव इच्छा तक कथा का प्रवाह अनवरत चल रहा है। इस आध्यात्मिक अनुष्ठान में प्रसिद्ध कथा वाचक सोमेश शुक्ला महाराज, मलपुरी (कला) दुर्ग ने अपने ओजस्वी वचनों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर रहे है। कार्यक्रम के दौरान भारी संख्या में धर्मप्रेमी बंधुओं और माता-बहनों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे है, और धर्म लाभ उठा रहे है। आयोजकों द्वारा समस्त क्षेत्रवासियों से इस पावन अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालुओं ने पूर्ण भक्ति भाव के साथ सफल बना रहे है।

हर साल जलभराव की समस्या, फिर भी नहीं चेता विभाग

नहर की सफाई नहीं होने से सड़क पर बहा पानी

मुंगेली/नवप्रदेश। नहरों की साफ-सफाई नही होने के चलते नहर का पानी सड़क पर आ गया। जिससे आने-जाने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नागरिकों ने पानी निकासी की व्यवस्था करने की मांग की है।

पिछले दो दिनों से हो रहे बारिश के चलते दाऊपारा से रामगढ़ जाने वाली नहर पाटो-पाट चल रही है। नहर में घास-फूस की सफाई नही होने के चलते नहर का पानी नेशनल हाईवे की सड़क पर बह रहा है। सड़क पर पानी भरे होने के चलते आने-जाने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नहर एवं बारिश का पानी सोनकर सिटी की गलियों एवं घरों में पानी घुस गया, जिससे वहां के निवासी परेशान होते रहे। उल्लेखनीय है कि बीते वर्ष नहर का पानी सड़क पर आने से निर्मित हुई जलभराव की गंभीर समस्या से कोई सबक नहीं लिया गया, जिससे कई दिनों तक आवागमन बाधित रहा। इसके बावजूद इस वर्ष मानसून जल प्रवाह से पहले समय रहते कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं की गई। हर साल एक जैसी स्थिति निर्मित होने से विभागीय तैयारियों और दावों की कलई खुल गई है।

जिसका खामियाजा आज फिर मुंगेली के नगरवासियों और राहगीरों को भुगतना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि जल निकासी मार्ग को दुरुस्त रखा जाता और नालियों की समय पर सफाई व निरीक्षण किया जाता, तो सड़क पर जलभराव की इस समस्या को काफी हद तक रोका जा सकता था। लेकिन विभागीय उदासीनता के कारण हर बार आम जनता को ही परेशानी झेलनी पड़ती है। मुख्य मार्ग पर लगातार पानी भरने से सड़क खराब हो रही है और दुर्घटनाओं का अंदेशा बना हुआ है।

चार साल बाद भी अधूरी नाली, जलभराव से ग्रामीण परेशान

ग्राम सेतगंगा में भानू देवांगन फोटो कापी सेंटर से टेसूआ नाला तक लगभग 140 मीटर नाली निर्माण कार्य को अधूरा छोड़े जाने के कारण तालाब में गंदा पानी भर रहा है। स्थिति बिगड़ने से आस-पास के घरो में गंदा पानी घुसने की समस्या सामने आ रही है। इससे स्थानीय लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विगत 4-5 वर्ष पूर्व ठेकेदार के द्वारा पोंड़ी से चातरखार राष्ट्रीय मार्ग 130 (43 किमी.) सड़क निर्माण के साथ-साथ जहां की आबादी घना है वहां नाली निर्माण कार्य भी कराया गया है। स्थानीय रहवासियों रिटायर्ड सेना मथुरा सोनी, राजेश श्रीवास का कहना है कि नाली निर्माण को पूरा कराने और जल भराव की समस्या दूर करने के लिए एनएच सड़क मार्ग के ठेकेदार सहित संबंधित अधिकारियों को कई बार मौखिक एवं लिखित शिकायत की जा चुकी है लेकिन समस्या का

समाधान आज पर्यन्त नही हुआ है। लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी से शिकायतो के बावजूद मामला को गंभीरता से नही ले रहे है। 8 अगस्त को हुई झमाझम बारिश से स्थिति और भयावह हो गयी है। मथुरा सोनी और राजेश श्रीवास के घर में गंदा पानी घरों में जमा होने से दुर्गन्ध और बीमारी फैलने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि अधुरी नाली का निर्माण जल्द पूरी कराया जायें। तालाब और घरों में गंदा पानी की निकासी का उचित व्यवस्था की जायें। स्थानीय लोगो का कहना है कि 8-10 रोज पहले की गई शिकायत पर एन.एच. सडक निर्माण के संबंधित अधिकारी मुंगेली, स्थानीय जनप्रतिनिधी सेतगंगा सहित ग्रामीणो ने स्थल की मुआयना किये थे। उपरांत आज तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नही की गई है।

कभी भी खोला जा सकता है मिनीमाता बांगो जलाशय का गेट, अलर्ट जारी

सक्ती/नवप्रदेश। मिनीमाता बांगो जलाशय में बारिश के साथ ही जलभराव में वृद्धि हुई है। बांगो जलाशय के कार्यपालन अभियंता एस.के.भारती से प्राप्त जानकारी के अनुसार विगत दिवस तक की स्थिति में बांगो जलाशय में जलभराव 89.55 प्रतिशत है। जलाशय में पानी की आवक बढ़ने पर कभी भी मिनीमाता जलाशय का गेट खोलकर पानी बहाया जा सकता है। वर्षाकाल 2026 के दौरान आवश्यकता होने पर मिनी माता बांगो बांध माचाडोली से हसदेव नदी में पानी प्रवाहित किया जायेगा। कार्यपालन अभियंता मिनीमाता हसदेव बांगो बांध संभाग क्रमांक 03 माचाडोली एस.के.भारती ने सर्व साधारण एवं कार्य संबंधितों को सूचित किया है कि मिनीमाता बांगो जलाशय में बारिश के साथ ही जलभराव में वृद्धि हुई है। विगत दिवस तक की स्थिति में बांगो जलाशय में जल भराव मीटर 89.55 प्रतिशत है।उक्त बांध से नीचे, हसदेव नदी के किनारे, बाढ़ क्षेत्र में स्थापित चल-अचल सम्पत्ति सुरक्षित स्थानों पर ले जायें। बाढ़ क्षेत्र में स्थापित खनिज खदान ठेकेदार, औद्योगिक इकाईयां, संस्थानों आदि को भी सूचित किया गया है कि वे अपनी परिसम्पत्तियों को बाढ़ क्षेत्र से बाहर कर लेवें। कार्यपालन अभियंता मिनीमाता बांगो बांध ने कहा है कि अकस्मात बाढ़ से होने वाली किसी भी प्रकार की क्षति के लिए जल संसाधन विभाग उत्तरदायी नहीं होगा।

'नशामुक्त युवा-विकसित भारत' अभियान पर कार्यशाला

मनेन्द्रगढ़/नवप्रदेश। भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय रायपुर द्वारा होटल हसदेव इन, मनेन्द्रगढ़ में 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान' के अंतर्गत एक विशेष वार्तालाप कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखना, समाज में जनभागीदारी बढ़ाना और मीडिया के सहयोग से नशामुक्ति के संदेश को अंतिम छोर तक पहुंचाना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी संतन देवी जांगड़े, भोपाल के निदेशक मनीष गौतम, रायपुर के उपनिदेशक रमेश जयभाये, छत्तीसगढ़ बंधु पत्रिका के संपादक मधुकर द्विवेदी, 'माय भारत' जिला समन्वयक चहल कैलाशिया सहित जिले के कई गणमान्य पत्रकार और युवा उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भोपाल के निदेशक मनीष गौतम ने कहा कि 'नशा छोड़ो, भारत जोड़ो' अभियान को अब व्यापक स्तर पर जन आंदोलन बनाया जाएगा। उन्होंने युवाओं के लिए मिडिया और सोशल मीडिया पर सकारात्मक संदेश प्रसारित करने की अपील की। कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने कहा कि नशे की समस्या के मूल कारणों जैसे तनाव, अकेलापन और पारिवारिक दबाव को समझकर युवाओं का मार्गदर्शन करना आवश्यक है।

24 टन कबाड़ से लदा ट्रक जब्त

रायगढ़/नवप्रदेश। एसएसपी शशि मोहन सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत पूंजीपथरा पुलिस ने अवैध कबाड़ परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 24 टन स्क्रैप से लदे 14 चक्का ट्रक को जब्त किया है। पुलिस ने ट्रक से करीब 7.55 लाख कीमत का टिन और लोहे का कबाड़ तथा 10 लाख कीमत का ट्रक, कुल 17.55 लाख की संपत्ति जब्त की।

सोमवार को जिलेभर में शिव आराधना का पर्व मनाया गया

मुंगेली/नवप्रदेश।-पवित्र श्रावण मास के दूसरे सोमवार पर जिलेभर में शिव आराधना का पर्व अत्यंत हर्षोल्लास, श्रद्धा और भक्तिमय माहौल के साथ मनाया गया। सावन के इस दूसरे सोमवार को लेकर शिव भक्तों में विशेष उत्साह देखने को मिला, जहां सुबह से ही शिवालयों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और पूरा क्षेत्र हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा।

पर्व के इस पावन अवसर पर सुबह से ही शहर और ग्रामीण अंचल के प्रमुख मंदिरों के पट खुलते ही श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर बेलपत्र, धतूरा, दूध, गंगाजल और पंचामृत अर्पित किया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान मंदिरों को फूलों और रोशनी से बेहद आकर्षक ढंग से सजाया गया था।

पेज 1 का शेष...

राष्ट्रीय ध्वज 140 करोड़...

पार्टी द्वारा आहूत 'तिरंगा यात्रा' के शुभारम्भ समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ की माटी के महान सपूतों अकाल और भुखमरी के समय अपनी जनता का पेट भरने के लिए अनाज देकर अमूल्य योगदान देने वाले शहीद वीर नारायण सिंह और बस्तर क्षेत्र से अंग्रेजी हुकूमत को उखाड़ फेंकने के लिए ऐतिहासिक आंदोलन चलाने वाले जननायक गुंडाधुर के शौर्य व पराक्रम का स्मरण कर उनके बलिदान को श्रद्धापूर्वक नमन किया। नक्सलवाद के समाधान को प्रदेश का सौभाग्य बताते हुए श्री साय ने कहा कि जिस नक्सल समस्या के समाधान पर कभी अनिश्चितता जताई जाती थी, आज उसका सफल समाधान हो चुका है। श्री साय ने इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कुशल नेतृत्व, उप मुख्यमंत्री व गृह मंत्री विजय शर्मा के निरंतर प्रयासों और स्थानीय जनता के समर्थन को दिया।

सभी जिलों और स्कूलों से भी निकलेगी तिरंगा यात्रा

श्री साय कहा कि राजधानी के बाद अब राज्य के सभी जिलों, मंडलों, स्कूलों और विभिन्न संस्थानों में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। इस बार नक्सल प्रभावित दूरस्थ क्षेत्रों के गाँवों और उनके स्कूलों में भी तिरंगा यात्रा पहुँचेगी और 15 अगस्त को शान से राष्ट्रध्वज लहराया जाएगा। श्री साय ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे अपने-अपने घरों, कार्यालयों, संस्थानों पर तिरंगा लहराकर इस राष्ट्रीय पर्व और वीरों के बलिदान को नमन करें। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों से 'हर घर तिरंगा अभियान' को सफल बनाने का आह्वान करते हुए अपने संबोधन में प्रधानमंत्री श्री मोदी के आह्वान का उल्लेख किया और कहा कि श्री मोदी ने देश के प्रत्येक नागरिक से अनुरोध किया है कि वे अपने घर, दुकान, कार्यालय और संस्थानों में राष्ट्रध्वज लहराकर 'हर घर तिरंगा' अभियान में भाग लें।

झारखंड में विधानसभा गेट...

ही वाटर कैनन का इस्तेमाल किया छात्र बैरिकेडिंग पर चढ़कर डांस करते नजर आए। कुछ छात्रों ने राष्ट्रगान गाया। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी दागे।

लाठी की चोट से बड़ा...

विधानसभा की ओर बढ़े। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार के लिए सबसे कठिन स्थिति तब होती है, जब उसके सामने विपक्ष नहीं, बल्कि बड़ी संख्या में युवा खड़े हों। राजनीतिक दलों के आंदोलन का जवाब राजनीति से दिया जा सकता है, लेकिन बेरोजगार युवाओं के आक्रोश का जवाब केवल प्रशासनिक आदेश से नहीं दिया जा सकता। उनके मन में परीक्षा, परिणाम और नियुक्ति को लेकर विश्वास पैदा करना पड़ता है। आज की घटना में पुलिस के सामने भी चुनौती आसान नहीं थी। विधानसभा राज्य का संवेदनशील क्षेत्र है और हजारों प्रदर्शनकारियों के बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ने की स्थिति में कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है। दूसरी ओर छात्रों का तर्क है कि वे अपनी मांग सरकार तक पहुंचाने के लिए विधानसभा तक जाना चाहते थे। दोनों पक्षों के इन दावों के बीच टकराव हुआ और अंततः सड़क पर लाठी चली, लेकिन लाठीचार्ज किसी भी सरकार के लिए अंतिम समाधान नहीं हो सकता।

विपक्षी हंगामे के बीच...

के बीच 'बैंककार बही साक्ष्य विधेयक-2026' को बिना किसी संशोधन के पारित कर दिया गया। इसके साथ ही बैंकों के बही-खातों और डिजिटल रिकॉर्ड को कानूनी मान्यता देने वाले इस विधेयक पर संसद की अंतिम मुहर लग गई है। यह नया कानून 1891 के पुराने कानून की जगह लेगा। विधेयक पर संक्षिप्त चर्चा के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सदस्यों द्वारा उठाए गए मुद्दों का स्पष्टीकरण दिया। इसके बाद सदन ने संशोधनों को खारिज करते हुए इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया। कार्यवाही के दौरान विपक्षी सदस्यों ने दिल्ली में युवाओं पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर गृह मंत्री के जवाब की मांग करते हुए हंगामा किया और नारेबाजी करते हुए सदन से बाहर चले गए।

राम मंदिर का सीईओ...

होगी, जहां तीन सदस्यीय उच्चस्तरीय चयन समिति उम्मीदवारों के अनुभव, कार्यशैली और प्रशासनिक दक्षता का आकलन करेगी।

3 सदस्यीय समिति लेगी साक्षात्कार

सीईओ पद के लिए देशभर से विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों और प्रशासनिक अनुभव रखने वाले 5200 से अधिक लोगों ने आवेदन प्रस्तुत किए थे। तीन सदस्यीय चयन समिति ने प्रारंभिक समीक्षा के बाद पहले चरण में 54 अभ्यर्थियों का इंटरव्यू लिया था। इसके बाद अत्यंत पारदर्शी व गहन मूल्यांकन प्रक्रिया के उपरांत अंतिम दौर के लिए 18 दावेदारों को ही शॉर्टलिस्ट किया गया है। 11 और 12 अगस्त को राम मंदिर परिसर में होने वाले साक्षात्कार के बाद यह समिति तीन सबसे योग्य उम्मीदवारों का एक पैनल तैयार कर ट्रस्ट को सौंपेगी।

हॉस्टल में जहरीले सांप...

छात्राओं को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल और बाद में गढ़चिरौली जिला अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के दौरान तीन छात्राओं ने दम तोड़ दिया। इनकी पहचान दीपिका लकड़ा (कक्षा 6), सुष्मिता मंडल (कक्षा 8) और अनु कोरेटी (कक्षा 2) के रूप में हुई है। अन्य 3 गंभीर छात्राओं का इलाज गढ़चिरौली अस्पताल में जारी है, जिनमें से एक की हालत नाजुक बनी हुई है। एहतियात के तौर पर 14 अन्य छात्राओं को भी मेडिकल ऑब्जर्वेशन में रखा गया है।

नाले में बही कार, 3 बच्चों...

की कोशिश की। कुछ ही पल में तेज बहाव ने ईको को अपनी चपेट में लिया और 11 यात्रियों से भरी गाड़ी पानी में बहती चली गई। ईको के नाले में बहते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल बचाव शुरू किया और दो पुरुषों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। वहीं, रेस्क्यू टीमों ने कई घंटे की मशक्कत के बाद 9 लोगों के शव बरामद कर लिए।

सिर्फ 6 दिन बाकी... फिर...

मिनटों का समय लगता है। कंपनियां सलाह के साथ ही इनमें वार्निंग भी दी जा रही है कि 16 अगस्त की तय डेडलाइन के बाद एलपीजी पाने में दिक्कत हो सकती है और अधिसूचित घरेलू रेट्स पर एलपीजी सिलेंडर नहीं खरीद पाएंगे यानी महंगी दरों पर खरीदना पड़ सकता है। यानी साफ है कि आपके पास सिर्फ छह दिनों का समय है, परेशानी से बचने के लिए लास्ट डेट का इंतजार किए बगैर इस काम को तत्काल निपटा लें।

अंबेडकर अस्पताल में ..

की विशेषज्ञता को सिद्ध किया है, बल्कि छत्तीसगढ़ में फेफड़ों की सर्जरी के क्षेत्र में अम्बेडकर अस्पताल को अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित किया है। हार्ट-चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत साहू के अनुसार, फेफड़े की लोबेक्टॉमी सर्जरी का मतलब यह होता है कि इसमें मरीज के क्षतिग्रस्त फेफड़े के एक हिस्से को निकाल दिया जाता है। यह सर्जरी अत्यंत ही जटिल सर्जरी होती है। यह सर्जरी इस संस्थान में अत्याधुनिक तकनीक से किया जाता है जिसमें एडवांस्ड लंग स्टैपलर का उपयोग किया जाता है, जिससे भविष्य में इस सर्जरी से होने वाले कॉम्प्लिकेशन जैसे कि ब्रोन्कोप्लूरल फिस्टुला बनने की संभावना बहुत ही कम हो जाती है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद तखतपुर जिला बिलासपुर (छ.ग.)

तृतीय अभिव्यक्ति (ई.ओ.आई.)

क्र. 494 / लो.नि./न.पा./2026-27 तखतपुर, दिनांक 10/08/2026

नगर पालिका परिषद् तखतपुर के स्वामित्व सांस्कृतिक भवन एवं मंगल भवन के संचालन हेतु इच्छुक व्यक्ति / संस्थान/एन.जी.ओ./ अन्य से निविदा दिनांक 26/08/2026 सायंकाल 05:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

क्र.	भवन का नाम	शासकीय प्रीमीयम राशि (प्रति वर्ष)	निविदा प्रपत्र शुल्क	अमातन राशि (एफडीआर)
1	सांस्कृतिक भवन	2.00 लाख	750/-	10000/-
2	गुरूनानक मंगल भवन	2.00 लाख	750/-	10000/-

नियम एवं शर्ते :- कार्यालयीन अवधि एवं विभागीय वेब साईड http://uad.cg.gov.in में देखी जा सकती है एवं निविदा प्रपत्र डाउनलोड कर स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रस्तुत करें।

नगर पालिका के करों का भुगतान समय पर करें।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद तखतपुर

बाबा बैद्यनाथ के दरबार में भक्तों का सैलाब, 'बोल बम' के जयघोष से गूंजा देवघर

सावन की दूसरी सोमवारी पर बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में आस्था का समुद्र उमड़ पड़ा है। तड़के तीन बजे से पूरा शहर 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंज रहा है। बिहार के सुल्तानगंज से उत्तरवाहिनी गंगा से जल लेकर 108 किलोमीटर की पैदल यात्रा करते हुए कांवरियों की भीड़ से देवघर की सड़कें केसरिया रंग में रंग गई हैं। मंदिर से लेकर कांवरिया पथ तक हर तरफश्रद्धा और उत्साह का अनूठा माहौल है। वैद्यनाथ धाम में सदियों से प्रतिष्ठापित बाबा वैद्यनाथ की मनोकामना ज्योतिर्लिंग पर जलार्पण के लिए रविवार देर रात से ही कांवरियों की कतार लगनी शुरू हो गई थी।

सोमवार सुबह मुख्य अरघा से जलार्पण करने वाले श्रद्धालुओं की कतार मंदिर से करीब 20 किलोमीटर दूर कुमैठा स्टेडियम तक पहुंच गई। वहीं, बाह्य अरघा से जलार्पण करने वाले श्रद्धालुओं की कतार सरदार पंडा लाइन, शिवगंगा लेन और वीआईपी गेट के सामने तक फैली रही। प्रशासन के अनुसार, इस कतार में करीब 70 से 80 हजार श्रद्धालु शामिल रहे। सुबह 3.05 बजे बाबा मंदिर का पट खोला गया। पट खुलने के बाद पुरोहित समाज ने बाबा की पारंपरिक कच्चा जल पूजा की। करीब 15 मिनट तक चली इस पूजा में विश्व कल्याण की कामना की गई। इसके बाद मंदिर के महंत सरदार पंडा श्रीश्री गुलाब नंद ओझा ने विधि-विधान से बाबा बैद्यनाथ की विशेष पूजा की। बाबा को दूध, दही, घी और मधु समेत विभिन्न पूजन सामग्री अर्पित की गई। विशेष पूजा के बाद सुबह 4.10 बजे आम श्रद्धालुओं के लिए जलार्पण शुरू हुआ। अरघा व्यवस्था के जरिए लगातार जल चढ़ाया गया। लंबी कतार में खड़े श्रद्धालुओं के चेहरों पर

थकान साफदिख रही थी। लेकिन बाबा के दर्शन की उम्मीद उनके कदमों को आगे बढ़ाती रही। कोई कांवर कंधे पर लिए था, तो कोई हाथ में गंगाजल का पात्र थामे अपनी बारी का इंतजार कर रहा था। प्रशासन के अनुमान के अनुसार, दूसरे सोमवार पर करीब साढ़े तीन से चार लाख श्रद्धालुओं के बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक करने की संभावना है। भीड़ को देखते हुए पूरे कांवरिया पथ और मंदिर परिसर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। करीब 14 हजार सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। क्विक रिस्पांस टीम भी सक्रिय है।

अभिषेक बनर्जी को विदेश जाने की इजाजत

आंखों के इलाज के लिए 3 हफ्ते की राहत; SC ने लगाईं ये शर्तें

कोलकाता/ए.। तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी को आंखों के इलाज के लिए विदेश जाने की सुप्रीम कोर्ट ने इजाजत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें तीन हफ्ते के लिए विदेश यात्रा की अनुमति दी है। हालांकि, कोर्ट ने इसके लिए कुछ शर्तें भी तय की हैं।

CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने अभिषेक बनर्जी की उस अपील पर सुनवाई की, जिसमें उन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट के 5 अगस्त के आदेश को चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने उन्हें आंखों के इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि अभिषेक बनर्जी सिर्फ अपने डिप्लोमैटिक पासपोर्ट पर विदेश यात्रा कर सकेंगे। इसके अलावा उन्हें अपनी यात्रा का पूरा कार्यक्रम यानी इटिनरेरी और विदेश में ठहरने की जगह की जानकारी जांच एजेंसी को देनी होगी। बनर्जी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन ने कोर्ट को बताया कि फिलहाल उनके पास सिर्फ डिप्लोमैटिक पासपोर्ट है। यह पासपोर्ट उन्हें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विदेशों में संपर्क अभियान के लिए जारी किया गया था।

बंगाल सरकार ने किया याचिका का विरोध

सुनवाई के दौरान पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने अभिषेक बनर्जी को विदेश जाने की अनुमति देने का विरोध किया। राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि अभिषेक बनर्जी के खिलाफ16 मामले हैं और आशंका है कि अगर उन्हें विदेश जाने दिया गया तो वह वापस नहीं लौट सकते। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने राज्य की इस दलील को स्वीकार करने में अनिच्छा जताई।

गृह मंत्री अमित शाह के बयान तक जारी रहेगा विरोध : प्रियंका

नई दिल्ली/ए.। विपक्ष और 'इंडिया' गठबंधन के घटक दल पिछले कुछ दिनों से दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुई कथित पुलिस बर्बरता, लाठीचार्ज और आंसू गैस के इस्तेमाल के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह के सदन में जवाब की मांग कर रहे हैं। संसद के मानसून सत्र में सरकार और विपक्ष के बीच जारी गतिरोध के बीच कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को स्पष्ट कर दिया कि जब तक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सदन में आकर अपना बयान नहीं देते, तब तक यह गतिरोध समाप्त नहीं होगा। संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा, मुझे लगता है कि जब तक गृह मंत्री संसद में बयान नहीं देते, तब तक यह गतिरोध जारी रहेगा।

विपक्ष और 'इंडिया' गठबंधन के घटक दल पिछले कुछ दिनों से दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुई कथित पुलिस बर्बरता, लाठीचार्ज और आंसू गैस के इस्तेमाल के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह के सदन में जवाब की मांग कर रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अपने भविष्य के लिए सवाल पूछ रहे शांतिपूर्ण छात्रों पर गोलियां और लाठियां चलाई गईं। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री की चुप रहने की नीति हिंसा को उनकी मंजूरी दर्शाती है। कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने भी बाहर संवाददाताओं से कहा कि जब तक गृह मंत्री दिल्ली में छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई पर बयान नहीं देते, तब तक संसद का गतिरोध खत्म करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

'पीएम और अमित शाह कमरों में बैठकर सब सुनते हैं'

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी और अमित शाह कमरों में बैठकर सब सुनते हैं। इसके बाद वह अपने लोगों को निर्देश देते हैं कि जैसे ही विपक्ष बोलने के लिए खड़ा हो, सदन में शोर मचाओ। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, बहुत दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि राज्यसभा में चेयरमैन भी हमें आवाज नहीं उठाने देते हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा, चेयरमैन पर भरोसा करके बैठ जाता हूं और फिर वे सदन स्थगित कर देते हैं। इधर सोमवार दोपहर लोकसभा में बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक हुई।

जयपुर में कांग्रेस का हल्लाबोल पुलिस ने चलाई वाटर कैनन

जयपुर। जयपुर नगर निगम के खिलाफ कांग्रेस की 'हिसाब मांगो रैली' सोमवार को जोरदार विरोध-प्रदर्शन में बदल गई। नगर निगम के घेराव के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग पार करने की कोशिश की। इस दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास भी बैरिकेड पर चढ़ गए और भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। खाचरियावास ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, "पुलिस कितनी भी लगा लो, बैरिकेड लगा लो, लेकिन जनता की आवाज नहीं दबा सकते। जनता के हक की लड़ाई सड़क से सदन तक जारी रहेगी।" प्रदर्शन के दौरान खाचरियावास ने पृथ्वीराज नगर में प्रस्तावित कार्रवाई को लेकर सरकार को चेतावनी दी।

बेंगलुरु में कई होटलों पर फूड सेफ्टी विभाग की छापेमारी, मिले डरावने हालात

भारी मात्रा में सड़ा मांस, दूध और तेल जब्त, मशहूर पब सील

बेंगलुरू/ए.। कर्नाटक के खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग ने बेंगलुरु के कई प्रमुख होटलों और रेस्तरां में व्यापक छापेमारी की है। इस कार्रवाई के दौरान मशहूर यूबी सिटी लग्जरी मॉल की 16वीं मंजिल पर स्थित पॉश 'स्काई लाउंज' पब की किचन को बंद कर सील कर दिया गया है। विभाग द्वारा चलाए गए इस विशेष अभियान के तहत कुल 132 किलोग्राम खराब व असुरक्षित खाद्य पदार्थ और 15 लीटर पुराना इस्तेमाल किया हुआ तेल जब्त कर नष्ट किया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग ने बेंगलुरु शहरी जिले और बीबीएमपी क्षेत्रों में 30 विशेष टीमों का गठन कर 3-स्टार और 5-स्टार होटलों के साथ-साथ खाद्य आपूर्ति केंद्रों पर भी छापेमारी की। रॉयल चेन होटल से 50 किलो बत्तख का मांस और 5 किलो सड़ी हुई मछली जब्त की गई।

स्काई लाउंज में मिले डरावने हालात

यूबी सिटी मॉल में स्थित 'स्काई लाउंज' की रसोई में जब खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम पहुंची, तो वहां बेहद अस्वास्थ्यकर स्थितियां पाई गईं। यहां फंगस लगा सड़ा हुआ मांस मिला। अधिकारियों को किचन में करीब 45 किलो सड़ा हुआ चिकन और बीफमिला, जिस पर फंगस उगी हुई थी। रेस्तरां में दूध और दही के ऐसे पैकेट मिले जिनकी एक्सपायरी डेट 10 दिन पहले ही खत्म हो चुकी थी।

वर्ल्ड एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में भारत का अभियान तीन मेडल के साथ खत्म

नई दिल्ली/ए.। वर्ल्ड एथलेटिक्स अंडर 20 चैंपियनशिप में भारत का अभियान तीन मेडल के साथ खत्म हुआ। नेशनल सीनियर रिकॉर्ड होल्डर पूजा सिंह का प्रदर्शन महिलाओं की हाई जंप फाइनल में निराशाजनक रहा और वह सातवें स्थान पर रहीं। 19 साल की पूजा इस साल की शुरुआत में 1.93 मीटर का नेशनल सीनियर रिकॉर्ड बनाने के बाद इस प्रतियोगिता में एक मजबूत दावेदार के तौर पर उतरी थीं। हालांकि, फाइनल में वह केवल 1.84 मीटर ही पार कर सकीं। इसके बाद वह 1.87 मीटर की ऊंचाई पार करने की तीनों कोशिशों में नाकाम रहीं और प्रतियोगिता से बाहर हो गईं।

ऑस्ट्रेलिया की इजोबेल लुइसन-रो ने 1.92 मीटर की ऊंचाई पार करके गोल्ड मेडल जीता। हंगरी की लिलियाना बाटोरी और स्पेन की एताना अलोंसो ने क्रमशः सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम किया ।इस सीजन की शुरुआत में पूजा का प्रदर्शन शानदार रहा था। उन्होंने मई में एशियन अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 1.93 मीटर का रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड मेडल जीता था। वह सीनियर एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मौजूदा चैंपियन भी हैं।

भारत की महिलाओं की 4м400 मीटर रिले टीम को चुनौतियों का सामना करना पड़ा और वह फाइनल में 3:45.28 के समय के साथ आखिरी स्थान पर रही। भारतीय टीम में भूमिका नेहते, तहुरा खातून, तनु चौधरी और थिया अरुमुगम शामिल थीं। अमेरिका ने 3:29.15 के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 3:31.39 के साथ सिल्वर और ग्रेट ब्रिटेन ने 3:32.08 के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

भारत भाग्य विधाता' से 'केबीसी 18' तक; इस वीक लगेगा मनोरंजन का मेला

मुंबई। ओटीटी पर अगस्त का पहला वीक काफी शानदार रहा। 'मैं वापस आऊंगा' से लेकर 'ऑपरेशन सफेद सागर' तक, कई दिलचस्प फिल्में और सीरीज रिलीज हुईं। आज सोमवार से एक नया सप्ताह शुरू हुआ है। इस बार भी पिटारे में काफी कुछ शानदार है। देखिए, क्या-क्या हैं विकल्प? इस वीक का पहला शगुन 'केसीबी 18' है। क्विज रियलिटी शो का 18वां सीजन आज 10 अगस्त से शुरू हो रहा है। एक बार फिर अमिताभ बच्चन बतौर होस्ट कमान संभालने वाले हैं।

कार्यालय संचालक मुद्रण तथा लेखन सामग्री विभाग

(इन्द्रावती भवन, विभागाध्यक्ष कार्यालय, ब्लाक नं. 1 द्वितीय तल, नवा रायपुर, अटल नगर, जिला-रायपुर छ.ग.)
E-Mail - govtprintingstationerydept@gmail.com

नवा रायपुर अटल नगर-492002
दूरभाषः कार्यालय 2331302

क्रमांक ESTB-101/61/2025-GOVT. PRINTING AND STATIONARY/463 दिनांक 07.08.2026

// दावा आपत्ति मंगाये जाने बाबत् सूचना पत्र //

मुद्रण तथा लेखन सामग्री विभाग अंतर्गत डी.टी.पी. ऑपरेटर के पदों पर छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल, छ.ग. नवा रायपुर अटल नगर द्वारा घोषित लिखित परीक्षा परिणाम एवं शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण शाला द्वारा घोषित कौशल परीक्षा परिणाम अनुसार पात्र अभ्यर्थियों के शैक्षणिक/अनुभव प्रमाण पत्रों के परीक्षणोंपरांत मेरिट कम चयन सूची (अनंतिम) सूची निम्नानुसार है:-

स. क्रं.	पद का नाम	कुल पदों की संख्या	पात्र अभ्यर्थी का नाम एवं वर्ग	जन्मतिथि	प्राप्तांक
1	डी.टी.पी. ऑपरेटर	2 (अनारक्षित)	माननीय उच्च न्यायालय, बिलासपुर द्वारा प्रकरण क्रमांक 792/2026 तथा क्रमांक 13996/2025 में जारी आदेश के तहत् रिक्त रखा गया है।	18/11/1995	53.250
		2 (अ.ज.जा.)	SHASHI BHUSHAN PREMSAY PORTE	28/10/1998	39.000
		1 (अ.पि.व.)	ROHAN KUMAR SAHU (OBC)	21/10/1998	65.000

परीक्षा में शामिल ऐसे अभ्यर्थी जो उक्त सूची के संबंध में दावा आपत्ति प्रस्तुत करना चाहते है, वे 7 दिवस के भीतर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा।
(संचाकल महो. द्वारा अनुमोदित)

जी- 262702666/2

संयुक्त संचालक
मुद्रण तथा लेखन सामग्री छ.ग.
नवा रायपुर अटल नगर

कार्यालय जिला बाल संरक्षण अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग जिला बिलासपुर (छ.ग.)

दावा-आपत्ति

1. बच्चे का नाम :- साक्षी (संस्था द्वारा)
2. बच्चे का प्राप्ति दिनांक :- 13/07/2026
3. संस्था :- सेवा भारती मातृछाया बिलासपुर (छ.ग.)
4. रंग :- सांवला ।
5. उम्र :- 03 दिन

उक्त बालक को बाल कल्याण समिति बिलासपुर के आदेश क्रमांक 585/ बा.क.स./2026-27 बिलासपुर दिनांक 13/07/2026 से अस्थाई संरक्षण हेतु सेवा भारती मातृछाया बिलासपुर जिला बिलासपुर (छ.ग.) में संरक्षण प्राप्त हैं।

सर्व संबंधित को जो कि बालक के वैधानिक पालक/अभिभावक होने का दावा आपत्ति दर्ज कराना चाहते हैं, प्रकाशन दिनांक से 30 दिवस के भीतर कार्यालय जिला बाल संरक्षण अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग जिला बिलासपुर अथवा सेवा भारती मातृछाया बिलासपुर जिला बिलासपुर (छ.ग.) में दर्ज करा सकते हैं। उक्त समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा-आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा तथा दत्तक ग्रहण की कार्यवाही की जावेगी।

यह विज्ञापन मेरे द्वारा जारी किया गया।

जी- 262702653/1

जिला बाल संरक्षण अधिकारी
महिला एवं बाल विकास विभाग
जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-सी.जी. अ.- 01082026-275088
CG-CG-E- 01082026-275088
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II-खण्ड 3-उप-खण्ड (ii)
PART II-Section 3-Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 4022] नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 29, 2026/श्रावण 7, 1948
No. 4022] NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 29, 2026/SHRAVAN 7, 1948

रेल मंत्रालय
(दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे)
शुद्धिपत्र
बिलासपुर, 29 जुलाई, 2026
रेल अधिनियम 1989 की धारा 20 (ड) के अंतर्गत सूचना

का.आ. 4192 (अ)— केंद्रीय सरकार रेल अधिनियम 1989 (1989 का 24) (जिसके पश्चात अधिनियम कहा गया है) की धारा 20क की उपधारा (1) के अधीन जारी, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 23 मार्च 2026 में प्रकाशित भारत सरकार के रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) की अधिसूचना संख्या का आ. 1572 (अ) द्वारा उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट को छत्तीसगढ़ राज्य के लिए विशेष रेल परियोजना दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अन्तर्गत परियोजना झारसुगड़ा-रायगढ़, रायगढ़-चांपा, चांपा-गेवरा रोड, चांपा बिलासपुर, तिल्दा-बिलासपुर, तिल्दा दुर्ग, मुंडीकोटा-नागपुर, बिलासपुर-पेण्ड्रारोड-अनुपपुर और रायपुर-लखोली के मध्य में मौजूदा 1X25KV ट्रैक्शन सिस्टम को 3000 MT लोडिंग लक्ष्य को पूरा करने के लिए 2 X25KV एटी फीडर व्यवस्था में अपग्रेड करने हेतु निर्माण परियोजना के निष्पादन, अनुरक्षण, प्रबंध और प्रचालन के प्रयोजन के लिए अर्जित करने के अपने आशय की घोषणा की थी।

और उक्त अधिसूचना का सार, उक्त अधिनियम कि धारा 20 (क) की उपधारा (4) के अधीन दैनिक स्थानीय समाचार पत्रों, अर्थात नवभारत हिंदी (बिलासपुर संस्करण), दैनिक भास्कर बिलासपुर (हिंदी) एवं टाइम्स ऑफ इंडिया (अंग्रेजी) में तारीख 09.04.2026 को प्रकाशित कर दिया गया था।

और सक्षम प्राधिकारी द्वारा कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ।

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 20 (ड) कि उपधारा (1) के अनुसरण में अपनी रिपोर्ट सौंप दी है।

अत: अब, केन्द्रीय सरकार, सक्षम प्राधिकारी से रिपोर्ट प्राप्त होने पर और उक्त अधिनियम की धारा 20 (ड) की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उपाबद्ध अनुसूची भूमि विनिर्दिष्ट भूमि पुर्वोक्त प्रयोजन के लिए अर्जित की जाएगी।

अत: यह कि केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 20 (ड) कि उपधारा (2) के अनुसरण में यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना में राजपत्र में प्रकाशित होने पर इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर केन्द्रीय सरकार में आत्यंतिक रूप से निहित हो जाएगी।

अनुसूची

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य के लिए विशेष रेल परियोजना दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे के अंतर्गत परियोजना "झारसुगड़ा-रायगढ़, रायगढ़-चांपा, चांपा गेवरा रोड, चांपा बिलासपुर, तिल्दा बिलासपुर, तिल्दा दुर्ग, मुंडीकोटा-नागपुर, बिलासपुर पेंड्रारोड अनूपपुर और रायपुर-लखोली के मध्य में मौजूदा 1X25KV ट्रैक्शन सिस्टम को 3000 MT लोडिंग लक्ष्य को पूरा करने के लिए 2X25 KV एटी फीडर व्यवस्था में अपग्रेड करने हेतु निर्माण परियोजना है, बिलासपुर जिले के लिए अधिग्रहण किये जाने के लिए संरचना के सहित या उनके रहित भूमि का संक्षिप्त विवरण:-

जिला का नाम - बिलासपुर, तहसील - बिलासपुर, भूमि का प्रकार- निजी भूमि

क्रमांक	तहसील का नाम	गांव का नाम	खसरा नं.	भूमि की प्रकृति	अर्जित भूमि का क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	भूमि का स्वामी का नाम
1	बिलासपुर	तिफरा	999 में से	पड़त	0.1174	सौरभ सिंघु पिता वीरसेन सिंघू
2	बिलासपुर	तिफरा	1484 में से	पड़त	0.0440	रामलाल प्रजापति पिता सोहनलाल
3	बिलासपुर	तिफरा	1002/1 में से	पड़त	0.0640	रामलाल प्रजापति पिता सोहनलाल
				योग	0.2254	

जिला का नाम - बिलासपुर, तहसील - बिलासपुर, भूमि का प्रकार- शासकीय भूमि

क्रमांक	तहसील का नाम	गांव का नाम	खसरा नं.	भूमि की प्रकृति	अर्जित भूमि का क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	भूमि का स्वामी का नाम
1	बिलासपुर	तिफरा	1486 में से	-	0.1340	शासकीय भूमि
2	बिलासपुर	तिफरा	1483 में से	-	0.0240	शासकीय भूमि
3	बिलासपुर	तिफरा	1480 में से	-	0.0050	शासकीय भूमि
4	बिलासपुर	तिफरा	1485 में से	-	0.1010	शासकीय भूमि
				योग	0.2640	

कुल योग 0.4894 हेक्टेयर

[फा. सं. सीपीएम/इले/बीएसपी/2x25 के.वी. ओ.एच.ई./भूमि अधि./2026/20ई/2362]

सीपीआर/10/पीएच/331 मुदित भटनागर, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)

लाल आतंक के गढ़ से तिरंगे की हुंकार, नारायणपुर से करेंगुट्टा तक निकलेगी तिरंगा यात्रा

■ **नक्सलवाद के अंत के बाद अब सुरक्षा से विश्वास, विश्वास से विकास और विकास से समृद्धि की ओर बढ़ते बस्तर का संदेश**

नव प्रदेश विशेष

जगदलपुर/नवप्रदेश। देश के गृह मंत्री अमित शाह द्वारा तय किए गए 31 मार्च 2026 के लक्ष्य से पहले ही देश को नक्सलवाद से मुक्त किए जाने की घोषणा के बाद अब बस्तर के उन इलाकों में तिरंगे की शान और राष्ट्रभक्ति का संदेश पहुंचाने की पहल शुरू हो गई है, जिन्हें कभी नक्सल हिंसा के लिए देश के सबसे अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में गिना जाता था। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार 31 मार्च की निर्धारित समय-सीमा से पहले ही देश में नक्सलवाद के पूर्ण उन्मूलन का लक्ष्य हासिल कर लिया गया।

इसी बदलाव को जमीन पर प्रदर्शित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में 'बस्तर तिरंगा यात्रा 2026' निकाली जा रही है। 12 अगस्त को नारायणपुर से शुरू होने वाली यह यात्रा धौड़ाई, कन्हारगांव, कोड़ेनार,बोदली,सातधार,बारसूर और गीदम होते हुए दंतेवाड़ा पहुंचेगी। इसके बाद 13 अगस्त को यात्रा दंतेवाड़ा से आगे कुआकोंडा, भुसारास घाटी, चिंगावरम, सुकमा, एर्राबोर, मनीकोंटा, दोरनापाल, पोलमपल्ली कुकानार, मिनपा-ताड़मेटला, चिंतलनार, जगरगुंडा, सिलगेर, टेकलगुड़ेम और आवापल्ली होते हुए बीजापुर पहुंचेगी। 14 अगस्त को बीजापुर से आवापल्ली,उसूर,गलगम,नंबी और ताड़पल्ली होते हुए करेंगुट्टा पहाड़ी में यात्रा का समापन प्रस्तावित है।

नक्सल प्रभावित इलाकों में तिरंगा पहुंचाने का प्रतीकात्मक संदेश: इस यात्रा का महत्व केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक तिरंगा ले जाने तक सीमित नहीं है। कभी जहां बंदूक,बारूदी सुरंग और हिंसा का भय आम जिंदगी पर हावी था, उन्हीं रास्तों से अब राष्ट्रीय ध्वज के साथ युवाओं के कदम आगे बढ़ेंगे। यात्रा का मूल संदेश यही है कि बस्तर की पहचान अब हिंसा नहीं, बल्कि शांति,विकास,युवा शक्ति,संस्कृति और राष्ट्र निर्माण से होगी।

यात्रा के माध्यम से प्रदेश और देशवासियों को यह संदेश देने का प्रयास दिखाई देता है कि जिन इलाकों को लंबे समय तक भय और नक्सल प्रभाव के कारण मुख्यधारा से दूर माना जाता था, वहां अब लोकतंत्र और राष्ट्रध्वज की मौजूदगी सामान्य जीवन का हिस्सा बन रही है। केंद्रीय गृह मंत्री ने भी नक्सलवाद के अंत के बाद बस्तर के लिए सुरक्षा से विश्वास,विश्वास से विकास और विकास से समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ने का लक्ष्य रखा है।

युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण से जोड़ना भी यात्रा का प्रमुख उद्देश्य है। यात्रा के संदेश में देशभक्ति,सामाजिक समरसता, एकता, शहीदों को श्रद्धांजलि और शांति-सुरक्षा के साथ विकास का संकल्प प्रमुखता से सामने रखा गया है। ऐसे में नारायणपुर से करेंगुट्टा तक तिरंगे का सफर केवल तीन दिनों का कार्यक्रम नहीं, बल्कि बस्तर के बदलते दौर की तस्वीर पेश करने वाला अभियान बनता दिखाई दे रहा है।

तीन दिन,एक संदेश

12 अगस्त को नारायणपुर से दंतेवाड़ा,13 अगस्त को दंतेवाड़ा से बीजापुर और 14 अगस्त को बीजापुर से करेंगुट्टा पहाड़ी तक तिरंगा पहुंचेगा। यात्रा के पड़ावों में वे क्षेत्र शामिल हैं, जो कभी नक्सल हिंसा के सबसे कठिन दौर के गवाह रहे हैं। अब इन्हीं इलाकों से तिरंगा यात्रा शांति, एकता, सामाजिक समरसता और युवाओं की राष्ट्र निर्माण में भागीदारी का संदेश लेकर आगे बढ़ेगी।

तिरंगा यात्रा, महापौर संजय पांडे ने शहरवासियों से की सहभागिता की अपील

हर घर तिरंगा' अभियान के तहत नगर पालिक निगम जगदलपुर द्वारा 11 अगस्त को भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा का शुभारंभ सुबह 10 बजे मां दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण से होगा। यात्रा में जनप्रतिनिधियों के साथ सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों के पदाधिकारी, युवा, विद्यार्थी, व्यापारी,महिलाएं तथा बड़ी संख्या में शहरवासी हाथों में तिरंगा लेकर शामिल होंगे।

नगर पालिक निगम जगदलपुर के महापौर संजय पांडे ने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर यात्रा को सफल बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि तिरंगा देश की संप्रभुता, एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। 'हर घर तिरंगा' अभियान राष्ट्र के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना को मजबूत करने का अवसर है।

उन्होंने कहा कि जगदलपुर की जनता राष्ट्रहित और सामाजिक सरोकारों से जुड़े अभियानों में हमेशा बढ़-चढ़कर सहभागिता करती रही है। नागरिक अपने परिवार, मित्रों और परिचितों के साथ यात्रा में शामिल होकर एकता और सम्मान के लिए तिरंगा लेकर चलें तथा स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करें।

अधिक से अधिक नागरिकों से शामिल होने की अपील: तिरंगा यात्रा 11 अगस्त को सुबह 10 बजे मां दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण से यात्रा शुरू होगी। जनप्रतिनिधियों, युवाओं,विद्यार्थियों, महिलाओं,व्यापारियों और शहरवासियों की सहभागिता रहेगी। महापौर ने अधिक से अधिक नागरिकों से शामिल होने की अपील की है।

सीआरपीएफ ने किस्टाराम क्षेत्र में आदिवासी दिवस पर बांटी जरूरत की सामग्री

जगदलपुर/नवप्रदेश। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर सुकमा जिले के एक्सिस किस्टाराम अंतर्गत पोटकपल्ली में 212वीं बटालियन सीआरपीएफ की ओर से स्थानीय आदिवासी समुदाय के बीच जनकल्याण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कमांडेंट विजय कुमार वर्मा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों को खेती-किसानी से संबंधित सामग्री,स्कूल बैग,स्टेशनरी,कंबल, साड़ी, खेलकूद सामग्री एवं बर्तन सहित अन्य उपयोगी सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय आदिवासी समुदाय के साथ आत्मीय संबंध मजबूत करने तथा उनके प्रति सम्मान एवं सहयोग की भावना को बढ़ावा देना रहा। सीआरपीएफ अधिकारियों एवं जवानों ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने सीआरपीएफ के इस मानवीय प्रयास की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के बाद ग्रामीणों के लिए भोजन की भी व्यवस्था की गई। कमांडेंट विजय कुमार वर्मा ने कहा कि नक्सलियों के मंसूबों पर चोट करने के साथ 212वीं बटालियन का उद्देश्य आदिवासी समुदाय को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना भी है। उन्होंने कहा कि बटालियन भविष्य में भी समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों के कल्याण के लिए इस प्रकार के जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी। कार्यक्रम में द्वितीय कमान अधिकारी (प्रशासन) शमीमुद्दीन शेख, द्वितीय कमान अधिकारी (परिचालन) दिनेश कुमार,उप कमांडेंट गौरव शर्मा, सहायक कमांडेंट राकेश लाम्बा सहित अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

गेंदा फूल के बीज से अंडों की पोषण गुणवत्ता में होता है सुधार : मेघा

जगदलपुर/नव प्रदेश। बस्तर में बड़े पैमाने पर उगाए जाने वाले गेंदा फूल के बीज का उपयोग मुर्गियों के आहार के रूप में करने से अंडों की पोषण गुणवत्ता में सुधार हो सकता है। ग्रामीण मुर्गी पालक गेंदा बीज को दाने के रूप में उपयोग कर गुणवत्ता वाले स्वास्थ्यवर्धक अंडों का उत्पादन कर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। यह बात इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय,रायपुर में पुष्प विज्ञान एवं भू-दृश्य सज्जा विषय में पीएचडी कर रहीं बस्तर की बेटी मेघा कश्यप ने अपने शोध के आधार पर कही है। मेघा कश्यप ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू स्तर पर मुर्गीपालन आजीविका,पोषण और अतिरिक्त आय का महत्वपूर्ण साधन है। घरेलू मुर्गियों से प्राप्त अंडे उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन एवं आवश्यक पोषक तत्वों का सुलभ और किफायती स्रोत हैं। अंडों की पोषण गुणवत्ता मुर्गियों की आनुवंशिक क्षमता के साथ उनके आहार, पोषण एवं समग्र प्रबंधन पर भी निर्भर करती है। गेंदा बीज स्थानीय स्तर पर आसानी से उपलब्ध होने के कारण कम लागत वाले प्राकृतिक आहार के रूप में उपयोगी हो सकता है। मेघा ने बताया कि गेंदा पौधे के विभिन्न भागों में अनेक जैव सक्रिय यौगिक पाए जाते हैं। ऐसे में गेंदा बीज को कुक्कुट आहार में प्राकृतिक पूरक के रूप में अपनाने से मुर्गियों के पोषण तथा अंडों की गुणवत्ता में सुधार की दिशा में संभावनाएं हैं।

ग्रामीण मुर्गी पालकों के लिए अतिरिक्त आय का अवसर बनाता: गेंदा बीज की उपलब्धता मुर्गियों के आहार में प्राकृतिक पूरक के रूप में उपयोग किया जाता है। मुर्गियों के पोषण में सुधार की संभावना अंडों की पोषण गुणवत्ता में वृद्धि ग्रामीण मुर्गी पालकों के लिए अतिरिक्त आय का अवसर बनाता है।

गरिमामय ढंग से मनाया जाएगा स्वतंत्रता समारोह

उत्तर बस्तर कांकेर/नवप्रदेश। जिले में स्वतंत्रता समारोह गरिमामय ढंग से मनाया जाएगा। जिला स्तरीय समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री टंकराम वर्मा होंगे। उनके द्वारा शासकीय नरहरदेव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में मुख्य अतिथि श्री वर्मा द्वारा प्रातः 09 बजे ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली जाएगी। सभी शासकीय कार्यालयों में प्रातः 7.30 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा, स्कूलों में ध्वजारोहण पश्चात् बच्चों द्वारा प्रभात फेरियां निकाली जाएगी।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुष्क दिवस घोषित

उत्तर बस्तर कांकेर/नवप्रदेश। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर द्वारा 'स्वतंत्रता दिवस' के अवसर पर 15 अगस्त 2026 को जिले में शुष्क दिवस घोषित किया गया है। इस दिन जिले की समस्त देशी, विदेशी मदिरा (कम्पोजिट) प्रीमियम मदिरा की फुटकर दुकानों, देशी, विदेशी मदिरा (कम्पोजिट) मदिरा के फुटकर दुकान से संलग्न अहातों एवं एफएल.4 (क) व्यवसायिक क्लब व एफएल.7, सैनिक कैन्टीन को पूर्णतः बंद रखे जाने के लिए आदेशित किया गया है। शुष्क दिवस के दौरान मदिरा का सम्पूर्ण संव्यवहार प्रतिबंधित रहेगा। कलेक्टर ने जिले में अवैध मदिरा संग्रहण, विनिर्माण, परिवहन व विक्रय पर पूर्णतः नियंत्रण रखने के लिए जिला आबकारी अधिकारी को निर्देशित किया है।

मिनी स्टेडियम में हजारों लोगों की मौजूदगी,शिक्षा-जागरूकता और सामाजिक एकजुटता पर दिया जोर

विश्व आदिवासी दिवस पर बीजापुर में उमड़ा आदिवासी समाज, संवैधानिक अधिकारों की बुलंद हुई आवाज

जगदलपुर-बीजापुर/नवप्रदेश। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय बीजापुर के मिनी स्टेडियम में रविवार को भव्य आयोजन हुआ। इसमें जिलेभर से हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के लोगों के साथ अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं विभिन्न समाजों के लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ आदिवासी पुरखों के सम्मान में पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके बाद समाज प्रमुखों ने ध्वजारोहण किया। पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ विभिन्न नर्तक दलों ने रैली निकाली, जिसने आयोजन को सांस्कृतिक रंग दिया।

आमसभा को संबोधित करते हुए बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने शिक्षा और जागरूकता को समाज की उन्नति का सबसे बड़ा माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के अधिकार संविधान में सुरक्षित हैं, लेकिन इन अधिकारों की रक्षा के लिए समाज को संगठित होकर अपनी बात मजबूती से रखनी होगी। जागरूक और संगठित समाज ही अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है। सभा को वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. बीआर पुजारी, बस्तर संभाग का प्रतिनिधित्व करने वाले विशेष वक्ता तुलसी ठाकुर, जग्गूराम तेलामी, अशोक तलांडी, कैलाश रामटेके एवं नीना रावतिया उद्दे ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने आदिवासी संस्कृति, शिक्षा, संवैधानिक अधिकारों और सामाजिक एकजुटता पर विचार रखे।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न आदिवासी सामाजिक संगठनों एवं समाज प्रमुखों ने राष्ट्रपति, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन के माध्यम से अनुविभागीय दंडाधिकारी जागेश्वर कौशल को संयुक्त ज्ञापन सौंपा। इसमें आदिवासी समाज के संवैधानिक अधिकारों, स्वशासन,सामाजिक न्याय,जल-जंगल-जमीन की सुरक्षा तथा पांचवीं अनुसूची और पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े मुद्दे उठाए गए।

स्थानीय समस्याओं पर भी उठी आवाज

जिला स्तरीय मांगों में कुटरू और गंगालूर को विकासखंड का दर्जा देने, पोटाकेबिन संस्थाओं में नियमित स्टाफकी व्यवस्था, लाल पानी की समस्या से प्रभावित किसानों को राहत एवं मुआवजा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग के रिक्त पदों पर भर्ती तथा आदिम जाति कल्याण विभाग के दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के नियमितीकरण की मांग प्रमुख रही। समाज प्रमुखों ने कहा कि आदिवासी समुदाय की अस्मिता, परंपरागत अधिकारों और स्वशासन की रक्षा के लिए सरकार को ठोस एवं संवैधानिक पहल करनी चाहिए।

प्रमुख संवैधानिक मांगें

ज्ञापन में जनगणना में पृथक आदिवासी धर्म कोड लागू करने, परिसीमन में आदिवासी प्रतिनिधित्व सुरक्षित रखने, अनुसूचित क्षेत्रों में निजीकरण पर रोक लगाने और आदिवासी भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई। भू-माफियाओं पर नियंत्रण के लिए विशेष कानून, नक्सल मामलों में जेलों में बंद निर्दोष आदिवासी युवाओं की रिहाई, वन अधिकार कानून के पूर्ण क्रियान्वयन तथा ग्रामसभा की अनिवार्य सहमति के बिना भूमि अधिग्रहण एवं खनन परियोजनाओं पर रोक की मांग भी रखी गई। साथ ही अनुसूचित जनजाति उपयोजना निधि के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया गया।

फरसगांव में पुलिस का सघन सत्यापन अभियान 1200 घरों और 160 प्रतिष्ठानों की जांच

■ **173 संदिग्धों से पूछताछ,21 टीमों में 150 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी रहे शामिल**

जगदलपुर-फरसगांव/नवप्रदेश। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर अवैध प्रवासियों एवं संदिग्ध गतिविधियों पर अंकुश लगाने फरसगांव पुलिस ने सघन जांच एवं सत्यापन अभियान चलाया। अभियान के दौरान पुलिस ने 173 संदिग्ध व्यक्तियों को पूछताछ और तस्दीक के लिए थाना फरसगांव लाया। यहां उनके पहचान पत्र, आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेजों की जांच की गई। संबंधित थानों से एसएस रोल एवं अनापत्ति प्रमाण पत्र के माध्यम से भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस के अनुसार तस्दीक के दौरान आपराधिक गतिविधियों में संलिप्तता नहीं पाए जाने पर संबंधित लोगों को आवश्यक हिदायत देकर छोड़ दिया गया।

पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चन्द्रा के मार्गदर्शन में चलाए गए अभियान के लिए करीब 150 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों की 21 टीमें गठित की गई थीं। अनुविभागीय पुलिस अधिकारी अभिनव उपाध्याय एवं पुलिस उप अधीक्षक सिद्धार्थ बघेल के नेतृत्व में टीमों ने फरसगांव नगर पंचायत के सभी 15 वार्डों के अलावा जुगानी कलार, जुगानी कैंप, पश्चिम बोरगांव, पूर्वी बोरगांव एवं सिगारपुरी क्षेत्र में घर-घर जाकर जांच की। इस दौरान 1200 से अधिक घरों और 160 से अधिक प्रतिष्ठानों की सघन जांच की गई।

अभियान के दौरान बाहर से आकर क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों की मुसाफिर रजिस्टर में एंट्री कराई गई। मकान मालिकों को समाधान ऐप डाउनलोड कर किरायेदारों एवं अन्य निवासियों की जानकारी दर्ज करने के लिए भी जागरूक किया गया। पुलिस टीमों ने मटन,नाई,कबाड़ी सहित विभिन्न दुकानों एवं प्रतिष्ठानों की भी जांच की और वहां कार्यरत बाहरी अथवा असंगठित क्षेत्र के कर्मचारियों की जानकारी जुटाई।

पुलिस के अनुसार अभियान का उद्देश्य संदिग्ध एवं अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई करना,अपराध नियंत्रण तथा क्षेत्र में पुलिस की प्रभावी उपस्थिति सुनिश्चित करना है।

अपरिचित व्यक्ति दिखाई देने पर तत्काल थाना को सूचना दे

फरसगांव पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि आसपास कोई संदिग्ध व्यक्ति,अवैध प्रवासी,संदिग्ध फेरीवाला अथवा अपरिचित व्यक्ति दिखाई देने पर तत्काल थाना फरसगांव पुलिस को सूचना दें। इसके अलावा टोल फ्री नंबर 1800-233-1905 पर भी जानकारी दी जा सकती है। पुलिस ने कहा कि क्षेत्र में सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

उज्ज्वल को वाणिज्य विषय में पीएचडी की उपाधि

जगदलपुर/नवप्रदेश। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के वाणिज्य अध्ययनशाला में कार्यरत अतिथि व्याख्याता उज्ज्वल पुरी गोस्वामी को हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग द्वारा दर्शनशास्त्र में विद्यावारिधि (पीएच.डी.) की उपाधि प्रदान की गई है। उज्ज्वल ने छत्तीसगढ़ में स्वयं सहायता समूह-बैंक संबद्धता कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण आबादी की आर्थिक वृद्धि का अध्ययन विषय पर अपना शोधकार्य पूर्ण किया है।

यह शोधकार्य श्री शंकराचार्य व्यावसायिक विश्वविद्यालय, भिलाई के सहायक प्राध्यापक डॉ विमल कुमार के निर्देशन तथा कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय,भिलाई के पूर्व प्राचार्य डॉ आरपी अग्रवाल के सह-निर्देशन में पूर्ण किया गया। शोध में स्वयं सहायता समूह-बैंक संबद्धता कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण आर्थिक विकास एवं वित्तीय समावेशन के विभिन्न आयामों का अध्ययन किया गया है। उज्ज्वल की इस उपलब्धि पर गुरुजनों,सहकर्मियों,विद्यार्थियों,मित्रों एवं शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

चार वार्डों के रहवासियों ने प्रशासन से वैकल्पिक स्थल पर बाजार लगाने की मांग की

बस्तर दशहरा में राजवाड़ा परिसर में मीना बाजार की अनुमति के विरोध में हस्ताक्षर अभियान

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर दशहरा महापर्व के दौरान राजवाड़ा परिसर में मीना बाजार लगाए जाने की अनुमति नहीं देने की मांग को लेकर आसपास के चार वार्डों के रहवासियों ने हस्ताक्षर अभियान शुरू किया है। अभियान के माध्यम से जिला प्रशासन से राजवाड़ा परिसर के बजाय पर्याप्त पार्किंग एवं यातायात व्यवस्था वाले किसी वैकल्पिक स्थल पर मीना बाजार आयोजित कराने की मांग की जा रही है। हस्ताक्षरित ज्ञापन जल्द ही जिला प्रशासन को सौंपने की तैयारी है।

राजवाड़ा परिसर,सिरासार चौक सहित आसपास का क्षेत्र बस्तर दशहरा महापर्व के प्रमुख आयोजन स्थलों में शामिल है। दशहरा के दौरान बड़ी संख्या में बस्तर संभाग सहित प्रदेश और देश-विदेश से पर्यटक एवं श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि इसी अवधि में राजवाड़ा परिसर में मीना बाजार लगाए जाने से यातायात,पार्किंग और आवागमन की समस्या गंभीर हो जाती है। लोगों के मुताबिक बाजार में आने वाले वाहनों को घरों के सामने और संकरी गलियों में खड़ा किए जाने से जाम की स्थिति निर्मित होती है और रहवासियों को अपने घरों से निकलने तक में परेशानी होती है।

हस्ताक्षर अभियान से जुड़े लोगों के अनुसार शिवमंदिर वार्ड, भैरमदेव वार्ड, विजय वार्ड एवं सुभाष वार्ड के रहवासी प्रतिवर्ष मीना बाजार के दौरान होने वाली अव्यवस्थित पार्किंग और अनियंत्रित यातायात से प्रभावित होते हैं। उनका कहना है कि पूर्व में भी प्रशासन और मीना बाजार संचालकों को समस्या से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं हुआ।

ज्ञापन में प्रशासन से राजवाड़ा परिसर में मीना बाजार की अनुमति नहीं देने तथा वैकल्पिक स्थल निर्धारित करने का आग्रह किया गया है। साथ ही बाजार से प्राप्त होने वाले राजस्व की नियमानुसार वसूली सुनिश्चित करते हुए पर्याप्त पार्किंग वाले स्थान पर आयोजन कराने की मांग की गई है। रहवासियों ने चेतावनी दी है कि इसके बावजूद राजवाड़ा परिसर में मीना बाजार लगाने की अनुमति दी गई तो चारों वार्डों के निवासी आंदोलन करने के लिए विवश होंगे।

स्थानीय लोगों ने मीना बाजार को लेकर नगर निगम,जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि आयोजन के दौरान प्रशासन और पुलिस की व्यवस्थाओं के कारण बाजार को संरक्षण मिलता है। वहीं नगर निगम द्वारा अनुमति को लेकर जिला प्रशासन की अनुमति का हवाला दिए जाने की बात भी कही गई है। हालांकि इन आरोपों पर संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों का पक्ष सामने नहीं आया है। अभियान से जुड़े लोगों ने स्पष्ट किया है कि उनका विरोध मीना बाजार के आयोजन से नहीं,बल्कि उसे रिहायशी क्षेत्र और राजवाड़ा परिसर में लगाए जाने से है।

जगदलपुर के शिवमंदिर, भैरमदेव,विजय और सुभाष वार्ड के रहवासी हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से प्रशासन से वैकल्पिक स्थल पर मीना बाजार लगाने की मांग कर रहे हैं।

रहवासियों की प्रमुख मांगें

राजवाड़ा परिसर में मीना बाजार की अनुमति नहीं दी जाए। पर्याप्त पार्किंग वाले वैकल्पिक स्थल का चयन किया जाए। यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए आयोजन कराया जाए। बाजार से नियमानुसार राजस्व की वसूली सुनिश्चित की जाए। मांग पूरी नहीं होने पर चारों वार्डों के रहवासियों ने आंदोलन की चेतावनी दी है।

भारी बारिश की चेतावनी, 40 किमी की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

बिलासपुर/नवप्रदेश। प्रदेश के लोगों को पिछले कुछ दिनों से जिस बारिश का इंतजार था, वह अब खत्म होने जा रहा है। मौसम विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार 11 अगस्त से पूरे छत्तीसगढ़ में मानसून का असर काफी तेज देखने को मिलेगा। राज्य के ज्यादातर इलाकों में हल्की से मध्यम स्तर की बारिश तो होगी ही, लेकिन कुछ खास जिलों में मूसलाधार और अति भारी बारिश का दौर भी शुरू हो सकता है।

बिलासपुर और मुंगेली जैसे जिलों में तो एक-दो स्थानों पर इतनी तेज बारिश का अनुमान जताया गया है कि निचले इलाकों में पानी भरने का खतरा बढ़ सकता है। बारिश के साथ-साथ तेज हवाओं और बिजली चमकने का भी सिलसिला जारी रहने वाला है। अगर अगले 24 घंटों की बात करें, तो मानसून की गतिविधियों में काफी तेजी आने वाली है। उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश और उससे सटे छत्तीसगढ़ के हिस्सों पर बने कम दबाव के क्षेत्र की वजह से मौसम का यह रुख बदल रहा है। इस सिस्टम का सबसे ज्यादा असर उत्तरी छत्तीसगढ़ के इलाकों में देखने को मिलेगा, जहां कई स्थानों पर बादलों की गड़गड़ाहट के साथ भारी बारिश हो सकती है। दिन भर रूक-रूक कर बौछारें पड़ने और आसमान में घने बादल छाए रहने से तापमान में भी गिरावट आने की उम्मीद है। मौसम केंद्र ने प्रदेश के लगभग सभी प्रमुख जिलों के लिए सतर्क रहने की सलाह दी है। बिलासपुर, रायगढ़, कोरबा, जशपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया और बलरामपुर जैसे क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ बारिश का अंदेशा है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की पूरी संभावना है।

तेज हवाओं के साथ बारिश

अगर आप रायपुर या उसके आसपास के इलाकों में रहते हैं, तो 11 अगस्त को आपको अपना छाता या रेनकोट साथ रखकर ही बाहर निकलना होगा। बिलासपुर में दिनभर घने बादलों का डेरा रहेगा और दो-तीन बार तेज हवाओं के साथ अच्छी बौछारें पड़ सकती हैं। इस दौरान अधिकतम तापमान करीब 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास बने रहने की संभावना है, जिससे लोगों को उमस और गर्मी से काफी राहत मिलेगी।

उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा पर सिस्टम सक्रिय

आसमान से बरस रही इस राहत की वजह एक मजबूत वेदर सिस्टम है। 9 अगस्त की दोपहर तक उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा पर एक लो प्रेशर एरिया पूरी तरह से सक्रिय हो चुका था। इसके साथ ही एक चक्रवाती हवाओं का घेरा भी काम कर रहा है, जिसे मानसून ट्रफ से भी लगातार ताकत मिल रही है। इन तीनों सिस्टम के एक साथ एक्टिव होने के कारण ही पूरे प्रदेश में नमी बढ़ रही है और आने वाले कम से कम दो से तीन दिनों तक प्रदेश भर में झमाझम बारिश की यह स्थिति बनी रहेगी। अगर पिछले 24 घंटों के आंकड़ों पर नजर डालें, तो राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम दर्ज की बारिश दर्ज की गई। बारिश और बादलों की आवाजाही के चलते पारे में बहुत ज्यादा बढ़ोतरी देखने को नहीं मिली। बेमेतरा में अधिकतम तापमान सबसे ज्यादा 32.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा सक्ती और सुकमा में 31.6 डिग्री, बलरामपुर-रामानुजगंज में 31.2 डिग्री और गरियाबंद में तापमान 30.9 डिग्री सेल्सियस के आसपास रिकॉर्ड हुआ।

न्यूज गैलरी

जय सिंह ने किया देहदान की घोषणा

सीपत/नवप्रदेश। ग्राम पंचायत जांजी निवासी जय सिंह ठाकुर ने एक अनुकरणीय एवं प्रेरणादायी पहल करते हुए मृत्यु उपरांत अपना शरीर चिकित्सा शिक्षा एवं अध्ययन अध्यापन के लिए दान करने का संकल्प लिया है। जय सिंह ठाकुर ने छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान के शरीर रचना विभाग में निर्धारित प्रक्रिया के तहत मृत्यु उपरांत शरीर दान घोषणा-पत्र प्रस्तुत किया है। उनके इस निर्णय का उद्देश्य मृत्यु के बाद भी मानव शरीर को चिकित्सा शिक्षा और भावी चिकित्सकों के अध्ययन के काम में लाना है। जय सिंह ठाकुर सामाजिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रहने वाले व्यक्ति हैं। वे अपने क्षेत्र में ईमानदार, कर्मठ और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यकर्ता के रूप में अपनी पहचान रखते हैं।

क्लर्क हुआ सर्पदंश का शिकार, गंभीर

बिलासपुर/नवप्रदेश। तेज बारिश के दौरान घर में घुसे जहरीले करैत सांप को बाहर निकालने की कोशिश करना गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के क्लर्क को भारी पड़ गया। सांप ने उन्हें डस लिया, जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई। परिजनों ने तत्काल उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। घटना शनिवार देर शाम की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार शिवम होम्स, नूतन चौक निवासी विजय शर्मा 50 वर्ष गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में क्लर्क के पद पर कार्यरत हैं। शनिवार को बिलासपुर में तेज बारिश के कारण कई इलाकों में पानी भरने लगा था। इसी दौरान पानी के बहाव के साथ एक करैत सांप उनके घर में घुस आया। घर के अंदर सांप को देखकर परिजन घबरा गए। सांप को बाहर निकालने के लिए विजय शर्मा खुद आगे आए। इसी दौरान उन्होंने जैसे ही सांप को हटाने की कोशिश की, करैत ने उन पर हमला कर दिया और डस लिया। सर्पदंश के कुछ ही देर बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजनों ने बिना देर किए उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है।

लेनोवो लीप नेक्स्टजेन स्कॉलर्स प्रोग्राम के तहत एआई ओरिएंटेशन वर्कशॉप

सीजीआईटी के 158 विद्यार्थियों ने समझी एआई की ताकत, करियर के नए अवसरों पर हुआ मंथन

बिलासपुर/नवप्रदेश। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तेजी से शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र को बदल रहा है। इसी बदलते दौर में विद्यार्थियों को एआई और आधुनिक डिजिटल तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ प्रौद्योगिकी संस्थान (सीजीआईटी) में लेनोवो लीप नेक्स्टजेन स्कॉलर्स प्रोग्राम के तहत एआई ओरिएंटेशन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के 158 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

सीएसआर बॉक्स गतिविधि के अंतर्गत आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जनरेटिव एआई, एआई ऑटोमेशन, फुल-स्टैक डेवलपमेंट और साइबर सिक्योरिटी जैसी तेजी से उभरती तकनीकों की जानकारी देना और उन्हें उद्योग की जरूरतों के अनुरूप रोजगारपरक कौशल से जोड़ना रहा। कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन अंकुश कुमार, एआई-इंटीग्रेटेड फुल-स्टैक डेवलपर, जनरेटिव एआई ट्रेनर एवं मेंटर ने विद्यार्थियों को एआई के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उद्योग जगत में एआई की भूमिका लगातार बढ़ रही है और आने वाले समय में तकनीकी दक्षता रखने वाले युवाओं के लिए रोजगार एवं करियर के नए अवसर सामने आएंगे। विद्यार्थियों को आधुनिक डिजिटल टूल्स के उपयोग और उद्योग में उनकी उपयोगिता से भी अवगत कराया गया।

प्रोजेक्ट से सर्टिफिकेशन तक मिली जानकारी

कार्यशाला में विद्यार्थियों को केवल तकनीकी जानकारी ही नहीं दी गई, बल्कि प्रोजेक्ट आधारित लर्निंग, मेंटरशिप, सर्टिफिकेशन और इंडस्ट्री-ओरिएंटेड करियर अवसरों के बारे में भी विस्तार से बताया गया। एआई और अन्य उभरती तकनीकों को लेकर विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के प्राचार्य डॉ. एस.के. सिंघई के मार्गदर्शन में हुआ। इसके सफल आयोजन में नोडल अधिकारी प्रो. संदीप साहू, सहायक प्राध्यापक, मैकेनिकल इंजीनियरिंग तथा सहायक नोडल अधिकारी प्रो. सोनिया बाघवा, सहायक प्राध्यापक, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्राचार्य डॉ. सिंघई ने कहा कि तकनीकी शिक्षा के साथ उद्योगोन्मुखी कौशल आज विद्यार्थियों की सबसे बड़ी जरूरत है। ऐसे कार्यक्रम युवाओं को एआई और उभरती तकनीकों की चुनौतियों के लिए तैयार करने के साथ उन्हें रोजगार, नवाचार और उद्यमिता के नए अवसरों से जोड़ने में महत्वपूर्ण साबित होंगे। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन के लिए लेनोवो, लेनोवो लीप स्किलिंग इनिशिएटिव तथा भारतकेयर्स/सीएसआरबॉक्स के प्रति आभार व्यक्त किया।

खूंटाघाट जलाशय में 9.69 फीसदी ज्यादा पानी

वेस्ट वियर से 2966.95 क्यूसेक पानी की निकासी, 24 घंटे में 5 मिमी बारिश

बिलासपुर/नवप्रदेश। लगातार बारिश के चलते खारंग (खूंटाघाट) जलाशय एक बार फिर लबालब हो गया है। सोमवार सुबह 7 बजे जारी गेज रिपोर्ट के अनुसार जलाशय में 210.97 मिलियन घन मीटर पानी भरा हुआ है, जो इसकी निर्धारित अधिकतम जलभराव क्षमता 192.32 मिलियन घन मीटर का 109.69 प्रतिशत है। जलाशय का जलस्तर पूर्ण जलभराव स्तर 294.03 मीटर के मुकाबले बढ़कर 294.52 मीटर पहुंच गया है।

पिछले 24 घंटे में जलाशय क्षेत्र में 5 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि अब तक कुल 1245 मिमी वर्षा हो चुकी है। जलस्तर बढ़ने के साथ जलाशय के वेस्ट वियर से 2966.95 क्यूसेक पानी बाहर निकल रहा है। वहीं बायीं तट नहर में पानी का प्रवाह शून्य और दायीं तट नहर में 15 क्यूसेक दर्ज किया गया है। खूंटाघाट जलाशय में इस साल पानी की स्थिति पिछले वर्ष की तुलना में भी अधिक है। 10 अगस्त 2025 को जलभराव 199.34 मिलियन घन मीटर (103.65 प्रतिशत) था, जबकि इस वर्ष इसी तारीख को यह बढ़कर 210.97 मिलियन घन मीटर (109.69 प्रतिशत) पहुंच गया है। हालांकि 10 अगस्त 2024 को जलाशय में इससे भी अधिक 221.35 मिलियन घन मीटर (115.09 प्रतिशत) जलभराव दर्ज किया गया था। जलाशय के पूर्ण जलभराव स्तर से 0.49 मीटर ऊपर पानी पहुंचने और वेस्ट वियर से करीब तीन हजार क्यूसेक पानी बहने के कारण नदी-नालों के जलस्तर पर भी नजर रखी जा रही है। लगातार हो रही बारिश के बीच जलाशय में पानी की आवक बनी रहने से आने वाले दिनों में जलनिकासी बढ़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

दैहिक शोषण व लाखों की ठगी के आरोपी दंपती गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। शादी का झांसा देकर दैहिक शोषण एवं नौकरी लगाने के नाम पर लाखों रुपए के जेवर व नकदी की ठगी करने वाले आरोपी को पत्नी सहित दिल्ली से तोरवा पुलिस ने गिरफ्तार किया गया है। आरोपी स्वयं को अविवाहित बताकर सोशल मीडिया मैट्रिमोनियल साइट के माध्यम से पीड़िता को निशाना बनाया था। आरोपी के खिलाफ करीब 12-13 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवर व नगदी की ठगी का आरोप है।

कोरबा निवासी पीड़िता द्वारा 9 अगस्त को थाना तोरवा में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसकी पहचान सोशल मीडिया मैट्रिमोनियल साइट 'शादी डॉट कॉम' के माध्यम से पामगढ़, जांजगीर-चांपा निवासी पवन कुमार यादव से हुई थी। आरोपी पवन यादव द्वारा स्वयं को अविवाहित बताकर पीड़िता को अपने विश्वास में लिया गया तथा शादी का आश्वासन देकर उसके साथ दैहिक शोषण किया गया। इसके पश्चात आरोपी द्वारा पीड़िता को नौकरी लगाने का झांसा देकर उससे नगदी एवं सोने-चांदी के जेवर प्राप्त किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 12-13 लाख रुपये बताई गई है। घटना के बाद आरोपी अपने ठिकाने से फरार हो गया तथा अपनी पत्नी सहित लगातार स्थान बदलकर पुलिस से बचने का प्रयास कर रहा था। प्रकरण पंजीबद्ध होने के बाद थाना तोरवा पुलिस द्वारा आरोपियों की तलाश के लिए उनके संभावित ठिकानों पामगढ़ तथा सरकंडा, बिलासपुर स्थित ससुराल में लगातार दबिश दी गई। आरोपी का मोबाइल नंबर बंद पाया गया तथा वह घटना के बाद से फरार था। फरार आरोपी की गिरफ्तारी हेतु वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर 5,000/- का इनाम घोषित किया गया। इसके बावजूद आरोपी के संबंध में कोई ठोस जानकारी प्राप्त नहीं हो रही थी। तोरवा पुलिस द्वारा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पतासाजी जारी रखी गई। आरोपी के मोबाइल नंबर एवं विभिन्न बैंक खातों की जानकारी का विश्लेषण किया गया।

जांच में आरोपी के अधिकांश बैंक खाते बंद पाए गए, जबकि उसकी पत्नी नवीता यादव के एक बैंक खाते में लेन-देन जारी पाया गया। उक्त खाते के ट्रांजेक्शन की जांच करने पर बैंक खाते से बल्लभगढ़, हरियाणा क्षेत्र में राशि की निकासी होना पाया गया। इस महत्वपूर्ण सुराग के आधार पर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराते हुए थाना तोरवा की पुलिस टीम को दिल्ली/हरियाणा क्षेत्र रवाना किया गया।

आदिवासी समाज छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपरा का मजबूत प्रहरी : विधायक लहरिया

लुतरा में रैली के साथ मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी दिवस, लाइब्रेरी के लिए 5 लाख देने की घोषणा

सीपत/नवप्रदेश। ग्राम लुतरा शरीफ में अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी दिवस हर्षोल्लास और सामाजिक एकजुटता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आदिवासी समाज ने रैली निकालकर भाईचारा, एकता और मानवता का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा आदिवासी समाज के इष्ट देवों की प्रतिमाओं के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की गई। कार्यक्रम में समाज की ओर से सर्वसमाज के लिए सर्वसुविधायुक्त लाइब्रेरी एवं भवन की मांग विधायक के समक्ष रखी गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मस्तूरी विधायक दिलीप लहरिया ने कहा कि आदिवासी समाज जल, जंगल और जमीन की रक्षा के साथ साथ छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा और सभ्यता को सहेजने में सदैव अग्रणी रहा है। समाज की प्रगति के लिए शिक्षा को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि समाज शिक्षित बने, संगठित रहे और संस्कारवान बने, यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के साथ उन्हें संस्कारवान बनाना भी हमारी जिम्मेदारी है। लहरिया ने कहा कि ऐसे सामाजिक आयोजनों से नई पीढ़ी में जागरूकता और जिज्ञासा पैदा होती है तथा बच्चे अपनी संस्कृति, परंपरा और समाज के प्रति जुड़ाव महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए वे सभी के आशीर्वाद से संकल्प लेकर लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भी वे देश-प्रदेश में कहीं जाते हैं, तो मल्हार और लुतरा शरीफ का नाम गर्व के साथ लेते हैं। उन्होंने समाज की मांग पर सर्वसमाज के उपयोग के लिए बनने वाली लाइब्रेरी हेतु 5 लाख रुपए देने की घोषणा की। अखिल गोंड समाज महासभा जेवरा के सचिव जीपी राज ने कहा कि शिक्षा के बिना कोई भी समाज आगे नहीं बढ़ सकता। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करने तथा समाज को संगठित रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के आदर्शों को आत्मसात करते हुए शिक्षित बनें, संगठित रहें और संघर्ष करें, तभी समाज मजबूत और विकास की दिशा में आगे बढ़ेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच चंद्रमणि मेरावी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में जीपी राज, भागवत सिंह आर्मोर, देवेश शर्मा सदस्य जनपद पंचायत मस्तूरी, प्रदीप पाण्डेय अध्यक्ष प्रेस क्लब सीपत, नारायण सिंह मेरावी, कार्तिक सिंह मेरावी, लखन धूलिया, किसान नेता प्रमोद जायसवाल, भरत मरकाम, सोहन पावले, भागीरथी पोर्ते, इंतजामिया कमेटी अध्यक्ष इकबाल हक एवं उमेश कश्यप उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समाज के प्रमुख लोगों में गोंडवाना कर्मचारी संघ अध्यक्ष राजेंद्र पोर्ते, सचिव पुष्कर मेरावी, चन्द्रलाल कमरो, कुबेर मेरावी, शत्रुहन मेरावी उपस्थित थे।

आयोजन: परेड की सलामी लेंगे और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जन संदेश पढ़ेंगे, सभी सरकारी भवनों को सजाया जा रहा

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन पुलिस मैदान में करेंगे ध्वजारोहण

बिलासपुर/नवप्रदेश। सामान्य प्रशासन विभाग ने आगामी स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के राज्यस्तरीय एवं जिला स्तरीय समारोहों के लिए मुख्य अतिथियों की सूची और आवश्यक दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं।

जारी आदेश के अनुसार केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू बिलासपुर जिला मुख्यालय में आयोजित मुख्य समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे, परेड की सलामी लेंगे तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री का जन-संदेश पढ़ेंगे। राज्य के मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर में ध्वजारोहण करेंगे। वहीं दुर्ग में उप मुख्यमंत्री अरूण साव, बस्तर में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और राजनांदगांव में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह मुख्य अतिथि होंगे। जिला मुख्यालयों में मुख्य समारोह प्रातः 9 बजे प्रारंभ होगा। केवल जिला स्तर पर पुलिस, एनसीसी और सुरक्षा बलों द्वारा भव्य परेड का आयोजन किया जाएगा। सभी शासकीय कार्यालयों में ध्वजारोहण प्रातः 9 बजे से पहले पूर्ण करना अनिवार्य होगा, ताकि अधिकारी-कर्मचारी मुख्य समारोह में शामिल हो सकें। नगरीय व जनपद निकायों में संबंधित अध्यक्षों तथा ग्रामों में सरपंचों द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। राष्ट्रगान से पूर्व 'वंदे मातरम' का गायन अनिवार्य रहेगा। स्वतंत्रता दिवस की संध्या पर राज्य के सभी प्रमुख शासकीय भवनों को आकर्षक रोशनी से सजाया जाएगा। इसके साथ ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा शहीद परिवारों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने बादाम एवं बेल के पौधे रोपे

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तथा सांसद तोखन साहू ने मैत्रीपुरम कॉलोनी, उसलापुर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में सहभागिता कर बादाम एवं बेल के पौधे रोपित किए। श्री साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर शुरू हुआ 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बन रहा है। यह अभियान प्रकृति संरक्षण के साथ मातृशक्ति के प्रति सम्मान की भावना को भी सशक्त करता है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा राष्ट्रसेवा, जनभागीदारी, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के मूल भाव से प्रेरित है। पर्यावरण की रक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया।

आदर्श नगर में हरियाली की पहल 50 फलदार-छायादार पौधे रोपे

बिलासपुर/नवप्रदेश। पर्यावरण संरक्षण और शहर में हरियाली बढ़ाने की दिशा में आदर्श नगर (चीकू बाड़ी), देवरीखुर्द के रहवासियों ने रविवार को अनूठी पहल की। मोहल्ले के सदस्यों ने मिलकर 50 फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया। पौधे लगाने के साथ ही उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सदस्यों ने स्वयं उठाई।आंवला, जामुन , नीम, करन, बेल, पारस पीपल, सिंदूरी, अनार, आम, अमरूद के पौधे रोपे गए। पौधों को मवेशियों और अन्य नुकसान से बचाने के लिए सदस्यों ने अपने स्तर पर लोहे की जालियां लगाकर सुरक्षा व्यवस्था की। पौधे लगाने के साथ उनकी देखभाल और सुरक्षा में भी भागीदारी निभाई। सरस्वती पाटले, मीनू, प्रियंका, पुनीता, निशु, पम्मी और सीमा का योगदान विशेष रूप से सराहनीय रहा।

बेरला क्षेत्र में सिंचाई कार्यालय का अभाव, तांदुला जल संसाधन विभाग दुर्ग के भरोसे अन्नदाता

■ ब्लॉक व जिले में नहीं हैं तांदुला जल संसाधन विभाग दुर्ग का विभागीय कार्यालय व अधिकारी

बेमेतरा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है और किसान देश के अन्नदाता हैं, लेकिन बेमेतरा जिले के बेरला क्षेत्र के किसानों को एक अदद पानी की समस्या के समाधान के लिए एक जिले से दूसरे जिले का सफर तय करना पड़ रहा है। बेरला विकासखंड के लगभग 115-120 गांवों का ग्रामीण क्षेत्र सिंचाई विभाग के तांदुला जल संसाधन विभाग दुर्ग के अंतर्गत आते हैं। विडंबना यह है कि इस विभाग का मुख्य कार्यालय बेरला ब्लॉक या बेमेतरा जिले में न होकर पड़ोसी जिले दुर्ग में स्थित है। स्थानीय स्तर पर कार्यालय न होने के कारण क्षेत्रवासी और किसान सालों से परेशान हैं।

बेरला के 100 में 90 पंचायतों का क्षेत्र तांदुला में: ज्ञात हो कि बेमेतरा जिले के बेरला ब्लाक में कुल 100 ग्राम पंचायत आते हैं, जिनमें से लगभग 85-90 ग्राम पंचायतों के 120 गांवों का क्षेत्र तांदुला जल संसाधन विभाग दुर्ग के अंतर्गत आता हैं। कुल 100 ग्राम पंचायतों में से मात्र 10-15 ग्राम पंचायतों के क्षेत्र ही बेमेतरा जिले में आते हैं।

नदियां हैं विभाजन रेखा: बेमेतरा जिलें के बेरला ब्लाक के ग्राम पंचायतों का विभाजन नदियों के द्वारा किया गया है। जिसके तहत बेमेतरा से बेरला मार्ग पर ग्राम अमोरा में स्थित शिवनाथ नदी के इस ओर बेमेतरा व उस ओर दुर्ग जिला में विभाजित किया गया है। वैसे ही कोदवा से बेरला मार्ग पर ग्राम परपोड़ा में स्थित शिवनाथ नदी के इस ओर बेमेतरा व उस ओर दुर्ग जिला में विभाजित किया गया है। बेमेतरा जिला क्षेत्र के ग्रामों में सिंचाई के लिए जल संसाधन विभाग बेमेतरा द्वारा कार्य किया जाता हैं, वहीं दुर्ग जिला क्षेत्र के ग्रामों में सिंचाई के लिए तांदुला जल संसाधन विभाग दुर्ग के द्वारा कार्य किया जाता हैं।

"इस संबंध में विभाग से जानकारी लेकर पता करती हूं।
- **प्रतिष्ठा ममगाई**, कलेक्टर बेमेतरा

दफ्तरों के चक्कर में कट रहा किसानों का समय

बेरला क्षेत्र के लगभग 120 गांवों की कृषि भूमि और सिंचाई व्यवस्था पूरी तरह से तांदुला विभाग दुर्ग के अधीन है। क्षेत्र में सिंचाई की नई सुविधाएं, नहरों व बांधों का निर्माण, संधारण (रखरखाव) और किसी भी कार्य की प्रशासनिक या तकनीकी स्वीकृति का पूरा जिम्मा दुर्ग कार्यालय के पास है। हालत यह है कि यदि किसी किसान को पानी की समस्या, नहर टूटने या सिंचाई से जुड़ी कोई छोटी सी भी शिकायत या आवेदन देना हो, तो उसे अपना काम-काज छोड़कर दुर्ग जाना पड़ता है।

किसानों का दर्द : 'फसल के समय जब पानी की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तब अधिकारी स्थानीय स्तर पर मिलते नहीं। एक छोटे से आवेदन पर दस्तखत कराने के लिए हमें पूरा दिन और पैसा खर्च करके दुर्ग जाना पड़ता है। वहां भी साहब मिलेंगे या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं होती।'

प्रमुख समस्याएं जो झेल रहे हैं क्षेत्रवासी

समय और पैसे की बर्बादी: बेमेतरा जिले के सुदूर गांवों से दुर्ग की दूरी तय करने में किसानों का भारी समय और पैसा बर्बाद होता है।

अधिकारियों से संपर्क का अभाव: स्थानीय स्तर पर कोई जिम्मेदार अधिकारी या कंट्रोल रूम न होने से आपात स्थिति (जैसे नहरों में पानी छोड़ना या रोकना) में किसानों की सुनवाई नहीं हो पाती।

विकास कार्यों में लेत-लतीफी: बेरला क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, नहरों की मरम्मत और नए निर्माण कार्यों की फाइलें दुर्ग कार्यालय में ही दबी रह जाती हैं।

क्षेत्रवासियों की मांग: बेरला में खुले उप-संभाग कार्यालय स्थानीय ग्रामीणों, प्रगतिशील किसानों और जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से मांग की है कि किसानों की इस गंभीर समस्या को देखते हुए तांदुला विभाग का एक उप-संभाग कार्यालय या कम से कम एक नोडल डेस्क बेरला ब्लॉक मुख्यालय में अनिवार्य रूप से खोला जाए।

बेरला खुद हैं एक बड़ा विकासखंड

जब बेरला खुद में एक बड़ा विकासखंड है, जहां कुल 100 ग्राम पंचायतें आती हैं, जिनमें से लगभग 85-90 ग्राम पंचायतों का क्षेत्र तांदुला जल संसाधन विभाग दुर्ग के अंतर्गत आता हैं, तो यहाँ के किसानों को अपने हक के पानी और सुविधाओं के लिए दूसरे जिले पर निर्भर क्यों रखा जा रहा है? अब देखना यह है कि शासन-प्रशासन इस गंभीर मुद्दे पर कब तक संज्ञान लेता है और बेरला के अन्नदाताओं को इस मानसिक और आर्थिक प्रताड़ना से कब मुक्ति मिलती है।

न्यूज गैलरी

मध्य प्रदेश से शराब तस्करी करते दो आरोपी बोलेरो सहित गिरफ्तार

खैरागढ़/नवप्रदेश। पुलिस लिखे बोलेरो वाहन मे मप्र से शराब तस्करी कर कोंडागांव ले जा रहे दो तस्करो को सूचना के बाद गातापार पुलिस ने धर दबोचा । पकड़ाए दोनो आरोपियो के कब्जे से पुलिस ने 25 पेटी मप्र निर्मित अंग्रेजी शराब गोवा और बोलेरो वाहन जप्त किया है । एएसपी रूपेश डांडे ने बताया कि मप्र के करंजा शराब दुकान से पुलिस लिखे वाहन मे अवैध शराब की तस्करी की सूचना के बाद गातापार पुलिस और साइबर सेल की मदद से मप्र की ओर से आ रहे बोलेरो की जांच की गई । बोलेरो मे 25 पेटी मप्र निर्मित गोवा शराब के साथ आरोपी अंकित नामदेव 35 वर्ष और सुभम सरकार 30 वर्ष दोनो बीएनके कालोनी कोंडागांव को पकड़ा गया । अवैध शराब की बड़ी खेप आरोपी कोंडागांव ले जा रहे थे । पुलिस ने आरोपियो को गिरफ्तार कर शराब और बोलेरो जप्त कर आरोपियो के खिलाफ आबकारी एक्ट 34-2 के तहत कार्यवाही कर जेल भेजा है ।

शादी एप में विवाह का झांसा देकर युवती से ठगी का आरोपी गिरफ्तार

खैरागढ़/नवप्रदेश । मेटिमोनियल साइट जीवनसाथी एप मे आई डी बनाकर युवती को शादी का झांसा देकर 1 लाख 67 हजार रू की ठगी के आरोपी को पुलिस ने कोरबा से गिरफ्तार कर जेल भेजा है ।

एएसपी रूपेश डांडे ने बताया कि छुईखदान थाना क्षेत्र की पीड़िता ने थाने मे इसकी शिकायत दर्ज कराते बताया था कि आरोपी रोहित यादव से जीवनसाथी एप मे विवाह संबंधी परिचय हुआ था । बातचीत के दौरान आरोपी रोहित द्वारा प्रार्थिया के व्यक्तिगत जानकारी एवं फोटो लेकर उसे वाइरल करने की धमकी देकर प्रार्थिया से फोन के माध्यम से जुलाई से अगस्त के बीच 1 लाख 67 हजार रू की ठगी की है। मामले मे छुईखदान पुलिस ने अपराध दर्ज कर धारा 308 -2 और 318 -4 के तहत कार्यवही करते पुलिस टीम आरोपी की तलाश मे भेजी गई थी। खोजबीन के बाद आरोपी रोहित यादव 31 वर्ष को पुलिस ने कोरबा मे गिरफ्तार किया। आरोपी मूलत बिलासपूर का रहने वाला है। आरोपी रोहित को गिरफ्तार कर पुलिस ने न्यायालय मे पेश किया है।

भखारा के शासकीय आईटीआई परिसर में आकार ले रहा 'ऑपरेशन सिंदूर उद्यान'

धमतरी/नवप्रदेश। शासकीय आईटीआई परिसर भखारा में पर्यावरण वानिकी मद से लगभग 31 लाख रुपए की लागत से विकसित किया गया 'ऑपरेशन सिंदूर उद्यान' अब अपने स्वरूप में निखरने लगा है। उद्यान में लगाए गए विभिन्न प्रजातियों के पौधे धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं और परिसर में हरियाली की सुंदर छटा दिखाई देने लगी है। कभी अपेक्षाकृत खाली नजर आने वाला परिसर अब हरे-भरे वातावरण और व्यवस्थित पौधरोपण के कारण आकर्षण का केंद्र बन रहा है। इस उद्यान का निर्माण पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र के विस्तार तथा नागरिकों और विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं प्राकृतिक वातावरण उपलब्ध कराने की दृष्टि से किया गया है। उद्यान में औषधीय, फलदार एवं छायादार प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं। इनके विकसित होने के साथ ही परिसर में न केवल हरियाली बढ़ रही है, बल्कि भविष्य में यह स्थान विद्यार्थियों और स्थानीय नागरिकों के लिए प्रकृति के निकट समय बिताने तथा पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का उपयोगी स्थल भी बनेगा। उल्लेखनीय है कि शासकीय आईटीआई भखारा परिसर में लगभग 31 लाख रुपए की लागत से निर्मित 'ऑपरेशन सिंदूर उद्यान' का लोकार्पण विगत अप्रैल माह में क्षेत्रीय विधायक अजय चंद्राकर द्वारा किया गया था। इसके साथ ही मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत लाइवलीहुड (भखारा-भठेली) केंद्र का उद्घाटन भी किया गया तथा युवाओं को प्रशिक्षण किट प्रदान की गई। इन पहलों के माध्यम से क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ युवाओं के कौशल विकास, रोजगार और आत्मनिर्भरता के अवसरों को भी बढ़ावा देने का प्रयास किया गया है। वर्तमान में उद्यान में पौधों की बढ़ती हरियाली और विकसित होता स्वरूप इस पहल के सकारात्मक परिणामों को दर्शा रहा है। आने वाले समय में पेड़-पौधों के और विकसित होने के साथ यह उद्यान भखारा क्षेत्र के लिए एक सुंदर हरित स्थल के रूप में अपनी पहचान बनाएगा।

कभी नक्सलियों ने 123 स्कूलों को बनाया था निशाना, अब वहां गूंज रही बच्चों की किलकारी

नक्सलवाद का खात्मा: बस्तर के गांवों में लौट रही शिक्षा, 80 नए स्कूल खोलने का प्रस्ताव

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर संभाग में नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक बढ़त के साथ अब उन गांवों में शिक्षा व्यवस्था भी लौटने लगी है, जहां कभी नक्सलियों ने स्कूलों को निशाना बनाकर बच्चों को पढ़ाई से दूर कर दिया था। वर्ष 2005-06 में सुकमा, बीजापुर और नारायणपुर जिलों में नक्सलियों ने 123 स्कूलों को बम से उड़ा दिया था या आग के हवाले कर दिया था। इसके चलते लंबे समय तक इन क्षेत्रों में बच्चों की शिक्षा प्रभावित रही।

अब सुरक्षा स्थिति में सुधार के साथ इन्हीं इलाकों में बंद पड़े स्कूलों को फिर से शुरू किया जा रहा है। शिक्षा विभाग ने ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का नेटवर्क और मजबूत करने के लिए 80 नए स्कूल खोलने का प्रस्ताव शासन को भेजा है। मंजूरी मिलने के बाद इन स्कूलों का निर्माण वीवीजी रामजी योजना के तहत किया जाएगा। नक्सली संगठन सरकारी स्कूलों को केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की मौजूदगी के प्रतीक के रूप में देखते थे।

स्कूलों में शिक्षक पहुंचते थे, बच्चों को शिक्षा मिलती थी और ग्रामीणों तक शासन की योजनाओं एवं प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी पहुंचती थी। यही वजह थी कि नक्सलियों ने कई इलाकों में स्कूल भवनों को निशाना बनाया। स्कूल बंद होने का सीधा असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ा। गांव में स्कूल नहीं होने के कारण छोटे बच्चों को दूरस्थ क्षेत्रों में जाना पड़ता था। सुरक्षा एवं आवागमन की कठिनाइयों के चलते बड़ी संख्या में बच्चे लंबे समय तक नियमित शिक्षा से दूर रहे।

स्कूल खुला, व्यवस्था अधूरी

दो दशक पहले जिन स्कूल भवनों को नक्सलियों ने निशाना बनाकर शिक्षा व्यवस्था को कमजोर किया था,अब उन्हीं क्षेत्रों में बच्चों के लिए फिर से स्कूल खुल रहे हैं। स्कूल बंद होने के दौरान कई परिवारों ने बच्चों को छात्रावासों में भेजा,लेकिन यह व्यवस्था भी सभी बच्चों के लिए पर्याप्त नहीं थी। इससे बच्चों और उनके माता-पिता के बीच दूरी भी बढ़ी। अब सुरक्षा स्थिति बेहतर होने के बाद गांवों में स्कूलों की वापसी से ग्रामीणों में भी उत्साह है।

2024 में 41, 2026 में 52 बंद स्कूल फिर शुरू

शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक एचआर सोम ने रविवार को बताया कि बीजापुर में 35, सुकमा में 19, नारायणपुर में 25 और दंतेवाड़ा में एक बंद पड़े स्कूल को दोबारा शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में 41 स्कूलों में दोबारा पढ़ाई शुरू हुई, जिनमें 532 बच्चों ने प्रवेश लिया। वहीं वर्ष 2026 में 52 और लंबे समय से बंद स्कूलों को शुरू किया गया, जहां एक हजार से अधिक बच्चों ने दाखिला लिया है।

कलेक्टर के दौरे में ग्रामीणों ने की स्कूल खोलने की मांग

हाल ही में सुकमा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कलेक्टर के दौरे के दौरान ग्रामीणों ने स्कूल खोलने की मांग रखी थी। इसके बाद 80 नए स्कूल खोलने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। यह प्रस्ताव इस बात का संकेत भी है कि लंबे समय तक हिंसा से प्रभावित रहे इन क्षेत्रों में अब ग्रामीण शिक्षा को लेकर अपनी जरूरतें प्रशासन के सामने मजबूती से रख रहे हैं।

जम्मू से लौटे आरोपी के घर पुलिस की दबिश, नाबालिग सकुशल बरामद

■ पुसौर पुलिस को बड़ी सफलता

रायगढ़/नवप्रदेश।। एसएसपी शशि मोहन सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान संवेदना के तहत पुसौर पुलिस ने करीब छह महीने से लापता 16 वर्षीय नाबालिग बालिका को सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने बालिका को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने वाले 22 वर्षीय युवक को भी गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफअपहरण एवं दुष्कर्म के मामले में भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार 16 वर्षीय नाबालिग 18 फरवरी 2026 को अपने घर से बिना बताए कहीं चली गई थी। परिजनों द्वारा आसपास और रिश्तेदारों के यहां तलाश करने के बाद भी उसका पता नहीं चला। इसके बाद 22 फरवरी को थाना पुसौर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 40/2026, धारा 137(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने बालिका के परिजनों और सहेलियों से पूछताछ कर लगातार पतासाजी की। पुलिस को जानकारी मिली कि बालिका एक संदेही युवक के साथ जम्मू में हो सकती है। इसके बाद एसआई कुंदन लाल गौर के नेतृत्व में पुसौर पुलिस की टीम जम्मू रवाना की गई और वहां बालिका की तलाश शुरू की गई। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि बालिका और संदेही युवक जम्मू से वापस सारंगढ़-बिलाईगढ़ क्षेत्र में लौट आए हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक हर्षवर्धन सिंह बैस के नेतृत्व में पुलिस टीम और बालिका के परिजनों को साथ लेकर संदेही युवक के ठिकाने पर दबिश दी गई। बिलाईगढ़ स्थित आरोपी के घर से 16 वर्षीय नाबालिग बालिका को सकुशल बरामद कर पुलिस ने अपने संरक्षण में लिया और आरोपी को गिरफ्तार कर बालिका सहित थाना पुसौर लाया गया।

अब महिला जनप्रतिनिधियों के पति और रिश्तेदार नहीं बन पाएंगे प्रतिनिधि

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार ने नगरीय निकायों में निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों के परिजनों को प्रतिनिधि या समन्वयक के रूप में नामित करने पर रोक लगा दी है। इस संबंध में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने राजपत्र में अधिसूचना प्रकाशित की है। राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ नगरपालिक (लोकसभा सदस्य, राज्य विधानसभा सदस्य या राज्यसभा सदस्य द्वारा प्रतिनिधि के रूप में नाम निर्देशन हेतु अर्हताएँ) नियम, 2022 में संशोधन करते हुए नया प्रावधान जोड़ा है।नियम 3 के बाद नया नियम 4 जोड़ा गया है, जिसके अनुसार-निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के पारिवारिक सदस्यों के प्रतिनिधियों के रूप में नामनिर्देशन पर प्रतिषेध - किसी भी नगरीय निकाय में, निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि के पति, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन अथवा किसी अन्य निकट पारिवारिक, सदस्य या नातेदार को उनके परोक्ष प्रतिनिधि अथवा समन्वयक व्यक्ति के रूप में नामनिर्दिष्ट अथवा नियुक्त नहीं किया जाएगा। यह संशोधन छत्तीसगढ़ नगरपालिक निगम अधिनियम, 1956 तथा छत्तीसगढ़ नगरपालिका अधिनियम, 1961 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए किया गया है।

मधोता के बाद लामकेर में बाघ की आहट, बैल का शिकार

■ जंगल से लगे गांवों में बढ़ी दहशत, वन विभाग ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की दी हिदायत

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर विकासखंड के ग्राम पंचायत मधोता के बाद अब ग्राम पंचायत लामकेर के जंगल क्षेत्र में भी बाघ की मौजूदगी की आशंका से ग्रामीणों में दहशत है। लामकेर के जंगल में गत रात्रि एक बैल का जंगली जानवर द्वारा शिकार किए जाने की घटना सामने आई है।

सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। वन विभाग अधिकारी सूरज कुमार कश्यप के अनुसार,घटना स्थल पर मिले साक्ष्यों के आधार पर बैल का शिकार बाघ द्वारा किया गया है। उन्होंने ग्रामीणों को जंगल में अकेले नहीं जाने और विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है। इससे पहले मधोता के नकटामुंडा क्षेत्र में जंगली जानवर के पदचिन्ह मिलने से ग्रामीणों में चिंता बनी हुई थी। मधोता और लामकेर के जंगल आपस में जुड़े होने के कारण वन्यजीवों के आवागमन की संभावना बनी रहती है। अब लामकेर में बैल के शिकार की घटना सामने आने से ग्रामीणों की चिंता और बढ़ गई है।

वर्तमान में खेती-बाड़ी का सीजन होने के कारण ग्रामीण सुबह से शाम तक खेतों में काम कर रहे हैं। कई खेत जंगल एवं झाड़ी वाले क्षेत्रों से लगे हैं। ऐसे में ग्रामीणों के लिए विशेष सावधानी जरूरी हो गई है।

मासाड़ी क्षेत्र में पंजों के निशान ने बढ़ाई चिंता, वन अमला अलर्ट

जगदलपुर-दंतेवाड़ा/नवप्रदेश। मासाड़ी क्षेत्र में सड़क पर बाघ दिखाई देने की घटना के बाद अब खेतों में मिले उसके पंजों के निशान ने वन विभाग की चिंता बढ़ा दी है। बीती रात सड़क के बीच बाघ देखे जाने के बाद रविवार को वन विभाग की टीम ने आसपास के इलाकों में जांच की। इस दौरान गांव के खेतों में बाघ के पंजों के निशान मिले हैं। इससे क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी की पुष्टि को और बल मिला है। वन विभाग ने अब उसके आवागमन वाले संभावित इलाकों पर निगरानी बढ़ा दी है। बीजापुर से दंतेवाड़ा की ओर आ रहे ट्रक चालक संतोष ने मासाड़ी के पास सड़क के बीचों-बीच बाघ को खड़ा देखा था। ट्रक की हेडलाइट बाघ पर पड़ते ही चालक ने वाहन रोक दिया और उसकी तस्वीर भी ली। इसके बाद उसने ग्रामीणों और वन विभाग को इसकी सूचना दी थी। घटना के बाद वन विभाग की टीम लगातार क्षेत्र में बाघ की गतिविधियों पर नजर रख रही है। बचेली के रेंजर डॉ प्रीतेश पांडेय ने बताया कि बाघ की मौजूदगी को देखते हुए क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है। अलग-अलग संभावित स्थानों पर चार से अधिक ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं। कैमरों के माध्यम से बाघ की गतिविधियों और उसके आवागमन वाले मार्ग की जानकारी जुटाई जा रही है। वन अमला यह भी प्रयास कर रहा है कि बाघ किसी तरह की परेशानी या खतरा पैदा किए बिना सुरक्षित तरीके से वापस जंगल की ओर चला जाए।

विश्व आदिवासी दिवस: गरियाबंद में गरजा आदिवासी समाज, संजय सिंह बोले- झुकेंगे नहीं, जेल जाने को तैयार

जल-जंगल-जमीन पर अब आर-पार की लड़ाई, अधिकार नहीं मिला तो छीन लेंगे

गरियाबंद/नवप्रदेश। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर 9 अगस्त को गरियाबंद में आदिवासी समाज ने शक्ति, एकता और अधिकारों का जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह,दिल्ली विधायक मुकेश सहरावत, क्रांति सेना के प्रदेश अध्यक्ष अमित बघेल और बिंद्रानवागढ़ विधायक जनक ध्रुव सहित बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग शामिल हुए।

कार्यक्रम से पहले मालगांव से मोटरसाइकिल रैली निकाली गई,जो तिरंगा चौक पहुंची।यहां आतिशबाजी और जोरदार नारों के साथ अतिथियों का स्वागत किया गया।मंच पर आदिवासी संस्कृति की झलक भी देखने को मिली।पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे समाज के लोगों ने कार्यक्रम को भव्य रूप दिया। इस दौरान संजय सिंह बोले– 10 करोड़ की आबादी, फिर भी एक भी आदिवासी भारत रत्न क्यों नहीं? सभा को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने आदिवासी समाज के अधिकार,शिक्षा,स्वास्थ्य और जल-जंगल-जमीन के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि भारत में आदिवासी समाज की आबादी करीब 10 करोड़ है, लेकिन अब तक किसी आदिवासी को भारत रत्न नहीं मिला।

अडानी का मुद्दा उठाकर सरकार पर हमला

सांसद संजय सिंह ने छत्तीसगढ़ में खनिज संपदा और जंगलों को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में कोयला,बिजली,पानी और खनिज संसाधनों पर बड़े उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में किसी कंपनी के काम के लिए ग्रामसभा की भूमिका और संवैधानिक अधिकार महत्वपूर्ण हैं,लेकिन उनके अनुसार इन अधिकारों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने मंच से कहा कि 'जल, जंगल और जमीन की लड़ाई में मैं आपके साथ खड़ा रहूंगा।'

मुकेश सहरावत बोले-'आदिवासी पेड़ काटे तो जेल, बड़े कारोबारी काटें तो सरकार खामोश?'

दिल्ली विधायक मुकेश सहरावत ने भी आदिवासी अधिकारों और जंगलों के मुद्दे पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि यदि कोई आदिवासी एक पेड़ काटता है तो उसके खिलाफकार्रवाई हो जाती है, लेकिन बड़े उद्योगों द्वारा बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई के आरोपों पर सरकार की भूमिका पर सवाल उठते हैं।उन्होंने छत्तीसगढ़ में जंगल और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों को उठाते हुए कहा कि आदिवासी समाज को अपने अधिकारों और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए एकजुट होना होगा। इस अवसर पर क्रांति सेना के प्रदेश अध्यक्ष अमित बघेल ने अपने संबोधन में आदिवासी और छत्तीसगढ़ के मूलनिवासी अधिकारों को लेकर तीखा तेवर दिखाया। उन्होंने 'जय जोहार' के नारे के साथ कहा कि छत्तीसगढ़ के निवासियों के अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रहेगा।अमित बघेल ने कहा कि जब समाज अपने अधिकार मांगता है तो आंदोलनकारियों को जेल भेज दिया जाता है, लेकिन वे जेल जाने से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि बड़े-बड़े महापुरुष भी जेल गए थे और यदि छत्तीसगढ़ के मूलनिवासियों के हक के लिए जेल जाना पड़े तो वे इसके लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर हमारे संवैधानिक अधिकार नहीं मिलेंगे तो हम अपने अधिकार छीनकर लेंगे।

आदिवासी सिर्फवोट बैंक नहीं

अमित बघेल ने राजनीतिक दलों को भी चेतावनी देते हुए कहा कि अब आदिवासी समाज को केवल वोट बैंक समझने की राजनीति नहीं चलेगी। उन्होंने समाज के लोगों से अपील की कि जब चुनाव के समय कोई राजनीतिक दल वोट मांगने आए तो उससे पूछा जाए कि आदिवासी समाज के लिए उसकी ठोस योजना क्या है।

दिखी आदिवासी एकता

विश्व आदिवासी दिवस के इस आयोजन में बड़ी संख्या में समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। मंच पर अतिथियों का सम्मान किया गया तथा आदिवासी संस्कृति और सामाजिक एकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान जल-जंगल-जमीन, संवैधानिक अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और राजनीतिक भागीदारी जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित,
RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर धोटे, स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, समाचार संपादक-संदीप दीवान, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com*